सूर्योदय 5:54 सूर्यास्त 6:51

आज का तापमान

शिमला	17.0 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	20.2 न्यू	30.2 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,473
निफ्टी	24,208

सोना 1,61,000 चांदी 2,44,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 30 अगस्त 2026 | 14 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 125, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

आतंकवाद मुक्त क्षेत्र के विजन को आगे बढ़ाना प्राथमिकता : पीएम मोदी

एससीओ समिट से पहले दिया संदेश, कहा- सुरक्षा, कनेक्टिविटी व अवसर पर भारत का फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के लिए सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर पर आधारित भारत के विजन को आगे बढ़ाने और आतंकवाद के खतरे से मुक्त क्षेत्र के लिए साथी सदस्यों के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं। 29 अगस्त से 1 सितंबर तक उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के अपने दो देशों के दौरे से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उनकी यह यात्रा मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगी और इस क्षेत्र के साथ सभ्यतागत जुड़ाव को और गहरा करेगी।

अपनी प्रस्थान से पूर्व दिए गए बयान में पीएम मोदी ने कहा कि यह यात्रा शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा प्रयासों को आगे बढ़ाएगी, जो दुनिया के साथ भारत के जुड़ाव के मूल में हैं। उन्होंने कहा कि भारत 2017 से स्र्ष्ह का एक सक्रिय और रचनात्मक सदस्य रहा है। मैं क्षेत्र के लिए सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर पर आधारित भारत के विजन को आगे बढ़ाने और आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खतरे से मुक्त क्षेत्र के लिए साथी सदस्यों के साथ काम करने के लिए तत्पर हूं, जो हमारे पड़ोस और उससे भी आगे शांति तथा स्थिरता के लिए खतरा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर उज्बेकिस्तान के राजकीय दौरे के लिए 29-30 अगस्त को ताशकंद की यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पीएम मोदी ने कहा, 'मैं व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा में हमारे सहयोग को और गहरा करने तथा 'विकसित भारत' और 'यांगी उज्बेकिस्तान' के हमारे साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ अपनी चर्चा को लेकर उत्सुक हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि वह ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करेंगे, जो दोनों देशों को बांधने वाले घनिष्ठ सांस्कृतिक और लोगों के बीच के संबंधों का प्रतीक है।

उज्बेकिस्तान के युवाओं ने हिंदी में किया प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उज्बेकिस्तान यात्रा से पहले वहां के युवाओं के उत्साह और हिंदी में किए गए स्वागत की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर उज्बेक युवाओं का एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर विशेष खुशी हुई कि युवाओं ने अपनी भावनाओं को इतनी खूबसूरती से हिंदी में व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्बेकिस्तान की यात्रा शुरू करने से पहले वहां के अपने युवा मित्रों का उत्साह देखकर वह बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रयास को और खास बनाने वाली बात यह है कि युवाओं ने यह संदेश हिंदी में दिया और बहुत अच्छी हिंदी में दिया। वीडियो में ताशकंद के कई उज्बेक छात्रों ने बारी-बारी से प्रधानमंत्री मोदी का अपनी राजधानी में स्वागत किया और भारत की संस्कृति के प्रति अपने लगाव तथा दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख किया। एक छात्र ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ताशकंद उनके आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। एक अन्य छात्र ने कहा कि ताशकंद की धरती प्रधानमंत्री को बुला रही है और वह इस मुलाकात के लिए उत्सुक हैं। एक छात्रा ने कहा कि वे हिंदी भाषा सीख रही हैं और भारत की संस्कृति से बेहद प्रभावित हैं।

न्यूज शॉर्ट्स

महाकाल मंदिर में सावन में शीघ्र दर्शन से 14.22 करोड़ आय

एजेंसी, भोपाल/उज्जैन। उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में इस वर्ष श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी। एक माह में 1 करोड़ 53 लाख 75 हजार श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचे। मंदिर समिति को शीघ्र दर्शन टिकटों और लड्डू प्रसादी की बिक्री से करोड़ों रुपये की आय हुई, जिसमें शीघ्र दर्शन से ₹14.22 करोड़ प्राप्त हुए। वर्ष 2025 में 72 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। इस वर्ष संख्या दोगुनी से अधिक रही। सावन में 5 लाख से अधिक कावड़ यात्री भी पहुंचे। 3 लाख 41 हजार से अधिक भक्तों ने अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी ग्रहण की।

मुंबई में दूध के दाम 100 के पार, थोक कीमत में ₹9 प्रति लीटर बढ़ोतरी

एजेंसी, मुंबई। त्योहारी सीजन से पहले मुंबई के लोगों को महंगाई का झटका लगा है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमत में ₹9 प्रति लीटर बढ़ोतरी की घोषणा की है। नई कीमत 1 सितंबर 2026 से लागू होगी। इसके बाद मुंबई और आसपास के महानगरीय क्षेत्रों में थोक दूध का भाव ₹93 से बढ़कर ₹102 प्रति लीटर हो जाएगा। नई दर 28 फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेगी। एसोसिएशन के अनुसार, हाल के वर्षों में यह दूध की कीमतों में हुई सबसे बड़ी एकमुश्त बढ़ोतरी में से एक है। कीमत बढ़ने से दही और पनीर जैसे दुग्ध उत्पाद भी महंगे होने की संभावना है।

प्रेसिडेंसी जेल में आतंकी आफताब अंसारी के सेल से 3 आईफोन बरामद

एजेंसी, कोलकाता। अलीपुर स्थित प्रेसिडेंसी सेंट्रल जेल में सुरक्षा चूक का मामला सामने आया है। 2002 के कोलकाता अमेरिकी सूचना केंद्र आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और उम्रकैद की सजा काट रहे आफताब अहमद अंसारी के सेल से छापेमारी में तीन आईफोन, दो वाई-फाई राउटर, पेन ड्राइव, दो कार्ड रीडर, ईयरफोन और ₹31 हजार नकद बरामद हुए। गुप्त सूचना के आधार पर जेल अधिकारियों ने सेल नंबर 14 की तलाशी ली थी। सामान कपड़ों और बिस्तरों के बीच छिपाकर रखा गया था। मामले में हेस्टिंग्स थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। एजेंसियां जेल के भीतर से व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के इस्तेमाल तथा संभावित आतंकी संपर्कों की जांच कर रही हैं।

कोयला खदान में जहरीली गैस से तीन खनिकों की मौत

एजेंसी, डुक्की। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डुक्की जिले में कोयला खदान के भीतर जहरीली गैस जमा होने से तीन खनिकों की मौत हो गई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार हादसा गैस के रिसाव और खदान में उसके जमा होने के कारण हुआ। मृतकों की पहचान खान, सिराजुद्दीन और अफगानिस्तान निवासी अब्दुल्ला के रूप में हुई है। डुक्की में पाकिस्तान यूनाइटेड वर्कर्स फेडरेशन के अध्यक्ष शेर मुहम्मद काकर ने खदानों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की मांग की। उन्होंने श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने और हादसे की जांच कराने की अपील की। हादसे से खनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

देहरा में 46 करोड़ से स्थापित होगी प्रदेश की पहली ओजोन आधारित पेयजल परियोजना : सीएम सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कांगड़ा जिले के देहरा विधानसभा क्षेत्र के बड्डुल थोर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए देहरा क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश की पहली ओजोन आधारित पेयजल उपचार परियोजना स्थापित की जा रही है। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 46 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की है।

उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भविष्य में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की ओजोन आधारित जल उपचार परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि दूषित पानी के सेवन से कई प्रकार की बीमारियों की संभावना बनी रहती है, इसलिए लोगों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध करवाना आवश्यक है। उन्होंने क्षेत्र में पशु चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए बड्डुल थोर में पशु चिकित्सालय खोलने की भी घोषणा की।

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री का अपना परिवार सुखी परिवार योजना' के तहत लोगों को लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसके लिए पंचायतों में सर्वेक्षण किया जा रहा है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति को भी राज्य के संसाधनों में उसका उचित अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं व इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं और महिला मंडलों को पौधरोपण एवं वनों के संरक्षण से जोड़ने के उद्देश्य से राजीव गांधी वन संवर्धन योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों को 1.20 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त, लगाए गए पौधों के जीवित रहने के आधार पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए कई कदम उठा रही है। प्रदेश में सीबीएसई स्कूल खोले गए हैं तथा आने वाले समय में और अधिक सीबीएसई स्कूल स्थापित किए जाएंगे।

विकास कार्यों में नहीं होने देंगे धन की कोई कमी

सीएम ने कहा कि देहरा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि खर्च की जा रही है तथा भविष्य में भी विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इससे पूर्व देहरा विधानसभा क्षेत्र के बड्डुल थोर हेलीपैड पहुंचने पर स्थानीय निवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक कमलेश ठाकुर एवं अन्य कांग्रेस प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का सम्मान किया। मसीएम ने चनौर स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश के लोगों की शांति, समृद्धि एवं सुख-कल्याण के लिए प्रार्थना की।

नेपाल में हाइड्रोपावर परियोजना से सुरक्षित निकाले 4 भारतीय, 287 अब भी लापता

◆ बाढ़-भूस्खलन के बीच राहत अभियान जारी, अब तक 88 भारतीय सुरक्षित

एजेंसी, नई दिल्ली। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के बाद जारी राहत एवं बचाव अभियान के बीच शनिवार को रसुवा की एक हाइड्रोपावर परियोजना से चार भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार रिपु कुमार, चंद्रशेखर नरजरी, कृपाशंकर और मोहम्मद मिन्हाजुद्दीन को सुरक्षित निकाल लिया गया है और उनके जल्द काठमांडू पहुंचने की उम्मीद है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि लापता लोगों की पहचान और बचाव अभियान में नेपाल की सहायता के लिए भारत ने विशेषज्ञ टीमें भेजी हैं। मृतकों के अवशेषों की पहचान में मदद के लिए छह सदस्यीय फॉरेंसिक टीम नेपाल पहुंचने वाली है। टीम डीएनए नमूनों के विश्लेषण में नेपाली अधिकारियों की सहायता करेगी। सुरंग बचाव के लिए भेजी गई विशेष तकनीकी टीम काठमांडू पहुंच चुकी है। टीम ने प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थिति का आकलन किया है। उसकी सिफारिश के आधार पर विशेष सुरंग बचाव उपकरणों के साथ एक अन्य टीम भी नेपाल भेजी जा रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार अब तक 88 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि 287 भारतीय और भारतीय मूल के 128 लोग लापता बताए गए हैं। चीन की ओर से भी शनिवार को 120 भारतीय नागरिकों को नेपाल से निकालकर सुरक्षित पहुंचाया गया।

नूंह में सीएम सैनी ने दी 175 करोड़ की सौगात

100 बेड अस्पताल की नींव रखी, कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

एजेंसी, नूंह। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को नूंह की नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिले को 175 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की करीब 163 करोड़ रुपए की 11 परियोजनाओं और मेवात विकास अभिकरण की 11.18 करोड़ रुपए की 10 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

नवनियुक्त प्राथमिक शिक्षकों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान कहा कि मेवात क्षेत्र के लिए यह अत्यंत खुशी की बात है कि आज इस क्षेत्र को 1054 नए शिक्षक मिलने जा रहे हैं। मेवात में प्राथमिक शिक्षकों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से ये नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि कभी शिक्षा के मामले में पिछड़ा माना जाने वाला मेवात क्षेत्र अब होनहार और प्रतिभाशाली बच्चों का क्षेत्र बन चुका है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने दो प्रमुख योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता राशि जारी की, इसके तहत क्षेत्र के 70 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 39 लाख 90 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। इसके अंतर्गत 1364 विद्यार्थियों को 52 लाख 44 हजार रुपए की छात्रवृत्ति राशि जारी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने युवाओं के स्वाभिमान और उनकी योग्यता का पूरा सम्मान किया है। राज्य सरकार ने 'बिना पर्ची, बिना खर्ची' के पारदर्शी तरीके से 2 लाख से अधिक पक्की सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। इसके अतिरिक्त, हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से भी लगभग 26 हजार युवाओं को अनुबंध के आधार पर रोजगार दिया गया है।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो को रिश्वतखोरी मामले में 5 साल की सजा

◆ चीनी कंपनी से ठेका दिलाने के बदले रिश्वत लेने का आरोप, पत्नी-बेटी भी दोषी

एजेंसी, क्विटो। इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को चीनी कंपनी सिनोहाइड्रो से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में दोषी ठहराते हुए अदालत ने पांच वर्ष की सजा सुनाई है। अदालत के अनुसार, मोरेनो ने हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के निर्माण का ठेका दिलाने में मदद के बदले रिश्वत ली थी। 73 वर्षीय मोरेनो शारीरिक अक्षमता के कारण चलने में असमर्थ हैं। ऐसे में अदालत ने उन्हें जेल भेजने के बजाय घर में नजरबंद रखकर सजा काटने का आदेश दिया।

मामला वर्ष 2008 से 2018 के बीच सक्रिय रहे कथित भ्रष्टाचार नेटवर्क से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सिनोहाइड्रो के प्रोजेक्ट की कुल लागत का करीब चार प्रतिशत कमीशन के रूप में वसूला गया और यह रकम सरकारी अधिकारियों तथा मोरेनो समेत अन्य लोगों तक पहुंचाई गई। मोरेनो की पत्नी और बेटी को भी दोषी ठहराते हुए 30-30 महीने की सजा सुनाई गई है। उनके दो भाइयों और एक जीजा को भी दोषी पाया गया। अदालत ने सभी दोषियों को कथित अवैध कमाई का तीन गुना हिस्सा 90 दिनों के भीतर लौटाने का आदेश दिया है।

यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने कोका कोडो सिंक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट से संबंधित है। मोरेनो इक्वाडोर के तीसरे पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई गई है।

खेल प्रतिभाओं को निखारकर देश के प्रमुख खेल राज्यों में शामिल होगा उत्तराखंड : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, नैनीताल। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नैनीताल में उत्तराखंड के पहले क्रीड़ा विश्वविद्यालय का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रीड़ा विश्वविद्यालय राज्य की खेल प्रतिभाओं को निखारने और खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर क्रीड़ा विश्वविद्यालय की सौगात प्रदेश के युवाओं और खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे राज्य के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों से राज्य में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और वातावरण का निर्माण हुआ है। सरकार इस गति को आगे बढ़ाते हुए खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रही है।

◆ सीएम ने उत्तराखंड के पहले क्रीड़ा विश्वविद्यालय का किया शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। क्रीड़ा विश्वविद्यालय के माध्यम से प्रदेश के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, शोध तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए नई खेल नीति लागू की है। इसके तहत प्रतिभावान खिलाड़ियों को विभिन्न स्तरों पर प्रोत्साहन और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खिलाड़ियों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है।

सैफ अली खान हमले के आरोपी ने मांगी जुर्म कबूलने की अनुमति

एजेंसी, मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के मामले में मुख्य आरोपित मोहम्मद शरीफुल इस्लाम ने मुंबई की सत्र अदालत में अर्जी दाखिल कर अपना जुर्म कबूल करने की इच्छा जताई है। आरोपित ने अदालत से अपराध स्वीकार करने की अनुमति देने के साथ मामले में नरमी बरतने की भी गुजारिश की है। अदालत ने अर्जी पर अभियोजन से जवाब मांगा है और अगली सुनवाई 11 सितंबर को निर्धारित की है। तलोजा सेंट्रल जेल में बंद आरोपित की ओर से अधिवक्ता विपुल दुशिंग ने अर्जी दाखिल की। पुलिस ने उसे 16 जनवरी 2025 को बांद्रा स्थित सैफ अली खान के घर में हुए कथित हमले के दो दिन बाद गिरफ्तार किया था। आरोपित पर लूट के दौरान गंभीर चोट पहुंचाने के प्रयास, घर में जबरन घुसने तथा पासपोर्ट और फॉरेनर्स एक्ट के तहत कई आरोप हैं। इससे पहले वह आरोपों से इनकार कर चुका था।

दुनिया के लिए भारत में बनाएं उत्पाद : सीतारमण

शिकागो में प्रमुख निवेशकों व बिजनेस लीडर्स के साथ हाई-लेवल गोलमेज बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली/वाशिंगटन। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वैश्विक निवेशकों से भारत में विनिर्माण आधार के साथ प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र स्थापित करने का आह्वान किया है। उन्होंने निवेशकों से भारत की प्रतिभा और अवसरों का लाभ उठाकर दुनिया के लिए उत्पाद बनाने की अपील की।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, सीतारमण ने शुक्रवार को शिकागो में प्रमुख निवेशकों और कारोबारी नेताओं के साथ आयोजित हाई-लेवल बिजनेस गोलमेज को संबोधित किया। इसका आयोजन शिकागो स्थित भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के साथ मिलकर किया। बैठक का मुख्य विषय 'भारत में निर्माण-भारत और दुनिया के लिए' था। बैठक में विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डिजिटल, वित्तीय सेवाओं, बुनियादी ढांचे, खाद्य प्रसंस्करण, रक्षा व उन्नत प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई।

सीतारमण ने कहा कि भारत में निवेश का आकर्षण किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पिछले दशक में हुए विकास, सुधारों, प्रतिभा, इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी प्रगति के मेल पर आधारित है। उन्होंने 'भारत ही क्यों, अभी क्यों' के तहत मजबूत घरेलू मांग, निवेश आधारित विकास, मैक्रो-इकोनॉमिक मजबूती और बड़े टैलेंट पूल को भारत की प्रमुख ताकत बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक कंपनियों द्वारा सप्लाई चेन और पूंजी आवंटन की समीक्षा के बीच भारत बड़े बाजार के साथ दीर्घकालिक निवेश और कारोबार के मंच के रूप में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है।

मेजर ध्यानचंद की विरासत अनुशासन, समर्पण दृढ़ता और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा : अनुराग ठाकुर

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग ठाकुर ने साई नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ह्ष्ट्ह्श्व), हमीरपुर में आयोजित समारोह में शिरकत की। उन्होंने महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी विरासत पदकों और जीत तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुशासन, समर्पण, दृढ़ता और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा भी देती है।

अनुराग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सोच और व्यवस्था में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का बजट 2014-15 के 1,643 करोड़ रुपये से बढ़कर 2026-27 में 4,479.88 करोड़ हो गया है। उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के 39 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल करने का भी उल्लेख किया।

◆ राष्ट्रीय खेल दिवस पर हमीरपुर में खेल प्रतिभाओं का सम्मान

उन्होंने हमीरपुर साई एनसीओई की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यहां एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, हॉकी, जूडो और कुश्ती के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिल रहा है। केंद्र की मानसी सिंह ने सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है, जबकि खिलाड़ियों ने हिमाचल सीनियर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप में नौ पदक हासिल किए। अनुराग ने कहा कि खेलो इंडिया 2.0 के तहत स्कूल स्तर से ओलंपिक पोडियम तक खिलाड़ियों के विकास की मजबूत व्यवस्था तैयार की जाएगी। इसके लिए फीडर स्कूल, वैज्ञानिक प्रतिभा पहचान, स्पोर्ट्स साइंस और तकनीक आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा।

जनता दर्शन

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं फरियादें, बोले—हर पीड़ित को मिलेगा न्याय

सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्रतिबद्धता : योगी

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना भेदभाव, हर व्यक्ति की समस्या का समाधान कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब 200 लोगों से मिले। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक वह खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की समस्या का पारदर्शी समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

जनता दर्शन में हर बार की तरफ शनिवार को भी कुछ लोग गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। इन लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ लोग पारिवारिक विवादों के मामले भी लेकर आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पारिवारिक विवादों में सबंधित पक्षों के बीच संवाद कराने की पहल की जाए।

गोरखनाथ मंदिर प्रवास में की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। मुख्यमंत्री ने गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़-पूड़ी खिलाया।

कल्पा में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का जनाक्रोश, चार वर्षों का मांगा हिसाब

भाजपा ने सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल, किन्नौर की समस्याओं के समाधान का मांगा जवाब

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रिकांगपिओ, किन्नौर। भारतीय जनता पार्टी कल्पा मंडल की ओर से प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों और किन्नौर की स्थानीय समस्याओं को लेकर कल्पा में विशाल जनाक्रोश रैली आयोजित की गई। मंडल अध्यक्ष कंवर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जनता से जुड़े मुद्दों पर जवाब मांगा।

रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए लगभग चार वर्ष होने वाले हैं, लेकिन किन्नौर की जनता आज भी कई मूलभूत समस्याओं के समाधान की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता को अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर हुए विकास कार्यों का स्पष्ट हिसाब चाहिए। सरकार को बताना चाहिए कि इन वर्षों के दौरान किन्नौर के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कितने ठोस कदम उठाए गए।

रैली के मुख्य वक्ता सूरत नेगी ने स्थानीय विधायक एवं मंत्री जगत सिंह नेगी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से सत्ता और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में रहने के बावजूद क्षेत्र की कई समस्याएं अभी तक बनी हुई हैं। उन्होंने स्थानीय विधायक से अपने कार्यकाल की उपलब्धियों और लंबित विकास कार्यों का जनता के सामने हिसाब रखने की मांग की।

भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होती है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं को लेकर जनता लगातार सवाल उठा रही है। ऐसे में सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों का स्पष्ट जवाब दें और समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाएं।

जनाक्रोश रैली को भाजपा जिला किन्नौर अध्यक्ष यशवंत नेगी, हकीम नेगी, नरेंद्र नेगी और इंदर सैन नेगी ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कांग्रेस सरकार की नीतियों और स्थानीय विधायक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए किन्नौर की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

शिमला पुलिस ने तीन अंतरराज्यीय नशा नेटवर्क का किया पर्दाफाश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में अंतरराज्यीय नेटवर्क से जुड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक मामले में 1.120 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन बरामद करने के बाद नेटवर्क की अहम कड़ी को अहमदाबाद हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया। आरोपी अबू धाबी भागने की तैयारी में था।
पहले मामले में विशेष प्रकोष्ठ ने तीन अगस्त को शोघी के पास विजय कुमार को 1.120 किलोग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा था। जांच में तरनतारन निवासी शुभकरमन सिंह उर्फ सुल्तान और अंबाला निवासी आजाद सिंह की भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार आजाद गिरफ्तारी से बचने के लिए विदेश जाने की तैयारी कर रहा था। तकनीकी निगरानी के आधार पर उसकी लोकेशन अहमदाबाद मिली, जहां गुजरात पुलिस के सहयोग से उसे हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। अदालत ने उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही पर डीसी सख्त स्कूलों को रोजाना देना होगा सुरक्षा प्रमाणपत्र

28 स्कूलों को किया गया था आमंत्रित, स्मरण कराने के बाद भी नहीं पहुंचे कई प्रधानाचार्य

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला शहर के सरकारी और निजी स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में बचत भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था, संभावित खतरों की रोकथाम, नियमित सुरक्षा जांच और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में शहर के 28 सरकारी एवं निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। स्कूलों को बैठक में शामिल होने के लिए दो बार स्मरण भी कराया गया था। इसके बावजूद कई निजी स्कूलों के प्रधानाचार्य बैठक में उपस्थित नहीं हुए। कुछ स्कूलों ने प्रधानाचार्यों के स्थान पर अन्य शिक्षकों को भेजा। इस पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर स्कूल प्रबंधन की गंभीर भागीदारी जरूरी है।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि प्रत्येक स्कूल प्रबंधन प्रतिदिन जिला पुलिस को प्रमाणपत्र देगा कि स्कूल परिसर की सुरक्षा जांच पूरी कर ली गई है और परिसर सुरक्षित है। स्कूल शुरू होने से पहले और बंद होने के बाद नियमित सुरक्षा जांच अनिवार्य होगी। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी की भी नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए।

मानक संचालन प्रक्रिया का पालन जरूरी : बैठक में स्कूल सुरक्षा एवं संभावित खतरों से निपटने संबंधी मानक संचालन प्रक्रिया के प्रावधानों पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त और आवासीय स्कूलों में इसका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्कूल परिसरों में चारदीवारी या बाड़, नियंत्रित प्रवेश-निकास, आगंतुक पंजिका, सुरक्षा कर्मियों और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्कूल स्टाफ, सुरक्षा कर्मियों, बस चालकों, निर्माण श्रमिकों और अन्य बाहरी कर्मचारियों के आवश्यक सत्यापन पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। स्कूल वाहनों और चालकों का सत्यापन, सीसीटीवी के लिए विद्युत बैकअप, संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार ड्रोन निगरानी और निर्माण कार्यों की निगरानी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

उपायुक्त ने नियमित सुरक्षा निरीक्षण और मासिक सुरक्षा जांच की व्यवस्था प्रभावी बनाने तथा प्रत्येक स्कूल में सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारियों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।

हिमाचल में गिद्ध संरक्षण को लेकर चलेगा जागरूकता अभियान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रकृति के सफाईकर्मी कहे जाने वाले गिद्धों के संरक्षण और उनके पर्यावरणीय महत्व को लेकर हिमाचल प्रदेश में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में 31 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक सप्ताहभर विभिन्न जागरूकता और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह पहल जेडएसएल एज और द हैबिटैट्स ट्रस्ट की ओर से हिमाचल प्रदेश वन एवं वन्यजीव विभाग के सहयोग से की जा रही है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और स्थानीय समुदायों को गिद्धों की पारिस्थितिक भूमिका के बारे में जानकारी देना तथा इनके संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाना है। गिद्ध मृत पशुओं के शवों को तेजी से खाकर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे सड़ते शवों से फैलने वाले संक्रमण और बीमारियों का खतरा भी कम होता है। इसलिए गिद्धों को स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बेहद जरूरी माना जाता है।

हिमाचल प्रदेश गिद्ध संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रदेश में गिद्धों की सात से अधिक प्रजातियां दर्ज की गई हैं। ऐसे में इनके प्राकृतिक आवासों को सुरक्षित रखना और लोगों को इनके महत्व के प्रति जागरूक करना आवश्यक है।

अभियान के तहत कांगड़ा जिले के लपियाणा, घीणा और धर्मशाला के 15 स्कूलों को जोड़ा जाएगा। विद्यार्थियों के लिए जागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित होंगी। बच्चों को गिद्धों पर आधारित चित्र और वीडियो बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

धर्मशाला उत्तर के मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव सरोज भाई पटेल ने पहल का स्वागत करते हुए कहा कि गिद्ध संरक्षण के लिए युवाओं और स्थानीय समुदायों को जोड़ना जरूरी है। वहीं मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव शिमला प्रीति भंडारी ने कहा कि विद्यार्थियों और समुदायों की भागीदारी से गिद्धों के प्रति समझ और संरक्षण की भावना मजबूत होगी।

कार्यक्रमों में नुक्कड़ नाटक भी आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों और आम लोगों को गिद्धों से जुड़ी यादें, अनुभव और कहानियां चित्रों व छोटे वीडियो के माध्यम से साझा करने का अवसर मिलेगा। चयनित प्रविष्टियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों का उद्देश्य गिद्ध संरक्षण को केवल जागरूकता तक सीमित न रखकर समुदाय आधारित अभियान बनाना है।

ठियोग महाविद्यालय में खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग में महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और टेबल टेनिस सहित विभिन्न अंतरवर्गीय खेल प्रतियोगिताएं करवाई गईं। विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाविद्यालय के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

खेल गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। एकल शास्त्रीय एवं अर्धशास्त्रीय प्रस्तुतियों तथा नृत्य कार्यक्रमों ने समारोह में विशेष आकर्षण पैदा किया। विद्यार्थियों को खेलों के साथ अपनी रचनात्मक और कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करने तथा संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया।

नशे के खिलाफ स्कूलों में उतरेंगे सेवानिवृत्त सैनिक विद्यार्थियों को देंगे जीवन संवारने का जरुरी संदेश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने, अनुशासन की भावना विकसित करने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत सेवानिवृत्त सैनिक और पूर्व सैन्य अधिकारी स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उन्हें अपने अनुभवों के माध्यम से नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

जिला एंकॉर्ड समिति की बैठक शनिवार को उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। बैठक में जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों, संवेदनशील पंचायतों को रेड जोन से येलो जोन में लाने तथा विभिन्न विभागों के प्रयासों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशा विरोधी अभियान केवल बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। स्कूलों, पंचायतों और संवेदनशील क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि 19 संवेदनशील पंचायतों को रेड जोन से येलो जोन में लाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए विभागों को आपसी समन्वय से ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी।

उपायुक्त ने बताया कि जिला स्तर पर सेवानिवृत्त सेना अधिकारियों और सैनिकों की सूची तैयार की जा चुकी है। सूची में शामिल सभी लोगों ने स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहमति दी है। यह सूची जिले के सभी स्कूलों को उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानाचार्य सूची में शामिल किसी भी सैनिक या पूर्व सैन्य अधिकारी को विद्यालय में आमंत्रित कर सकते हैं।

कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, अनुशासन अपनाने, लक्ष्य निर्धारित करने, कठिन परिस्थितियों का सामना करने और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि सैनिकों के अनुभव विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके परिवारों और समाज तक भी सकारात्मक संदेश पहुंचा सकते हैं।

दैइया में खेल प्रतिभाओं का संगम, अंडर-14 प्रतियोगिता में जुटे 480 छात्र खिलाड़ी

भारतेन्दु संवाददाता, नेरवा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दैइया में नेरवा खंड की चौदह वर्ष से कम आयु वर्ग के छात्रों की तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में खंड के 36 विद्यालयों के करीब 480 छात्र खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता को लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करतार सिंह पोटन, शारीरिक शिक्षा निदेशक ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने आयोजक विद्यालय को अपनी ओर से पांच हजार रुपये की राशि भी भेंट की।

विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य संतराम करासटा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे सभी शारीरिक शिक्षकों, अध्यापकों और खिलाड़ी विद्यार्थियों का भी स्वागत किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान शारीरिक शिक्षक दिनेश गजटा ने मंच संचालन की जिम्मेदारी संभाली और अपनी प्रभावी प्रस्तुति से समारोह को जीवंत बनाए रखा। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न खेल गतिविधियों में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। प्रतियोगिता के आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और बेहतर मंच प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

मछुआरा परिवारों को आर्थिक मदद, प्रशासनिक और स्वास्थ्य सुविधाओं में होगा विस्तार

मुख्यमंत्री ने डाडासीबा में एसडीएम कार्यालय और कस्बा कोटला स्वास्थ्य केंद्र की घोषणा की

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कांगड़ा दौरे के दौरान जसवां-प्रागपुर विधानसभा क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण सौगातें दीं। उन्होंने डाडासीबा में नया एसडीएम कार्यालय खोलने की घोषणा की और कहा कि इसकी अधिसूचना जल्द जारी की जाएगी। साथ ही कस्बा कोटला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को चौबीसों घंटे संचालित करने के लिए आवश्यक प्रावधान करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने डाडासीबा में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्मान निधि योजना के तहत 1,012 मछुआरा परिवारों को 35 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता जारी की। प्रत्येक परिवार के बैंक खाते में 3,500 रुपये प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से भेजे गए। उन्होंने कहा कि मछली पकड़ने पर वार्षिक प्रतिबंध की अवधि में सरकार मछुआरा परिवारों को यह सहायता प्रदान कर रही है। मछली के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य भी दिया जा रहा है।

सुक्खू ने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान बंद होने से प्रदेश को हर वर्ष लगभग 8 से 10 हजार करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी 2 अक्तूबर को सोलन जिले से मुख्यमंत्री का अपना परिवार सुखी परिवार योजना शुरू की जाएगी। इसके लिए ऐसे करीब 90 हजार परिवारों की पहचान की गई है, जिन्हें अब तक किसी सरकारी कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिला है। योजना के तहत करीब दो लाख परिवारों को सहायता देने का लक्ष्य है। पात्र परिवारों की महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह पेंशन के साथ 300 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध करवाने की बात कही गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार समाज के कमजोर वर्गों को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ-साथ स्वास्थ्य और प्रशासनिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। डाडासीबा में एसडीएम कार्यालय खुलने से क्षेत्र के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जबकि कोटला सीएचसी के चौबीसों घंटे संचालन से स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होगी।

सेंट थॉमस स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस पर दिखा विद्यार्थियों का जोश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सेंट थॉमस स्कूल, शिमला में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूको बैंक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, लीड बैंक कार्यालय शिमला तथा यूको बैंक अर्द्रक के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए बास्केटबॉल और ताइक्वांडो सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें बालक एवं बालिकाओं की टीमों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल भावना का परिचय दिया। खेल मैदान में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था।

प्रतियोगिताओं के समापन के बाद विजेता टीमों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सुश्री शेरोन नंदा ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित खेल गतिविधियों से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है।

यूको बैंक के राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति प्रभारी, हिमाचल प्रदेश, श्री दीपक कुमार ने भी विस्द्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खेलों को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए।

सड़क विस्तार जुब्बल-नावर-कोटखाई में 215 किलोमीटर नई सड़कों की मंजूरी से गांवों को मिलेगी बेहतर यातायात सुविधा

जुब्बल-नावर-कोटखाई में 186 नई सड़कों को मिली मंजूरी

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने एक दिवसीय जुब्बल दौरे के दौरान जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत पराली और मंढोल में सड़क एवं अन्य विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए क्षेत्र में सड़क सुविधा को मजबूत करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें विकास की आधारभूत जरूरत हैं और सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है।

ग्राम पंचायत पराली में शिक्षा मंत्री ने करीब 2.50 करोड़ रुपये की लागत से स्तरोन्नत होने वाले खड़ापत्थर-मड़ान संपर्क मार्ग के कार्य का भूमि पूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने करीब 60 लाख रुपये की लागत से निर्मित खड़ापत्थर से अनुसूचित जाति बहुल बस्ती पाचड़ा संपर्क सड़क का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत पराली में अब तक पांच विभिन्न सड़कों की पासिंग हो चुकी है।

इसके बाद उन्होंने ग्राम पंचायत मंढोल के तहत करीब दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मंढोल से अनुसूचित जाति बहुल बस्ती मंढोल संपर्क सड़क का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि मंढोल और सारी पंचायतों में लगभग आठ करोड़ रुपये की लागत से 10 विभिन्न सड़कों का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा मंढोल में करीब 35 लाख रुपये की लागत से निर्मित लोक भवन भी जनता को समर्पित किया गया।

खड़ापत्थर-पटसारी सड़क का 90 प्रतिशत काम पूरा : रोहित ठाकुर ने बताया कि क्षेत्र की महत्वपूर्ण खड़ापत्थर-पटसारी सड़क के स्तरोन्नयन का कार्य करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से युद्धस्तर पर चल रहा है। इस सड़क का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि सड़क के बेहतर होने से क्षेत्र के लोगों के साथ-साथ बागवानों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी।

जनसभाओं को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 186 नई सड़कों की सफल पासिंग हुई है। इन सड़कों के माध्यम से अधिक से अधिक गांवों को सड़क सुविधा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में कुल 215.756 किलोमीटर सड़कों की पासिंग हुई है।

शिमला ईदगाह में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने रक्षाबंधन पर दिया भाईचारे का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हिमाचल प्रदेश की ओर से रक्षाबंधन का पर्व शिमला स्थित ईदगाह में धूमधाम और भाईचारे के संदेश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और राष्ट्रगीत के गायन के साथ हुई। इस दौरान भारत माता की जय के नारे भी लगाए गए। कार्यक्रम में प्रदेशभर से संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

मंच की हिमाचल प्रदेश प्रांत इकाई की ओर से मुख्य अतिथि दीपक जोशी और केडी हिमाचली को टोपी एवं मफलर पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री दीपक जोशी ने की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, नारी सम्मान और भाईचारे का संदेश देने वाला अवसर भी है। उन्होंने बताया कि मंच की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में रक्षाबंधन का पर्व सामाजिक एकता के संदेश के साथ मनाया जा रहा है।

दीपक जोशी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच अटूट विश्वास और बहन के संरक्षण के संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि पेड़ सुरक्षित रहेंगे तो जीवन सुरक्षित रहेगा। प्रदूषण की बढ़ती समस्या का समाधान व्यापक स्तर पर पौधारोपण से ही संभव है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने राष्ट्रीय स्तर पर पौधारोपण अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है।

मंच के संयोजक केडी हिमाचली ने संगठनात्मक गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए हिमाचल प्रदेश की प्रांतीय टीम का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक सफलता तभी है, जब राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से तय कार्यक्रमों को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। कार्यक्रम केवल औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि समाज की भागीदारी और कार्यकर्ताओं के समन्वय से आगे बढ़ें।

प्रदेश संयोजक मोहम्मद शाहिद ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का प्रदेश के प्रत्येक जिले और उपमंडल तक विस्तार किया जाएगा तथा अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

नैनबाग कॉलेज में एमए प्रवेश प्रक्रिया पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। नैनबाग स्थित राजकीय महाविद्यालय में एमए प्रथम सेमेस्टर की प्रवेश प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि एक छात्रा को प्रवेश जांच समिति ने प्रवेश दिया और उससे फीस व पंजीकरण शुल्क भी जमा कराया गया, लेकिन बाद में उसका परीक्षा फॉर्म रोक दिया गया। इससे कॉलेज की प्रवेश जांच प्रक्रिया और प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। छात्रों का कहना है कि यदि छात्रा निर्धारित पात्रता पूरी नहीं करती थी तो प्रवेश के समय ही उसकी अंकतालिका और विषयों की जांच की जानी चाहिए थी। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विवरणिका जारी नहीं होने से भी पात्रता और विषय चयन की जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी। मामले की जानकारी प्राचार्य को दी गई है। प्राचार्य ने जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया है।

गीता नगर में जनता मिलन कार्यक्रम में डॉ. अग्रवाल का भव्य स्वागत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। ऋषिकेश विधानसभा क्षेत्र के गीता नगर में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल का क्षेत्रीय जनता और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने मृत्युंजय महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर क्षेत्र और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार और आवश्यक विकास कार्यों के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण उनकी प्राथमिकता है। बिजली, पानी, सड़क और नाली से जुड़े कार्यों को लगातार गति दी जा रही है। पार्षद दिनेश रावत ने विधायक का आभार जताते हुए क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में मंदिर समिति के पदाधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर तिलवाड़ा ने जीता कबड्डी का खिताब

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल । जिला रुद्रप्रयाग में अगस्त्यमुनि स्पोर्ट्स स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित जनपद स्तरीय ओपन बालक वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता का खिताब तिलवाड़ा ने अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में तिलवाड़ा और श्रीनगर के बीच कांटे की टक्कर रही और निर्धारित समय तक दोनों टीमों का स्कोर 23-23 रहा। इसके बाद पांच-पांच रेड के टाईब्रेकर में तिलवाड़ा ने 5-4 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में जनपद की छह टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज सिंह चौहान ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेल भावना बढ़ती है और स्थानीय प्रतिभाओं को बेहतर मंच मिलता है।

उत्तराखंड के पहले क्रीड़ा विश्वविद्यालय का मुख्यमंत्री धामी ने किया शिलान्यास

उत्तराखंड को देश के प्रमुख खेल राज्यों में शामिल करने की तैयारी, धामी बोले- खिलाड़ियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

अनिल थपलियाल

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर उत्तराखंड को खेल क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नैनीताल में प्रदेश के पहले क्रीड़ा विश्वविद्यालय का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रीड़ा विश्वविद्यालय राज्य की खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर इस विश्वविद्यालय की आधारशिला रखा जाना प्रदेश के युवाओं और खेल प्रतिभाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की है। क्रीड़ा विश्वविद्यालय के माध्यम से खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण के साथ खेल विज्ञान, शोध और अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराने की योजना है। इससे प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा।

धामी ने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों से प्रदेश में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। सरकार इस माहौल को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रतिभावान खिलाड़ियों को उनकी क्षमता के अनुसार सुविधाएं और प्रोत्साहन देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य राज्य की युवा प्रतिभाओं को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकें।

भूमि पूजन करते मुख्यमंत्री धामी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए नई खेल नीति लागू कर चुकी है। इसके तहत प्रतिभावान खिलाड़ियों को विभिन्न स्तरों पर सहायता और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खिलाड़ियों की शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था भी की गई है।

खिलाड़ियों को मिलेगा प्रोत्साहन

सरकार खेल मैदानों के विस्तार और प्रशिक्षण सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि क्रीड़ा विश्वविद्यालय केवल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खेलों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन और शोध को भी बढ़ावा देगा। इससे खेल विज्ञान और आधुनिक प्रशिक्षण तकनीकों का लाभ प्रदेश के खिलाड़ियों को मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड को देश के प्रमुख खेल राज्यों में शामिल करना है।

खेल सुविधाएं एक परिसर में मिलेंगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने की है। क्रीड़ा विश्वविद्यालय के माध्यम से खिलाड़ियों को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण के साथ खेल विज्ञान, शोध और अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराने की योजना है। इससे प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा।

आधुनिक संसाधन मिलेंगे

धामी ने कहा कि उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों से प्रदेश में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। सरकार इस माहौल को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रतिभावान खिलाड़ियों को उनकी क्षमता के अनुसार सुविधाएं और प्रोत्साहन देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य राज्य की युवा प्रतिभाओं को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकें। धामी ने बताया कि राज्य सरकार खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए नई खेल नीति लागू कर चुकी है। इसके तहत प्रतिभावान खिलाड़ियों को विभिन्न स्तरों पर सहायता और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

पहले खेल विश्वविद्यालय का पहला बैच रचेगा इतिहास : रेखा आर्या

अनिल थपलियाल

हल्द्वानी में राज्य के पहले खेल विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह से पूर्व खेल मंत्री रेखा आर्या ने विश्वविद्यालय के प्रथम शैक्षणिक सत्र में प्रवेश लेने वाले करीब 150 विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें ऐतिहासिक प्रथम बैच का हिस्सा बनने पर बधाई दी। खेल मंत्री ने कहा कि यह बैच केवल विश्वविद्यालय की शुरुआत का साक्षी नहीं बनेगा, बल्कि प्रदेश के खेल क्षेत्र को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संवाद कार्यक्रम में खेल मंत्री ने बैचलर इन स्पोर्ट्स साइंस, बैचलर इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग के विद्यार्थियों से सीधे बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके अनुभव, सुझाव और भविष्य की अपेक्षाओं के बारे में जानकारी ली। रेखा आर्या ने कहा कि आधुनिक समय में

खेल केवल मैदान पर अभ्यास और प्रतियोगिता तक सीमित नहीं हैं। बायोमैकेनिक्स, खेल पोषण, चोट से बचाव और खेल विपणन जैसे विषय खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि खेल विज्ञान और खेल प्रबंधन से खिलाड़ियों के प्रदर्शन को वैज्ञानिक आधार मिलेगा और राज्य में खेल प्रशासन को अधिक पेशेवर बनाया जा सकेगा। विद्यार्थियों ने भी विश्वविद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने आधुनिक खेल विज्ञान प्रयोगशाला, अत्याधुनिक एथलेटिक ट्रैक, इंडोर परिसर और अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन को अपने लिए सपने के सच होने जैसा बताया।

खेल मंत्री ने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय में खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्टों और अन्य विशेषज्ञों की टीम उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रथम बैच के विद्यार्थी इतिहास रचने जा रहे हैं और भविष्य में उत्तराखंड के साथ देश के खेल क्षेत्र को नई दिशा देने में अहम योगदान देंगे।

नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज को लेकर आंदोलनकारियों ने सरकार को चेताया

अनिल थपलियाल

नई टिहरी जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति का धरना 14वें दिन भी जारी रहा। वहीं सत्याग्रही जीत राम भट्ट का सत्याग्रह 28वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में आंदोलनकारियों ने पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं राज्य आंदोलनकारी राकेश राणा ने कहा कि सरकार को मेडिकल कॉलेज के मुद्दे पर राजनीति बंद कर जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए और जल्द निर्माण कार्य शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टिहरी और उत्तरकाशी के अधिकांश क्षेत्रों के लिए नई टिहरी स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पहाड़ों से पलायन रोकने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी है।

आंदोलनकारियों ने कहा कि नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज के लिए पर्याप्त भूमि और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। जिला चिकित्सालय परिसर में 100 बेड का अस्पताल तैयार है। इसके अलावा करीब 72 हजार वर्गफुट भूमि चिन्हित है, जिसमें लगभग 22 हजार वर्गफुट क्षेत्र में भवन और अन्य ढांचा मौजूद है।

कर्णप्रयाग में धूमधाम से मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

कर्णप्रयाग स्थित श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न खेलकूद गतिविधियों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। विद्यालय के विभिन्न सदनों के बीच बास्केटबॉल और वालीबॉल प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्रधानाचार्य सुमन कुमार, विद्यालय समन्वयक संगीता पंवार, मुख्य सदन प्रभारी रितु मैठाणी और मुख्य खेल प्रशिक्षक विपिन कुँवर ने किया। खेल प्रशिक्षक विपिन कुँवर और सहायक प्रशिक्षक प्रशांत बर्तवाल को सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कर्णप्रयाग में 4.63 करोड़ से विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

◆ **कर्णप्रयाग में 1.63 करोड़ से बनेंगी दो नई पार्किंग**

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

अलकनंदा और पिंडर नदी के संगम पर बसी कर्णप्रयाग नगरी को अधिक सुगम, स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर पालिका ने विकास का नया रोडमैप तैयार किया है। नगर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए करीब 4.63 करोड़ रुपये की विभिन्न योजनाओं पर काम किया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी नरेंद्र रावत के अनुसार अवस्थापना मद से दो नई पार्किंग परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर जिला स्तरीय तकनीकी समिति को भेजी गई है। इनकी अनुमानित लागत 94 लाख और 69 लाख रुपये है। तकनीकी स्वीकृति के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री घोषणा के तहत दो अन्य पार्किंग भी बनाई जानी हैं। इसके अलावा नगर की प्रमुख सड़कों और गलियों को आधुनिक प्रकाश व्यवस्था से रोशन करने के लिए करीब तीन करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित है। इसके तहत उमा तिराहा से उमा लॉज, सुभाष नगर तिराहा से सिमली और सुभाष नगर से इड़ा बढ़ाणी मार्ग तक प्रकाश व्यवस्था विकसित की जाएगी।

अपर बाजार स्थित पार्क का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। यहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेंच और बच्चों के लिए विभिन्न झूले लगाए जाएंगे। वहीं स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने के लिए दो नए कूड़ा संग्रहण वाहन खरीदे जाएंगे। इनकी खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

नारायणबगड़ इंटर कॉलेज में बैगलेस डे पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

नारायणबगड़ के राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय खेल दिवस पर बैगलेस डे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिक्षकों ने युवाओं को नशे और तंबाकू से दूर रहने तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और अभ्यास करने की सीख दी। प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ. गंगा सिंह नेगी ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभावों पर चिंता जताई। उन्होंने हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते खतरे की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने चार्ट और मॉडल के माध्यम से नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और खेलों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी मौजूद रहे।

बूथ मजबूत होंगे तो भारी बहुमत से जीतेगी पार्टी: ममता पंवार

अनिल थपलियाल

टिहरी जिले के लंबगांव क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की जिला उपाध्यक्ष एवं प्रतापनगर मंडल प्रभारी ममता पंवार ने देवल में बूथ सशक्तीकरण को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में बूथ अध्यक्षों और शक्ति संयोजकों के साथ संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई। ममता पंवार ने कार्यकर्ताओं को बूथ जीता, चुनाव जीता का मंत्र देते हुए प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने के लिए अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की जीत का सबसे मजबूत आधार बूथ संगठन होता है। यदि बूथ स्तर पर संगठन मजबूत रहेगा तो आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी भारी बहुमत हासिल कर सकती है। उन्होंने मिशन 2027 को ध्यान में रखते हुए कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठनात्मक गतिविधियों में जुटने की अपील की। ममता पंवार ने सभी बूथ अध्यक्षों और शक्ति संयोजकों से अपने-अपने बूथों पर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने और संगठन की गतिविधियों को आम जनता तक पहुंचाने को कहा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी भी जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में मंडल अध्यक्ष मनोज रमोला, पूर्व जिला उपाध्यक्ष हर्षमणी सेमवाल, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष राकेश राणा, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सोहन रांगड़ समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेजर जनरल गिल ने जनसंपर्क इकाई का दौरा कर सैनिकों का बढ़ाया उत्साह

अनिल थपलियाल

उत्तराखंड सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल मंदीप पाल सिंह गिल, विशिष्ट सेवा पदक ने शुक्रवार को पब्लिक रिलेशंस यूनिट का दौरा किया। उनके आगमन पर जनसंपर्क अधिकारी ने स्वागत किया और इकाई की भूमिका, गतिविधियों तथा वर्तमान में संचालित विभिन्न पहलों की जानकारी दी। इस दौरान इकाई की कार्यप्रणाली और जनसंपर्क से जुड़े प्रयासों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मेजर जनरल गिल ने इकाई के सैनिकों से बातचीत की और उनके पेशेवर रवैये, कर्तव्य के प्रति समर्पण तथा सशस्त्र बलों की गौरवशाली परंपराओं को बनाए रखने की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना और आम जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने में जनसंपर्क इकाई की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया और जनता के साथ पारदर्शी, प्रभावी तथा जिम्मेदार संचार को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी उन्होंने प्रशंसा की।

◆ **जनसंपर्क इकाई ने मेजर जनरल गिल को स्मृति चिह्न भेंट किया**

मेजर जनरल गिल के 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त होने के अवसर को देखते हुए जनसंपर्क अधिकारी की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इकाई के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके विशिष्ट सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने मेजर जनरल गिल को गरिमामयी और सुखद सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं दीं।

महेंद्र भट्ट के बयान पर भाजपा नेतृत्व स्पष्ट करे अपना रुख : गोदियाल

अनिल थपलियाल

◆ **खड़गे के कथित अपमान पर भाजपा की चुप्पी दलित विरोधी मानसिकता: गोदियाल**

उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद कथित शुद्धिकरण यज्ञ को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संविधान, सामाजिक समानता और दलित समाज के सम्मान से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। गोदियाल ने आरोप लगाया कि खड़गे के कथित अपमान पर भाजपा की चुप्पी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट द्वारा शुद्धिकरण को उचित ठहराना दलित विरोधी मानसिकता को उजागर करता है।

उन्होंने कहा कि यदि भाजपा का इस पूरे घटनाक्रम से कोई संबंध नहीं है तो उसके प्रदेश अध्यक्ष को कथित शुद्धिकरण का बचाव करने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। गोदियाल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा पहले दिए गए जांच और कार्रवाई के आश्वासन का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि अब तक इस मामले में क्या कार्रवाई हुई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संविधान छुआछूत को समाप्त करता है और सभी नागरिकों को समानता व सम्मान का अधिकार देता है। ऐसे में किसी दलित नेता के कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण जैसी कार्रवाई को सामान्य धार्मिक या सफाई गतिविधि बताना संविधान की मूल भावना के विपरीत है।

गोदियाल ने सरकार से मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने, कथित शुद्धिकरण यज्ञ करने वालों की पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई करने तथा सोशल मीडिया पर सामने आए संबंधित व्यक्तियों के भाजपा और संघ से कथित संबंधों की भी जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जांच में जातिगत अपमान या छुआछूत के तथ्य मिलने पर एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम सहित लागू कानूनों के तहत कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

पौड़ी-प्रयाग टीम ने जीता यूजीबी चैंपियंस लीग खिताब

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की ओर से यूजीबी चैंपियंस लीग अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। यूजीबी चमक स्पोर्ट्स क्लब और सेतु मानव संसाधन पहल के तहत आयोजित प्रतियोगिता में छह टीमों ने उत्साह के साथ भाग लिया। बैंक के अध्यक्ष हरि हर पटनायक ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ टीम भावना और आपसी सहयोग को मजबूत करते हैं। रोमांचक मुकाबलों के बाद पौड़ी-प्रयाग टीम विजेता रही।

एमकेपी कॉलेज से 100 दिवसीय नशामुक्ति महाभियान का शुभारंभ

डॉ. धन सिंह रावत ने एमकेपी कॉलेज से शुरू किया अभियान

अनिल थपलियाल

देहरादून के एमकेपी पीजी कॉलेज से प्रदेश में 100 दिवसीय नशामुक्ति महाभियान का शुभारंभ किया गया। प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अभियान की शुरुआत करते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं की ऊर्जा, क्षमता और भविष्य को प्रभावित करने के साथ समाज को भी भीतर से कमजोर करता है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से जागरूकता और जनभागीदारी आधारित अभियान चलाया जा रहा है।

डॉ. रावत ने कहा कि आगामी 100 दिनों तक प्रदेशभर के विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई जाएगी और आमजन को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान में प्रदेश की बेटियों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। छात्राएं नशे के खिलाफ जागरूकता की मशाल थामकर समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश देंगी।

कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बबीता दीदी ने युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर सकारात्मक विचारों और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया। मानसिक चिकित्सक डॉ. रोहित गोंदवाल ने नशे के कारण होने वाले मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को नशे की आदत से बचने और समय रहते इसके खिलाफ कदम उठाने की आवश्यकता बताई। छात्राओं ने संवाद कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एमकेपी पीजी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. ममता सिंह ने कहा कि कॉलेज की छात्राएं नशे के अंधकार के खिलाफ जागरूकता का दीप बनकर स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एंटी ड्रग सेल ने नशा एक अभिशाप विषय पर डिजिटल और हस्तनिर्मित पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की। खेलकूद समिति की ओर से मैराथन भी कराई गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

थराली और कुलसारी बाजार में खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया सघन निरीक्षण अभियान

भारतेंदु संवाददाता, उदित नैनवाल

जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर शनिवार को खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन और थराली तहसील प्रशासन की संयुक्त टीम ने थराली और कुलसारी बाजार में सघन निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान खाद्य सामग्री का कारोबार करने वाले विभिन्न प्रतिष्ठानों की जांच की गई। टीम ने दुकानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों का जायजा लिया तथा आवश्यकतानुसार कुछ खाद्य सामग्री के नमूने जांच के लिए एकत्र किए।

निरीक्षण के दौरान तीन प्रतिष्ठानों में कालातीत खाद्य सामग्री मिली। टीम ने मौके पर ही ऐसी सामग्री को नष्ट कराया और संबंधित कारोबारियों को नोटिस जारी किए। विभाग ने कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अभिहित अधिकारी अमिताभ जोशी ने बताया कि उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के अलग-अलग बाजारों में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कारोबारियों से भी खाद्य सामग्री के रखरखाव और गुणवत्ता को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की। विभाग का निरीक्षण अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पंजाब की खेल प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर लहराया परचम

बैडमिंटन, क्रिकेट, तैराकी और मार्शल आर्ट में चमके पंजाब के उभरते सितारे

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब की खेल प्रतिभा केवल इतिहास की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। प्रदेश की नई पीढ़ी भी अपनी मेहनत, जुनून और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर पहचान बना रही है। गांवों और छोटे शहरों से निकलकर युवा खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ऐसे ही उभरते खिलाड़ियों की उपलब्धियां पंजाब के उज्ज्वल खेल भविष्य की तस्वीर पेश करती हैं।

मान्या राहलहान ने बैडमिंटन में बनाई पहचान : जालंधर की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी मान्या राहलहान ने कम उम्र में ही कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की छात्रा और रूसी बैडमिंटन अकादमी की खिलाड़ी मान्या ने स्टेट टेनिस इंटरनेशनल चैलेंज में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा नेशनल गेम्स और सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में भी वह कांस्य पदक अपने नाम कर चुकी हैं। स्कूल नेशनल गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था।

जूनियर ऑल इंडिया मिश्रित युगल में मान्या देश की नंबर एक खिलाड़ी और लड़कियों के युगल वर्ग में दूसरे स्थान पर रह चुकी हैं। हाल ही में राज्य रैंकिंग टूर्नामेंट में महिला युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वह कई वर्षों से राज्य चैंपियन भी रही हैं।

अर्जुन राजपूत को भारतीय टीम में मिली जगह : जालंधर के क्रिकेट खिलाड़ी अर्जुन राजपूत का चयन भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ है। पंजाब की ओर से खेलते हुए उन्होंने कूच बिहार ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ शानदार 121 रन की शतकीय पारी खेली थी। अर्जुन पंजाब अंडर-16 टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं।

बेंगलुरु स्थित उच्च प्रदर्शन शिविर के मुकाबलों में उन्होंने 60 और 101 रन की प्रभावशाली पारियां खेलीं। विजय मर्चेंट ट्रॉफी में भी अर्जुन ने चार अर्धशतक लगाए हैं। पूर्व खिलाड़ी भूपिंदर सिंह को अपना आदर्श मानने वाले अर्जुन अब भारतीय क्रिकेट में अपनी जगह मजबूत करने की तैयारी कर रहे हैं।

ओजस सूद ने तैराकी में रचा इतिहास : लुधियाना के ओजस सूद ने जूनियर राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। भुवनेश्वर में आयोजित 52वीं जूनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप में उन्होंने 50 और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत तथा 50 मीटर बैकस्ट्रोक में कांस्य पदक हासिल किया।

यह पहली बार रहा जब पंजाब के किसी तैराक ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में तीन पदक जीते। कोच माधव सूद के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रहे ओजस अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रिंस दीप ने हॉकी में बनाई पहचान : पठानकोट के गांव पौणन के 22 वर्षीय प्रिंस दीप सिंह किसान परिवार से ताल्लुक रखते हैं। बचपन से हॉकी के प्रति लगाव रखने वाले प्रिंस पढ़ाई के बाद गांव के मैदान में नियमित अभ्यास करते रहे। सीमित संसाधनों के बावजूद अनुशासन और लगातार मेहनत के दम पर उन्होंने हॉकी में अपनी अलग पहचान बनाई और जिले का नाम रोशन किया।

सहनूर बावा ने एशिया में लहराया परचम : संगरूर के दिड़बा क्षेत्र के गांव खडियाल की 16 वर्षीय सहनूर बावा ने हांगकांग में आयोजित अंडर-20 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीतकर देश और पंजाब का नाम रोशन किया।

चंडीगढ़ मतदाता सूची में बड़ी कमी पर मनीष तिवारी ने पारदर्शिता को लेकर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के दौरान मतदाता सूची में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी होने को लेकर लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने चंडीगढ़ की मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) प्रेरणा पुरी को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए नामों का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग की है।

तिवारी ने कहा कि यह गंभीर विषय है और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उनके अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान चंडीगढ़ में कुल 6,59,805 मतदाता थे। वहीं, 14 अगस्त को उपायुक्त कार्यालय में हुई एसआईआर-2026 की बैठक में सामने आए आंकड़ों के अनुसार मतदाता संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज हुई है। इतनी बड़ी कमी को लेकर उन्होंने निर्वाचन विभाग से विस्तृत जानकारी मांगी है।

सांसद ने सीईओ से उन सभी मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराने को कहा है, जिनके नाम प्री-एसआईआर और मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने प्रत्येक मतदाता का नाम, वार्ड नंबर, बूथ नंबर और नाम हटाने का विशिष्ट कारण बताने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन परिस्थितियों में नाम हटाए गए और निर्धारित नियमों का पालन किस तरह किया गया।

1.38 लाख नोटिस पर भी मांगी जानकारी : मनीष तिवारी ने पत्र में बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत अब तक 1,38,070 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने नोटिस प्राप्त करने वाले सभी मतदाताओं की अलग सूची भी मांगी है। इसमें मतदाता का नाम, वार्ड और बूथ नंबर, नोटिस जारी करने की तारीख तथा नोटिस का कारण शामिल करने को कहा गया है।

न्यूज ब्रीफ

अमृतसर में गैर-दुग्ध पनीर पर स्वास्थ्य विभाग सख्त, जांच अभियान तेज

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर । लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कृत्रिम और गैर-दुग्ध पनीर की तैयारी, भंडारण, ढुलाई, वितरण और बिक्री पर रोक संबंधी एडवाइजरी जारी की है। इसके आधार पर अमृतसर जिले में पनीर की गुणवत्ता को लेकर जांच अभियान तेज किया जाएगा। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनजीत सिंह रटौल ने कहा कि पनीर के नाम पर गैर-मानक या गैर-दुग्ध उत्पाद बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। विभाग की टीमें पनीर बनाने वाली इकाइयों, डेयरियों, थोक विक्रेताओं, दुकानों, कोल्ड स्टोरेज और गोदामों की जांच करेंगी। जरूरत पड़ने पर पनीर के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा। होटल, रैस्टोरैंट, ढाबों और संस्थागत रसोई में इस्तेमाल होने वाले पनीर की भी जांच होगी। अधिकारियों की नजर पनीर की पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर रहेगी। फूड सेफ्टी अधिकारी रजनी ने कहा कि नियमों का उल्लंघन मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. रश्मि विज ने लोगों से संदिग्ध गुणवत्ता वाला पनीर न खरीदने और मिलावट की सूचना विभाग को देने की अपील की।

अमृतसर के सरकारी स्कूलों में भरे जाएंगे 66 खाली प्रिंसिपल पद

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। सरकारी स्कूलों में लंबे समय से खाली चल रहे प्रिंसिपल पदों को भरने की प्रक्रिया तेज हो गई है। अमृतसर जिले में 66 रिक्त पदों पर पदोन्नति का रास्ता लगभग साफ हो गया है। शिक्षा विभाग ने करीब 204 शिक्षकों की पदोन्नति से संबंधित फाइलें विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) को भेज दी हैं। समिति की मंजूरी के बाद प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है और सितंबर तक स्कूलों को नए प्रिंसिपल मिल सकते हैं। जिले के 119 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 117 प्रिंसिपल पद स्वीकृत हैं, जिनमें 66 पद खाली हैं। प्रिंसिपल नहीं होने के कारण वरिष्ठ शिक्षकों को अध्यापन के साथ प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी संभालनी पड़ रही हैं। पदोन्नति सूची में मास्टर, लेक्चरर और व्यावसायिक लेक्चरर वर्ग के शिक्षक शामिल हैं। विभागीय जांच के बाद फाइलें डीपीसी को भेजी गई हैं। भगतांवाला और जोधा के दो स्कूल हाल ही में सीनियर सेकेंडरी स्तर पर अपग्रेड हुए हैं, लेकिन वहां अभी प्रिंसिपल पद स्वीकृत नहीं हैं। विभाग को उम्मीद है कि पदोन्नति प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्कूलों की प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होगी और शिक्षकों को अतिरिक्त जिम्मेदारियों से राहत मिलेगी।

सिविल अस्पताल के डीईआईसी सेंटर में लगातार दो दिन हुई चोरी

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर । सरकारी स्कूलों में लंबे समय से खाली चल रहे प्रिंसिपल पदों को भरने की प्रक्रिया तेज हो गई है। अमृतसर जिले में 66 रिक्त पदों पर पदोन्नति का रास्ता लगभग साफ हो गया है। शिक्षा विभाग ने करीब 204 शिक्षकों की पदोन्नति से संबंधित फाइलें विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) को भेज दी हैं। समिति की मंजूरी के बाद प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है और सितंबर तक स्कूलों को नए प्रिंसिपल मिल सकते हैं। जिले के 119 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में 117 प्रिंसिपल पद स्वीकृत हैं, जिनमें 66 पद खाली हैं। प्रिंसिपल नहीं होने के कारण वरिष्ठ शिक्षकों को अध्यापन के साथ प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी संभालनी पड़ रही हैं।

लुधियाना में राजनीतिक दखल से थानों में तबादलों का खेल

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना । कमिश्नरेट पुलिस लुधियाना में राजनीतिक सिफारिशों और सियासी दखल के चलते थाना प्रभारियों के बार-बार तबादले सवालों के घेरे में हैं। शहर के कई संवेदनशील थानों में एसएचओ कुछ ही महीनों में बदल दिए जाते हैं। इससे नए अधिकारियों को क्षेत्र, अपराधियों और मुखबिर तंत्र को समझने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। हैबोवाल, टिब्बा, डिवीजन नंबर-3, 4, 6, सराभा नगर, डाबा और जोधेवाल समेत कई थानों में लगातार फेरबदल हुआ है। आरोप है कि राजनीतिक रसूख वाले अधिकारियों को जल्दी नए थानों की जिम्मेदारी मिल जाती है, जबकि अनुभवी अधिकारियों को पुलिस लाइन भेज दिया जाता है।

चंडीगढ़ नगर निगम के 250 करोड़ के एजेंडों पर उठे वित्तीय पारदर्शिता के सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम में करीब 250 करोड़ रुपये के वित्तीय एजेंडों को लेकर उठे विवाद के बाद निगम की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था पर स्वतंत्र निगरानी की मांग तेज हो गई है। एडवोकेट एवं चंडीगढ़ प्रशासन की एडमिनिस्ट्रेटर एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य अजय जग्गा ने प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को पत्र भेजकर नगर निगम के लिए स्वतंत्र लोकल बॉडीज ओम्बड्समैन यानी लोकायुक्त नियुक्त करने की मांग की है।

अजय जग्गा ने अपने पत्र में कहा कि नगर निगम में करीब 250 करोड़ रुपये के वित्तीय एजेंडों को पर्याप्त चर्चा और विचार-विमर्श के बिना पारित किया जाना गंभीर चिंता का विषय है। बाद में नगर निगम सदन द्वारा इन एजेंडों को निरस्त किए जाने से पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से शहरवासियों के बीच निगम की वित्तीय निर्णय प्रक्रिया को लेकर असमंजस और चिंता पैदा होती है।

जग्गा के अनुसार, नगर निगम के वित्तीय फैसलों में पारदर्शिता, जवाबदेही और उचित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र संस्थागत व्यवस्था आवश्यक है। उनका कहना है कि यदि वित्तीय प्रस्तावों की जांच और निर्णय प्रक्रिया पर स्वतंत्र निगरानी रहेगी तो भविष्य में जल्दबाजी में लिए गए फैसलों और संभावित अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सकेगी।

उन्होंने पत्र में नगर निगम की मौजूदा वित्तीय स्थिति का भी उल्लेख किया है। उनके मुताबिक, निगम पिछले कुछ समय से वित्तीय दबाव का सामना कर रहा है। राजस्व से जुड़ी चुनौतियों के साथ-साथ वित्तीय प्रबंधन और कथित अनियमितताओं के मुद्दे भी सामने आते रहे हैं। ऐसे में निगम के कामकाज की स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

लुधियाना से सीसीटीवी फीड भेजने वाला पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना

पंजाब को दहलाने और देश की सुरक्षा में सेंध लगाने की कथित साजिश का लुधियाना में पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुरदासपुर के गांव सर्फ कोट निवासी रछपाल सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी लुधियाना के व्यस्त फिरोजपुर रोड पर जूतों की दुकान की आड़ में रहकर कथित तौर पर पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स तक संवेदनशील जानकारियां पहुंचा रहा था।

दुकान की आड़ में चला रहा था जासूसी नेटवर्क : पुलिस जांच के मुताबिक रछपाल सिंह ने फिरोजपुर रोड स्थित न्यू सुंदर नगर में मेडवेज अस्पताल के सामने प्लॉट नंबर-01 पर दुकान किराये पर ली थी। दुकान में वह जूते-चप्पल बेचने का काम करता था, लेकिन पुलिस का दावा है कि इसकी आड़ में वह शहर की गतिविधियों पर नजर रखता था और महत्वपूर्ण सूचनाएं सीमा पार भेजता था।

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने दुकान के बाहर हाई-टेक सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों की लाइव फीड और डिजिटल निगरानी का कथित तौर पर पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को सीधा एक्सेस दिया गया था। पुलिस को आशंका है कि कैमरों के जरिये शहर की सड़कों, वीआईपी मार्गों और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

धमकी भरे फोन कॉल्स की भी जांच : जांच एजेंसियों के अनुसार आरोपी अलग-अलग अज्ञात और फर्जी मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर लोगों को धमकियां भी देता था। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि धमकी भरे फोन कॉल्स का कथित जासूसी नेटवर्क से क्या संबंध था।

रियायती आवास ऋण योजना से कर्मचारियों को मिलेगा घर बनाने और खरीदने का आसान अवसर

पंजाब में सरकारी कर्मचारियों के लिए घर बनाने का सपना होगा आसान, 75 लाख तक मिलेगा होम लोन

भारतेन्दु संवाददाता, खरड़

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के नियमित कर्मचारियों के लिए अपना घर खरीदने या बनाने का सपना अब पहले से आसान हो सकता है। पंजाब स्टेट कोआपरेटिव बैंक लिमिटेड, चंडीगढ़ ने सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष रियायती आवास ऋण योजना शुरू की है। इस योजना के तहत पात्र कर्मचारियों को अधिकतम 75 लाख रुपये तक का आवास ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ऋण पर प्रभावी ब्याज दर 7.25 प्रतिशत वार्षिक तक रखी गई है। कर्मचारियों को ऋण चुकाने के लिए अधिकतम 30 वर्ष तक की अवधि मिलेगी। इसके साथ ही प्रसंस्करण शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।

यह योजना केवल पंजाब सरकार के नियमित कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। बोर्ड, निगम, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और शीर्ष सहकारी संस्थाओं में कार्यरत नियमित कर्मचारी भी इसके दायरे में आएंगे। ऐसे कर्मचारी योजना के तहत अपने लिए मकान खरीदने या नया घर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इससे लंबे समय से घर खरीदने की योजना बना रहे कर्मचारियों को कम ब्याज दर पर ऋण मिलने का लाभ मिल सकता है।

प्रशासनिक सचिव ने भेजा पत्र : सहकारिता विभाग के प्रशासनिक सचिव अजित बालाजी जोशी ने इस संबंध में पंजाब सरकार के सभी प्रशासनिक सचिवों और विभाग प्रमुखों को पत्र भेजा है। पत्र में अधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने विभागों में कार्यरत पात्र कर्मचारियों तक योजना की जानकारी पहुंचाएं। साथ ही योजना का उचित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक कर्मचारी इसका लाभ उठा सकें।

विभाग का मानना है कि योजना की जानकारी अधिक से अधिक कर्मचारियों तक पहुंचने से पात्र लोग समय पर आवेदन कर सकेंगे। अधिकारियों को कर्मचारियों को योजना की पात्रता, ऋण प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है।

30 साल तक चुकाने की सुविधा : योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में ऋण चुकाने के लिए 30 वर्ष तक की अवधि शामिल है। लंबी अवधि होने से कर्मचारियों को अपनी आय के अनुसार मासिक किस्त का प्रबंधन करने में सुविधा मिल सकती है। वहीं 7.25 प्रतिशत तक की प्रभावी ब्याज दर बाजार में उपलब्ध कई आवास ऋण विकल्पों की तुलना में कर्मचारियों के लिए राहतकारी हो सकती है।

शराब ठेकों के बाहर हुड़दंग से परेशान हुए लोग, निहंगों ने संभाला मोर्चा

◆ **पुलिस की अनदेखी से नाराज लोगों ने निहंगों से लगाई सुरक्षा की गुहार**

भारतेन्दु संवाददाता, लुधियाना, । महानगर में शराब के ठेकों के बाहर खुलेआम सड़क पर शराब पीने और हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ स्थानीय लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। पुलिस प्रशासन की कथित अनदेखी से परेशान लोगों ने निहंग जत्थेबंदियों से मदद की गुहार लगाई। इसी कड़ी में शिवपुरी इलाके में शराब के ठेकों के बाहर निहंग कुलदीप सिंह खालसा की अगुवाई में कार्रवाई की गई। सड़क पर बैठकर शराब पी रहे लोगों को वहां से खदेड़ा गया। इस घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाम होते ही शहर के कई शराब ठेकों के बाहर भीड़ जमा हो जाती है। लोग सड़क और फुटपाथ पर वाहन खड़े कर खुलेआम शराब पीते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

लोगों के मुताबिक नशे में धुत कुछ असामाजिक तत्व महिलाओं और युवतियों पर अभद्र टिप्पणियां भी करते हैं। इससे आसपास के रिहायशी क्षेत्रों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पुलिस की गाड़ियां नियमित रूप से इन इलाकों से गुजरती हैं, लेकिन खुले में शराब पीने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती। ठेकों के बाहर कथित तौर पर अहाते जैसी स्थिति बनने से भी लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

प्रशासन से सुनवाई न होने पर लोगों ने निहंग सिंहों से संपर्क किया। निहंग कुलदीप सिंह खालसा ने कहा कि यदि पुलिस-प्रशासन ने खुले में शराब पीने और हुड़दंग करने वालों पर सख्ती नहीं की तो अन्य इलाकों में भी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेकों के आसपास देर शाम तक शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे परिवारों को आने-जाने में परेशानी होती है और आसपास के दुकानदारों को भी असुविधा झेलनी पड़ती है।

राहुल गांधी की पंजाब यात्रा से कांग्रेस में हलचल तेज

हरमंदिर साहिब से शुरू होगी बस यात्रा, 15 जिलों में पहुंचेंगे राहुल गांधी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के पंजाब दौरे को लेकर पार्टी में गतिविधियां तेज हो गई हैं। राहुल गांधी के सितंबर के दूसरे सप्ताह में पंजाब आने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उनके दौरे का विस्तृत कार्यक्रम कांग्रेस हाईकमान से मंजूरी मिलने के बाद अगले दो-तीन दिनों में जारी किया जा सकता है।

राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे को विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस को एकजुट करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। पंजाब कांग्रेस के स्तर पर दौरे की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। हाल ही में संसद के मानसून सत्र के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने राहुल गांधी से मुलाकात कर उन्हें पंजाब आने का प्रस्ताव दिया था। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस की स्थिति और संगठन में चल रही खींचतान को लेकर भी चर्चा हुई थी।

हरमंदिर साहिब से शुरू होगी बस यात्रा : सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी के पंजाब दौरे के दौरान कांग्रेस की प्रस्तावित बस यात्रा अमृतसर स्थित श्री हरमंदिर साहिब से शुरू होगी। यात्रा के पहले चरण में करीब 135 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 15 से अधिक जिलों को कवर करने की योजना है। पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के अलावा दिल्ली से पार्टी के कुछ बड़े नेता भी इस यात्रा में शामिल हो सकते हैं।

राहुल गांधी की टीम दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पंजाब का दौरा कर चुकी है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट होकर मैदान में उतरने का संदेश दे सकते हैं।

वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात की संभावना : राहुल गांधी के दौरे के दौरान पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें होने की संभावना है। प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं से उनकी मुलाकात हो सकती है। इन बैठकों में संगठन की मौजूदा स्थिति, चुनावी रणनीति और नेताओं के बीच मतभेद जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

पार्टी के भीतर गुटबाजी को देखते हुए राहुल गांधी का यह दौरा काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस हाईकमान की कोशिश है कि चुनाव से पहले प्रदेश के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल कायम किया जाए।

चुनाव समितियों के विस्तार पर भी नजर : एक जुलाई को विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस हाईकमान ने 21 सदस्यों वाली विभिन्न चुनाव समितियों की घोषणा की थी। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस में मतभेद खुलकर सामने आए। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी खेमे के कई नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग को बदलने की मांग भी उठाई थी।

हालांकि पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल स्पष्ट कर चुके हैं कि प्रदेश अध्यक्ष को बदलने का कोई फैसला नहीं है। वहीं चुनाव समितियों के विस्तार की संभावना बनी हुई है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले ही नई समितियों की घोषणा की जा सकती है।

कार्यक्रमों में दिखी गुटबाजी : पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी का असर हाल के पार्टी कार्यक्रमों में भी देखने को मिला है। चंडीगढ़ में महंगाई के मुद्दे पर प्रदेश अध्यक्ष राजा वड़िंग की ओर से आयोजित कार्यक्रम से चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थक नेताओं की दूरी नजर आई। दूसरी ओर बाबा बकाला साहिब में राखड़ पुन्नियां मेले के दौरान चन्नी समेत कांग्रेस के कई नेता पहुंचे, जबकि राजा वड़िंग कार्यक्रम में दिखाई नहीं दिए।

पीयू छात्रसंघ चुनाव में धमकी के आरोपों से गरमाई सियासत, एबीवीपी-एएसएपी आए आमने-सामने

भारतेन्दु संवाददाता, बठिंडा

पंजाब यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव अब केवल वोट और वर्चस्व की लड़ाई तक सीमित नहीं रह गया है। धमकी भरे फोन, छात्रों पर दबाव और राजनीतिक दलों के कथित हस्तक्षेप के आरोपों ने चुनावी माहौल को और गरमा दिया है। एएसएपी और एबीवीपी ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश का दावा किया है।

एएसएपी की ओर से पहले एबीवीपी पर छात्रों और समर्थकों को कथित तौर पर गैंगस्टरों तथा बाहरी लोगों के माध्यम से फोन करवाकर धमकाने के आरोप लगाए गए थे। संगठन ने कहा था कि कुछ छात्रों पर एक विशेष संगठन के पक्ष में मतदान करने का दबाव बनाया जा रहा है। एएसएपी ने इन कथित फोन कॉल की तत्काल जांच और परिसर में भयमुक्त चुनावी माहौल सुनिश्चित करने की मांग की थी।

इस मामले में आम आदमी पार्टी के पीयू चुनाव प्रभारी और सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने भी एबीवीपी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि छात्रों, शोधार्थियों, प्रोफेसरों और एएसएपी समर्थकों को कथित रूप से धमकी भरे फोन किए जा रहे हैं।

एबीवीपी ने आरोपों को बताया बेबुनियाद : बीवीपी पंजाब के प्रदेश मंत्री जसकरण सिंह भुल्लर और पीयू छात्र परिषद के पूर्व अध्यक्ष गौरव वीर सोहल ने पत्रकारों से बातचीत में इन आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने दावा किया कि संगठन को बदनाम करने के लिए ही धमकी भरे फोन करवाने की बात कही जा रही है।

एबीवीपी नेताओं ने आम आदमी पार्टी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि उसके विधायक, नेता और सरपंच छात्रसंघ चुनाव में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों और अधिकारियों के बच्चों के माध्यम से छात्रों को फोन करवाए जा रहे हैं और बाद में इसका आरोप एबीवीपी पर लगाया जा रहा है।

एएसएपी पर अभद्र संदेश भेजने का आरोप : एबीवीपी ने एएसएपी पर भी गंभीर आरोप लगाए। भुल्लर ने दावा किया कि कुछ छात्राओं को अभद्र और आपत्तिजनक संदेश भेजे जा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ छात्रों को एबीवीपी के समर्थन पर उनके परिवार के सदस्यों को नुकसान पहुंचाने की धमकियां दी जा रही हैं।

अनुच्छेद 370 के वादे पर बगावत, रुहुल्लाह ने नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ने का किया एलान

अनुच्छेद 370 के वादे पर पार्टी नेतृत्व से नाराजगी, भाजपा ने घटनाक्रम को बताया 'फिक्स्ड मैच'

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर चल रहा असंतोष अब खुलकर सामने आ गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और लोकसभा सांसद पद से इस्तीफा देने का एलान कर राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला को पत्र भेजकर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

रुहुल्लाह ने कहा है कि पार्टी ने विधानसभा चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर के लोगों से अनुच्छेद 370 और 35ए की बहाली को लेकर बड़े वादे किए थे। उनका आरोप है कि सत्ता में आने के बाद पार्टी अपने मूल राजनीतिक एजेंडे से पीछे हटती दिखाई दे रही है और अब उसका जोर मुख्य रूप से राज्य का दर्जा बहाल कराने तक सीमित रह गया है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई है।

> **आगा रुहुल्लाह** का इस्तीफा जम्मू-कश्मीर की राजनीति में इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस लंबे समय से अनुच्छेद 370 और 35ए की बहाली को अपने प्रमुख राजनीतिक मुद्दों में शामिल करती रही है। पार्टी के भीतर इस मुद्दे को लेकर नेताओं के अलग-अलग रुख सामने आने से राजनीतिक मतभेद गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

रुहुल्लाह के मुताबिक, जनता से किए गए वादों को लेकर पार्टी नेतृत्व को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि चुनाव के दौरान लोगों के बीच जिन मुद्दों को लेकर समर्थन मांगा गया था, सत्ता में आने के बाद उन पर अपेक्षित गंभीरता दिखाई नहीं दे रही है। इसी असहमति के चलते उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया है।

फारूक अब्दुल्ला ने दी थी चुनाव लड़ने की चुनौती : सांसद रुहुल्लाह के रुख के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर मतभेद और तेज हो गए हैं। कुछ दिन पहले पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रुहुल्लाह के रवैए पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें संसद से इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि चुनाव मैदान में उतरने के बाद ही पता चलेगा कि जनता का समर्थन किसे हासिल है।

इसके जवाब में रुहुल्लाह ने अपने पत्र के माध्यम से इस्तीफे का एलान किया। उन्होंने संकेत दिया कि वह अपने रुख पर कायम हैं और पार्टी के भीतर जवाबदेही तथा चुनावी वादों के पालन को लेकर अपनी मांग से पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं।

भाजपा ने बताया 'फिक्स्ड मैच'

नेशनल कॉन्फ्रेंस के इस अंदरूनी विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने भी हमला तेज कर दिया है। जम्मू-कश्मीर भाजपा ने अपने आधिकारिक इंटरनेट मीडिया खाते पर एक संदेश और मीम साझा करते हुए पूरे घटनाक्रम को 'फिक्स्ड मैच' करार दिया। भाजपा ने आरोप लगाया कि इस्तीफे का यह घटनाक्रम जनता का ध्यान नेशनल कॉन्फ्रेंस के कथित टूटे वादों और सरकार की नाकामियों से हटाने की कोशिश है। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 अब इतिहास बन चुका है और इसे वापस नहीं लाया जा सकता। भाजपा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस से जनता को गुमराह करने के बजाय अपने कामकाज और चुनावी वादों पर जवाब देने की मांग की।

जम्मू-कश्मीर में गर्मी बरकरार, 31 अगस्त से बारिश के आसार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में गर्मी और उमस का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल लोगों को इससे पूरी तरह राहत मिलने के आसार नहीं हैं। आज भी मौसम सामान्य रूप से गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ स्थानों पर सुबह और दोपहर के समय हल्की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। उमस के कारण तापमान से अधिक गर्मी महसूस हो सकती है।

31 अगस्त से बारिश की संभावना : मौसम विभाग ने बताया कि 31 अगस्त और 1 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। जम्मू संभाग के कुछ जिलों में सुबह और दोपहर के समय कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना भी जताई गई है।वहीं, 31 अगस्त से 2 सितंबर के बीच कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन जैसी स्थिति पैदा होने की आशंका है। पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों और यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने तथा मौसम संबंधी चेतावनियों पर नजर रखने की अपील की है।

त्सेवांग थारचिन को जीएसटी, रोमिल सिंह को आबकारी आयुक्त की जिम्मेदारी

जीएसटी-आबकारी व्यवस्था मजबूत करने को लद्दाख प्रशासन का बड़ा कदम

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू। लद्दाख प्रशासन ने जीएसटी और आबकारी कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। वित्त विभाग की ओर से जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के माध्यम से दो वरिष्ठ अधिकारियों को आयुक्त स्तर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन नियुक्तियों के बाद जीएसटी और आबकारी कानूनों से जुड़े कार्यों की निगरानी और इनके प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों के पास होगी।

प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार, आयुक्त सचिव त्सेवांग थारचिन को केंद्र शासित प्रदेश जीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत कर आयुक्त की शक्तियां और जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अब वह इस अधिनियम के तहत कर आयुक्त से जुड़े कार्यों का निर्वहन करेंगे। जीएसटी से संबंधित मामलों में प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

वहीं, दूसरी अधिसूचना के तहत लेह के उपायुक्त रोमिल सिंह डोंक को जम्मू-कश्मीर आबकारी अधिनियम, संवत 1958 के तहत आयुक्त की शक्तियां प्रदान की गई हैं। यह अधिनियम केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए अनुकूलित किया गया है। अब रोमिल सिंह डोंक इस कानून के तहत आबकारी आयुक्त से संबंधित कार्यों और जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

प्रशासन के इस फैसले से लद्दाख में आबकारी व्यवस्था से जुड़े मामलों की निगरानी और कानून के प्रावधानों के अनुपालन को लेकर व्यवस्था और स्पष्ट होगी। दोनों अधिकारियों को उनके संबंधित कानूनों के तहत आयुक्त स्तर के अधिकार दिए जाने से विभागीय कामकाज को गति मिलने की उम्मीद है।

दोनों नियुक्तियों से संबंधित आदेश लद्दाख प्रशासन के वित्त विभाग की ओर से जारी किए गए हैं। इन आदेशों के बाद जीएसटी और आबकारी कानूनों से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियां निर्धारित अधिकारियों के अधीन आ गई हैं। प्रशासन का यह कदम कर व्यवस्था और आबकारी कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आस्था और परंपरा संग संपन्न हुई बूढ़ा अमरनाथ यात्रा, गूंजे भोलेनाथ के जयकारे

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। श्रावण मास में चल रही श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा शनिवार को धार्मिक परंपराओं और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हो गई। श्री बूढ़ा अमरनाथ मंदिर में तीन दिन पूर्व स्थापित भगवान शिव और देवी पार्वती के प्रतीक पवित्र चांदी की छड़ी को राजगुरु महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती की अगुवाई में पुंछ के श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर लाया गया। ढोल-नगाड़ों के साथ निकली इस छड़ी यात्रा के दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। श्री दशनामी अखाड़ा मंदिर पहुंचने पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, स्थानीय लोग तथा प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस की ओर से पवित्र छड़ी को सलामी दी गई। इसके बाद मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होने के बाद पवित्र चांदी की छड़ी को अगले वर्ष की यात्रा तक मंदिर में स्थापित कर दिया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को जम्मू-कश्मीर में श्रद्धांजलि

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को जम्मू-कश्मीर के खेल जगत ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। खिलाड़ियों, पूर्व खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों ने इस मौके पर सभी खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय खेल दिवस हर वर्ष 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जम्मू-कश्मीर की खेल हस्तियों ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का भारतीय हॉकी में योगदान आज भी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने खेल कौशल, अनुशासन और समर्पण से देश को गौरवान्वित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल कायम की। इस अवसर पर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों ने स्वस्थ एवं अनुशासित समाज के निर्माण में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

अगले महीने से गोल्फरों के लिए खुलेगा गुलमर्ग हेरिटेज गोल्फ कोर्स

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। गोल्फ प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग की खूबसूरत वादियों में स्थित 134 वर्ष पुराने हेरिटेज गोल्फ कोर्स को जल्द ही दोबारा शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। अधिकारियों के अनुसार, गोल्फ कोर्स की मरम्मत और अन्य आवश्यक कार्य करीब 90 प्रतिशत पूरे हो चुके हैं। इसे अगले महीने गोल्फ प्रेमियों के लिए खोलने की उम्मीद है। गुलमर्ग का यह ऐतिहासिक गोल्फ कोर्स अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और विरासत के लिए प्रसिद्ध है। लंबे समय से बंद पड़े कोर्स को दोबारा शुरू करने का उद्देश्य इसकी पुरानी पहचान और आकर्षण को बहाल करना है। इसके लिए आवश्यक मरम्मत कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, कोर्स के दोबारा खुलने से गुलमर्ग में गोल्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

पुंछ में दिखा पाकिस्तान की ओर से आया ड्रोन, सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि से मचा हड़कंप, सुरक्षाबलों ने संभाला मोर्चा

भारतेंदु संवाददाता, मेंढर

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के अग्रिम क्षेत्रों के ऊपर पाकिस्तान की ओर से आया एक संदिग्ध ड्रोन मंडराता हुआ दिखाई देने के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया। घटना के बाद सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ा दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार देर शाम मेंढर सेक्टर के बालाकोट क्षेत्र स्थित बहरूती गांव के ऊपर एक ड्रोन को मंडराते हुए देखा गया। कुछ समय बाद ड्रोन नियंत्रण रेखा के पास मंगलनार-डाब्रोते की दिशा में बढ़ा और फिर पाकिस्तान की ओर लौट गया। ड्रोन की गतिविधि सामने आने के बाद नियंत्रण रेखा की सुरक्षा में तैनात सेना के जवान सतर्क हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन की गतिविधि को गंभीरता से लेते हुए शनिवार सुबह इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुरक्षा बलों की टीमें आसपास के क्षेत्रों में जांच कर रही हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि ड्रोन ने क्षेत्र में कोई संदिग्ध वस्तु, सामग्री या अन्य सामान तो नहीं गिराया अथवा पहुंचाया। तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबल संवेदनशील स्थानों और आसपास के इलाकों की बारीकी से जांच कर रहे हैं। साथ ही ड्रोन की गतिविधि को लेकर स्थानीय स्तर पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

एमके सिन्हा ने संभाला एडीजी सीआईडी का पदभार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा और खुफिया तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सीआईडी विभाग की कमान अब 1996 बैच के आईपीएस अधिकारी एमके सिन्हा के हाथों में होगी। सिन्हा ने शुक्रवार को एडीजी सीआईडी जम्मू-कश्मीर का पदभार संभाल लिया। उन्होंने नितीश कुमार से यह जिम्मेदारी ली है। नितीश कुमार का तबादला एडीजी आर्म्ड पुलिस जम्मू-कश्मीर के पद पर किया गया है। पदभार संभालने के तुरंत बाद एमके सिन्हा ने सीआईडी मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में खुफिया शाखा की कार्यप्रणाली पर विशेष चर्चा हुई। सिन्हा ने अधिकारियों से खुफिया तंत्र से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली और विभाग की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

छात्रा दुष्कर्म-हत्या मामले में महबूबा ने की जांच की मांग

छात्रा हत्याकांड में निष्पक्ष जांच की मांग, पुलिस ने छह आरोपित दबोचे

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने किश्तवाड़ जिले के छात्रू इलाके में स्कूली छात्रा से कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपने की मांग की है। उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह घटना महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध का महज एक और मामला नहीं है, बल्कि समाज की अंतरात्मा पर गहरा घाव है। उन्होंने कहा कि घटना के दस दिन बाद भी मामले को लेकर बनी चुप्पी पीड़ित परिवार का दर्द बढ़ा रही है और न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों के भरोसे को कमजोर कर रही है।

उपराज्यपाल से तत्काल कार्रवाई का आग्रह : महबूबा ने कहा कि यदि अब भी निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई और दोषियों को न्याय के कठघरे में लाकर कड़ी सजा नहीं दिलाई गई तो ऐसे जघन्य अपराधों को अंजाम देने वालों के हौसले बढ़ सकते हैं। उन्होंने उपराज्यपाल से आग्रह किया कि मामले को तत्काल क्राइम ब्रांच को सौंपा जाए, ताकि जांच निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पूरी हो सके।

उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया। महबूबा ने कहा कि ऐसे मामलों में प्रशासन और जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि पीड़ित परिवार को न्याय का भरोसा मिले और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई हो।

छह आरोपित गिरफ्तार : उधर, पुलिस ने मामले में अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक शिक्षक और एक नर्स भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मामले की जांच जारी है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

महबूबा मुफ्ती की मांग के बाद अब इस मामले की जांच को लेकर प्रशासन पर भी दबाव बढ़ गया है।

2035 तक पावर सरप्लस बनेगा जम्मू कश्मीर, जलविद्युत क्षमता होगी तीन गुना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

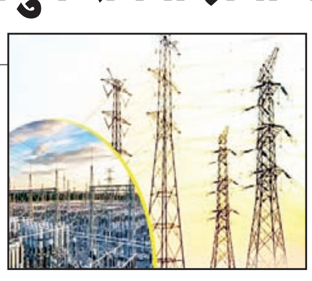

जम्मू-कश्मीर को वर्ष 2035 तक बिजली की कमी वाले क्षेत्र से पावर सरप्लस राज्य बनाने की दिशा में सरकार ने विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जलविद्युत परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया कि दिसंबर 2035 तक प्रदेश की जलविद्युत उत्पादन क्षमता को मौजूदा 3540.15 मेगावाट से बढ़ाकर 10969.65 मेगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए बड़ी परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूरा करने और उनकी नियमित निगरानी पर जोर दिया गया है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव बिजली अश्वनी कुमार, कानून एवं राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जेकेपीसीएल के प्रबंध निदेशक राहुल यादव, संबंधित उपायुक्त, एनएचपीसी के प्रतिनिधि और बिजली परियोजनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में कुल 14635 मेगावाट जलविद्युत क्षमता की पहचान की गई है, लेकिन अभी तक इसका केवल 24.21 प्रतिशत ही उपयोग हो पाया है। चिनाब बेसिन में 11283 मेगावाट, झेलम बेसिन में 3084 मेगावाट और रावी बेसिन में 500 मेगावाट क्षमता चिन्हित की गई है।

स्कूलों के आसपास जंक फूड पर सख्ती, 50 मीटर दायरे में बिक्री पर लगी रोक

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जंक फूड पर कसा शिकंजा

स्कूल की छुट्टी के समय गेट के बाहर चिप्स, कुरकुरे, कोल्ड ड्रिंक्स और अन्य जंक फूड खरीदने के लिए बच्चों की भीड़ अब कम हो सकती है। जम्मू-कश्मीर में बच्चों को अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों से दूर रखने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्कूलों के आसपास भी सख्ती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत स्कूल परिसर के साथ-साथ स्कूल गेट के चारों ओर 50 मीटर के दायरे में बच्चों को लक्षित कर जंक फूड की बिक्री, विपणन और विज्ञापन पर रोक रहेगी।

एफडीए जम्मू-कश्मीर ने स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र भेजकर खाद्य सुरक्षा एवं मानक (स्कूलों में बच्चों के लिए सुरक्षित खाद्य एवं संतुलित आहार) विनियम, 2020 को सरकारी और निजी स्कूलों में प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। स्कूल प्रबंधन को यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यार्थियों को ऐसे खाद्य पदार्थ उपलब्ध न कराए जाएं, जिनमें संतृप्त वसा, ट्रांस फैट, अतिरिक्त चीनी या सोडियम की मात्रा अधिक हो।

एफडीए के निर्देशों की खास बात यह है कि प्रतिबंध केवल स्कूल परिसर तक सीमित नहीं रहेगा। स्कूल गेट से चारों दिशाओं में 50 मीटर का क्षेत्र भी इसके दायरे में आएगा। इस क्षेत्र में बच्चों को लक्षित कर अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की बिक्री, विपणन और विज्ञापन पर रोक रहेगी। इससे स्कूलों के बाहर लगने वाले खाद्य स्टालों और दुकानों पर भी निगरानी बढ़ेगी।

अमरनाथ यात्रा बाद बडगाम-कटड़ा रेल सेवा फिर बहाल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

अमरनाथ यात्रा के कारण करीब दो महीने से बंद मध्य कश्मीर के बडगाम और जम्मू संभाग के श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच रेल सेवा शनिवार से फिर बहाल हो गई। रेल सेवा शुरू होने से कश्मीर घाटी के यात्रियों और माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिली है। अब दोनों क्षेत्रों के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध होने से यात्रियों को आवागमन में सुविधा होगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा की 57 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा शुरू होने से पहले 29 जून से बडगाम और कटड़ा के बीच दोनों दिशाओं की रेल सेवा स्थगित कर दी गई थी। अमरनाथ यात्रा शुक्रवार को रक्षा बंधन के अवसर पर संपन्न हुई। इसके बाद यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने ट्रेन सेवा दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया।

उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल के प्रवक्ता ने बताया कि बडगाम और श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 04688 और 04687 को 29 अगस्त से निर्धारित मार्ग और समय के अनुसार बहाल कर दिया गया है। खास तौर पर वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को इस सेवा से काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

सुबह बडगाम से रवाना होगी ट्रेन : संशोधित समय सारिणी के अनुसार ट्रेन संख्या 04688 बडगाम से सुबह 7:20 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04687 कटड़ा से दोपहर 1:45 बजे रवाना होगी और रात करीब 8 बजे बडगाम पहुंचेगी।

रेल सेवा बहाल होने से कश्मीर घाटी के लोगों को जम्मू क्षेत्र तक पहुंचने के लिए एक सीधा और सुविधाजनक विकल्प मिल गया है। इससे सड़क मार्ग पर निर्भरता भी कम होगी। वहीं वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं के लिए भी कटड़ा तक पहुंचना आसान होगा। रेलवे को उम्मीद है कि सेवा बहाल होने से आने वाले दिनों में यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी और दोनों क्षेत्रों के बीच संपर्क और मजबूत होगा।

हॉकी मुकाबले में हीरानगर क्लब ने कठुआ को हराया

भारतेंदु संवाददाता,कठुआ

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को स्पोर्ट्स स्टेडियम कठुआ में हॉकी मुकाबले का आयोजन किया गया। मैच खेलो इंडिया हॉकी सेंटर कठुआ और हीरानगर हॉकी क्लब के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में हीरानगर हॉकी क्लब ने 2-1 से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम किया।

कार्यक्रम की शुरुआत महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों और खिलाड़ियों ने उनके जीवन, उपलब्धियों तथा भारतीय हॉकी को दिए गए महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि मेजर ध्यानचंद की खेल प्रतिभा और समर्पण आज भी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। मुख्य अतिथि ने मैदान में पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेलों के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पोषण

आरटीआई कार्यकर्ता ने मरीजों की बीमारी के मुताबिक अलग डाइट देने और योग्य डायटीशियन नियुक्त करने की मांग की

अस्पतालों में मरीजों को बीमारी के अनुसार डाइट नहीं मिलने पर उठे सवाल

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों को उनकी बीमारी और पोषण संबंधी जरूरतों के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरटीआई एवं सामाजिक कार्यकर्ता बलविंद्र सिंह ने अस्पतालों में मरीजों को लगभग एक जैसी डाइट दिए जाने पर चिंता जताते हुए बीमारी के अनुसार चिकित्सकीय आहार उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने सरकारी अस्पतालों में योग्य डायटीशियन और क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी अपील की है।

बलविंद्र सिंह ने जारी बयान में कहा कि अस्पताल में भर्ती प्रत्येक मरीज की बीमारी, स्वास्थ्य स्थिति और पोषण संबंधी जरूरत अलग होती है। ऐसे में सभी मरीजों को एक जैसी डाइट देना उचित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, गुर्दे की बीमारी, हृदय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अलग-अलग आहार की जरूरत होती है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मधुमेह से पीड़ित मरीज के लिए नियंत्रित मात्रा में कार्बोहाइड्रेट वाला भोजन आवश्यक हो सकता है।

सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की अपील

बलविंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। उन्होंने सरकारी अस्पतालों में योग्य डायटीशियन के पर्याप्त स्थायी पद सृजित करने और उन्हें जल्द भरने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार केवल दवाइयों और चिकित्सकीय सेवाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए।

गरीब मरीजों के लिए अस्पताल का भोजन ही सहारा

बलविंद्र सिंह ने आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की स्थिति पर विशेष चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सक्षम मरीज निजी अस्पतालों या विशेषज्ञों से सलाह लेकर अपनी बीमारी के अनुरूप भोजन की व्यवस्था कर सकते हैं, लेकिन गरीब और जरूरतमंद मरीज सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहते हैं। ऐसे मरीजों के लिए अस्पताल में उपलब्ध भोजन उपचार प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। उन्होंने कहा कि मरीजों को पौष्टिक और बीमारी के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने से उनके स्वास्थ्य लाभ में मदद मिल सकती है।

योग्य डायटीशियन की कमी पर चिंता

आरटीआई कार्यकर्ता ने सरकारी अस्पतालों में योग्य डायटीशियन और क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट की कमी को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मरीजों की बीमारी और चिकित्सकीय स्थिति के आधार पर आहार तय करने के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। यदि अस्पतालों में पर्याप्त विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं होंगे तो मरीजों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना तैयार करना मुश्किल होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अस्पतालों की रसोई व्यवस्था को चिकित्सकीय निगरानी से जोड़ा जाना चाहिए।

सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों की बाढ़, सूचना प्रदूषण से कमजोर हो रहा सामाजिक विश्वास

डॉ. अवधेश कुमार यादव
सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार, कुल्लू कॉलेज

डिजिटल युग सूचना की बाढ़ लेकर आया है। हर सेकंड में लाखों-करोड़ों की संख्या में टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो और इमेज पोस्ट दुनियाभर में फैल रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने अभूतपूर्व रूप से सूचना की पहुंच को सुलभ बनाया है।

इस अभूतपूर्व तेजी ने 'सूचना प्रदूषण' के गंभीर खतरे को भी जन्म दिया है, क्योंकि मौजूदा समय में सत्य के साथ-साथ झूठी, आधी-अधूरी और गैर-जरूरी सूचनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिसके चलते सत्य और असत्य को पहचानना लगभग असंभव हो गया है। इसे मिसइनफार्मेशन (अनजाने में फैलाई गई भ्रामक सूचना), डिसइनफार्मेशन (जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना) और मालइनफॉर्मेशन (सही लेकिन दुरुपयोग की जा सकने वाली सूचना) के रूप में समझा जाता है। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जोखिम रिपोर्ट 2025 के अनुसार-मिसइनफॉर्मेशन और डिसइनफॉर्मेशन के मामले में लगातार दूसरे वर्ष शॉर्ट-टर्म वैश्विक जोखिमों में सबसे ऊपर हैं। रिपोर्ट बताती है कि यह जोखिम समाज की एकता, शासन व्यवस्था और लोगों के आपसी विश्वास को गहराई से कमजोर कर रहा है। वैश्विक स्तर पर यह समस्या इतनी गंभीर हो चुकी है कि कई विशेषज्ञ इसे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा मानते हैं।

इस संदर्भ में वैश्विक आंकड़े भयावह तस्वीर दिखाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, दुनियाभर में 86 प्रतिशत लोग कभी न कभी गलत सूचना के संपर्क में आ चुके हैं। सोशल मीडिया पर साझा होने वाली सामग्री में से 40 प्रतिशत फर्जी मानी जाती है। ऑनलाइन उपलब्ध कुल सामग्री में से 62 प्रतिशत के अविश्वसनीय या झूठी होने की संभावना होती है। एआई के उदय ने इस समस्या को और तेज कर दिया है। नकली वीडियो और नकली आवाज में 2019 से अब तक 550 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। एक अनुमान के मुताबिक, 2025 में लगभग 80 लाख नकली वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए गए।

भारत इस समस्या का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 और 2025 की रिपोर्टों में भारत को गलत सूचना और जानबूझकर झूठी सूचना के सबसे ज्यादा जोखिम वाले देश के रूप में लगातार शीर्ष पर रखा गया है। 2025 की शुरुआत में भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 80.6 करोड़ थी, जो वर्ष के अंत तक 90 करोड़ से अधिक हो गई।

इतनी बड़ी डिजिटल आबादी के साथ 'सूचना प्रदूषण' एक गंभीर समस्या बनकर उभरा है। इसका सबसे बड़ा स्रोत सोशल मीडिया है, जहां व्हाट्सऐप, फेसबुक और एक्स पर बड़े पैमाने पर फर्जी खबरें फैलती हैं। फर्जी सूचनाओं का अधिकांश हिस्सा राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक विषयों से जुड़ा होता है, जो चुनावों और सामाजिक सद्भाव को सीधे प्रभावित करता है।

2024 के लोकसभा चुनावों और 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में एआई से बनी नकली ऑडियो, वीडियो और संदेशों का व्यापक उपयोग हुआ, जिससे मतदाताओं को गुमराह किया गया। चुनाव आयोग के निर्देशों के बावजूद अधिकांश फर्जी सामग्री पर प्रभावी रोक नहीं लग सकी। सूचना प्रदूषण के दुष्प्रभाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्तर पर भी दिखाई देते हैं। इससे दंगे भड़कते हैं, विश्वास कमजोर होता है। इस समस्या का समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। डिजिटल साक्षरता, मजबूत फैक्ट-चेक व्यवस्था, तकनीकी प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी और नियमों का संतुलित क्रियान्वयन आवश्यक है। सही सूचना ही स्वस्थ समाज और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जमाना बदल गया, लेकिन शिक्षा व्यवस्था आज भी पुराने सवालों में उलझी हुई

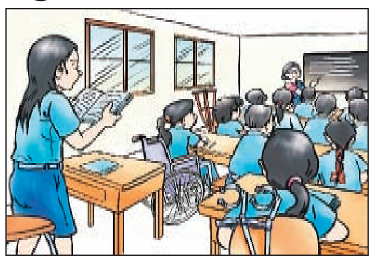

रजनीश रांगड़ा, प्रधानाचार्य
स्वर्ण जयंती राजकीय (उत्कृष्ट)
वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, टौणी देवी

कितना बदल गया जमाना' यह वाक्य अब केवल एक साधारण टिप्पणी नहीं रहा, बल्कि हमारी शिक्षा व्यवस्था, छात्र जीवन और सामाजिक सोच पर खड़ा एक गहरा प्रश्न बन चुका है।

आज के विद्यार्थियों की आंखों में सपनों के साथ-साथ थकान है, उनके कंधों पर बस्तों से ज्यादा अपेक्षाओं का बोझ है और मन में सीखने से अधिक खुद को साबित करने की बेचैनी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हम शिक्षा को किस दिशा में ले जा रहे हैं। हमारे छात्र जीवन की शुरुआत सादगी से होती थी। स्लेट, खड़िया और लकड़ी की पटरी ही हमारी दुनिया थी। स्लेट की बत्ती को जीभ से चाटना, मोरपंख किताब में रखना या पेंसिल का पिछला हिस्सा चबाकर परीक्षा का तनाव कम करना-आज ये बातें हास्यास्पद लग सकती हैं, लेकिन उस मासूम विश्वास में सीखने का आनंद छिपा था। संसाधन कम थे, पर भरोसा बहुत था।

आज का छात्र स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्ट बोर्ड और अनंत ऑनलाइन सामग्री के बीच घिरा है। जानकारी की कमी नहीं, बल्कि इतनी अधिकता है कि सही दिशा ही खोती जा रही है। तकनीक ने शिक्षा को तेज और सुलभ बनाया है, लेकिन क्या उसने उसे संवेदनशील और मानवीय भी बनाया है? कहीं ऐसा तो नहीं कि हमने सीखने की रफ़्तार बढ़ा दी, लेकिन समझने की क्षमता घटा दी?

भटूरे में ईनो डालकर उसे फुलाना और फिर उसी ईनो से पेट की समस्या ठीक करना केवल खानपान का व्यंग्य नहीं, बल्कि हमारी पूरी आधुनिक जीवनशैली का प्रतीक है। पहले समस्या रची जाती है, फिर समाधान परोसा जाता है, और जब वही समाधान नई समस्या पैदा करता है तो उस पर नई इंडस्ट्री खड़ी कर दी जाती है। यही स्थिति शिक्षा व्यवस्था में भी दिखती है। बच्चों पर भारी पाठ्यक्रम, अंकों की होड़ और रैंकिंग का दबाव डाल दिया जाता है, फिर उसी से पैदा हुए तनाव के लिए काउंसलिंग और वेलनेस प्रोग्राम शुरू किए जाते हैं। यह अंतहीन चक्र हमारी सामूहिक विफलता की ओर इशारा करता है। पहले पढ़ाई जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थी, कोई थोप दी गई शर्त नहीं। माता-पिता को न ट्यूशन की चिंता थी, न कोचिंग की दौड़। शिक्षक केवल विषय नहीं पढ़ाते थे, संस्कार भी देते थे। आज के विद्यार्थी पिटते नहीं, पर टूटते जरूर हैं-तुलना, रैंक, सोशल मीडिया और 'टॉपर बनो' की सोच से। किताबों से रिश्ता था, उन्हें छूने और पलटने का आनंद था। आज ज्ञान स्क्रीन पर है, लेकिन धैर्य और जिज्ञासा संकट में हैं।

स्कूल का रास्ता भी सीखने का हिस्सा था। साइकिल पर दोस्तों के साथ जाना, नियम तोड़ना, लेकिन दोस्ती निभाना—ये सब जीवन का पाठ थे। आज बच्चे गाड़ियों में अकेले, हेडफोन लगाए चलते हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, पर संवाद घटा है। शिक्षक-छात्र संबंध भी बदल गया है। शिक्षक अब मार्गदर्शक से अधिक 'रिजल्ट' से आंके जाते हैं और छात्र 'विद्यार्थी' से अधिक 'स्कोर' बनते जा रहे हैं। माता-पिता भी इस दबाव से अछूते नहीं हैं। पहले वे अच्छे इंसान बनने की उम्मीद रखते थे, आज करियर पैकेज और भविष्य की असुरक्षा में उलझे हैं। नतीजा यह है कि छात्र कम उम्र में ही थक जाता है। एक असफलता आज कई बच्चों को भीतर तक तोड़ देती है।

शिक्षा को फिर से मानवीय बनाना होगा। छात्र को केवल प्रतियोगी नहीं, जिज्ञासु बनाना होगा। तकनीक को साधन बनाना होगा, लक्ष्य नहीं। स्कूल को ऐसा स्थान बनाना होगा जहां बच्चा डर से नहीं, विश्वास से सीखे। तभी हम ईमानदारी से यह कह पाएंगे कि हम न केवल यह समझते हैं कि ज़माना कितना बदल गया है, बल्कि यह भी जानते हैं कि हमें अपने बच्चों और अपनी शिक्षा को किस दिशा में ले जाना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

ज्ञान पर मनोरंजन भारी

पिछले दिनों एक विश्वविद्यालय में छात्रों से पूछा कि दिनभर में रील्स देखने में उनका कितना समय निकल जाता है। अधिकांश ने औसतन दो से चार घंटे बताया। लेकिन एक छात्र का जवाब भीतर तक उतर गया। उसने कहा, 'सर, पता ही नहीं चलता। अंगूठा अपने आप चलता रहता है।' यही आज की डिजिटल दुनिया की सबसे बड़ी विडंबना है। करोड़ों युवा रोज घंटों ऐसी सामग्री देख रहे हैं, जिसे देखने का फैसला उन्होंने वास्तव में खुद नहीं किया। उनकी उंगली स्क्रीन पर चल रही है, लेकिन दिशा तय करने वाला कोई और है।

बेन एंड कंपनी के एक अध्ययन के अनुसार भारत में करीब 60 करोड़ लोग शॉर्ट वीडियो देखते हैं और सक्रिय उपयोगकर्ता रोजाना लगभग 55 से 60 मिनट इन पर बिताते हैं। यदि 60 करोड़ लोग रोज एक घंटा भी रील्स देखने में लगाएं तो हर दिन 60 करोड़ मानव-घंटे इस गतिविधि में खर्च होते हैं। यह केवल समय की बर्बादी का सवाल नहीं है। जिस देश की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, वहां यह शिक्षा, उत्पादकता, रचनात्मकता और मानसिक एकाग्रता से जुड़ा गंभीर सामाजिक प्रश्न बन जाता है।

रील्स की संरचना ही ऐसी है कि ध्यान लगातार एक सामग्री से दूसरी सामग्री की ओर खिंचता रहे। कुछ सेकंड में दृश्य बदलता है, फिर आवाज, संगीत, हास्य, उत्तेजना या भावनात्मक सामग्री सामने आ जाती है। मस्तिष्क को हर बार एक नया उत्तेजक अनुभव मिलता है। यही लगातार नवीनता व्यक्ति को अगले वीडियो की तलाश में बनाए रखती है। शॉर्ट वीडियो के अत्यधिक उपयोग पर हुए कई अध्ययनों ने इसके पुरस्कार तंत्र और आत्म-नियंत्रण से जुड़े मानसिक तंत्रों पर संभावित प्रभाव की ओर संकेत किया है। डिजिटल वातावरण में एकाग्रता के लगातार कमजोर होने को लेकर भी शोधकर्ताओं ने चिंता जताई है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि हमारे बच्चे क्या देखें, यह तय कौन करता है? बच्चा नहीं, माता-पिता नहीं, शिक्षक नहीं और कई बार स्वयं उपयोगकर्ता भी नहीं। बड़ी भूमिका उन एल्गोरिदम की है, जो यह अनुमान लगाते हैं कि उपयोगकर्ता किस सामग्री पर अधिक देर रुकेगा और फिर उसी तरह की सामग्री लगातार सामने लाते हैं। उनका मूल उद्देश्य उपयोगकर्ता का ध्यान बनाए रखना है। ध्यान जितनी देर बंधा रहेगा, मंच के लिए उतना ही अधिक आर्थिक मूल्य पैदा होगा।

यहां उन रचनाकारों का उल्लेख भी जरूरी है जो इस माध्यम का सकारात्मक इस्तेमाल कर रहे हैं। कोई छोटे शहर में बैठकर बच्चों को भौतिकी पढ़ा रहा है, कोई किसानों को नई तकनीक समझा रहा है और कोई युवाओं को कौशल सीखने के लिए प्रेरित कर रहा है। ऐसे रचनाकार वास्तव में समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। समस्या यह है कि ज्ञान को वह लोकप्रियता और आर्थिक प्रोत्साहन नहीं मिलता, जो मनोरंजन और सनसनी को आसानी से मिल जाता है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इस बात के प्रमाण थे कि वैज्ञानिक भी युवाओं के आदर्श बन सकते हैं। मगर आज किसी विचार की पहुंच केवल उसकी गुणवत्ता से तय नहीं होती। एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि कौन दिखाई देगा, कौन दब जाएगा और किस सामग्री को करोड़ों लोगों तक पहुंच मिलेगी। यदि युवा पीढ़ी की पसंद और आकांक्षाओं को लगातार व्यावसायिक एल्गोरिदम प्रभावित करें तो यह केवल तकनीकी विषय नहीं रह जाता। यह डिजिटल स्वतंत्रता और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रश्न बन जाता है।

दुनिया के कई देश इस चुनौती को गंभीरता से ले रहे हैं। चीन ने बच्चों के लिए शॉर्ट वीडियो के उपयोग पर समय और रात्रिकालीन प्रतिबंध जैसी व्यवस्थाएं लागू की हैं। आस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए कई प्रमुख सामाजिक मंचों पर खाते सीमित करने का कठोर कदम उठाया है। यूरोपीय संघ भी उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत प्रोफाइलिंग पर आधारित फीड के विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन कदमों से स्पष्ट है कि डिजिटल मंचों को अब केवल मनोरंजन के साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा।

भारत ने 2020 में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाकर डिजिटल संप्रभुता का उदाहरण पेश किया था। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून में बच्चों की प्रोफाइलिंग और लक्षित विज्ञापन पर नियंत्रण का प्रावधान भी है। लेकिन कानून की असली ताकत उसके प्रभावी क्रियान्वयन में होती है। इसलिए बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल मोड, समय सीमा, रात्रि अवकाश और मजबूत आयु सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं जरूरी हैं।

सोशल मीडिया मंचों के एल्गोरिदम का स्वतंत्र ऑडिट होना चाहिए। प्रत्येक उपयोगकर्ता को ऐसी फीड का विकल्प मिलना चाहिए, जो उसकी निजी गतिविधियों की प्रोफाइलिंग पर आधारित न हो। साथ ही शिक्षा, विज्ञान, कौशल और ज्ञानवर्धक सामग्री तैयार करने वाले रचनाकारों को आर्थिक और संस्थागत प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। विद्यालयों और परिवारों को भी स्क्रीन-मुक्त समय तय करना होगा। सप्ताह में एक दिन सीमित डिजिटल उपयोग जैसी पहल बच्चों को अपने ध्यान पर फिर से नियंत्रण पाने में मदद कर सकती है। तकनीक को रोकना समाधान नहीं है।

-शिवांश धाकड़

कविता

हाइकु

मुमुक्षु के. ठाकुर,
ओबड़ी, चंबा, (हि. प्र.)

आज करोड़ों लोग हैं भूखे,
फिर भी देश हुआ समृद्ध महान,
चेहरों पर मुस्कान सजी है,
मन में छिपा हुआ तूफान।
चंचल मन अब बदल गया है,
सपनों का भी बदला गगन,
जिस जीवन में प्रेम था पहले,
वहां बढ़ा अब केवल स्वार्थ-बंधन।
उम्र गुजारी जग को साधने में,
पर खुद को समझ न पाए हम,
मिट्टी जैसी यह देह हमारी,
एक दिन मिल जाएगी मिट्टी में सनम।
अनगिनत स्वार्थों की संगत में,
मनुष्य स्वयं से दूर हुआ,
रिश्तों की गर्माहट खोकर, हर चेहरा मजबूर हुआ।
ऋण अभी भी शेष बहुत हैं,
कर्तव्य बाकी अनेक,
फिर भी मोह-माया में उलझे,
भूल गए जीवन का विवेक।
नारी ने भी रूप बदला है,
समय के संग बदली पहचान,
स्वतंत्र बनी, सपनों को पाया,
फिर भी बाकी कई अरमान।
आधुनिकता की तेज हवा में, संस्कार कहीं न खो जाएं,
अधिकारों के साथ कर्तव्यों को,
हम सब मिलकर याद दिलाएं।

अमीरों को सुविधाओं का लाभ और गरीबों को संघर्ष वर्षों बाद भी कायम है सामाजिक-आर्थिक असमानता

रामलाल पाठक
वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार
निहारखन बासला, बिलासपुर (हि.प्र.)

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में लोकतांत्रिक ढंग से चुनी गई सरकार अस्तित्व में आई। अंग्रेज भले ही हमारा देश छोड़कर चले गए, लेकिन कई बुराइयां अपने पीछे छोड़ गए। हमारे देश के लोगों ने उनमें से कुछ को तो विरासत में अपना लिया। नतीजन समाज में अमीर और गरीब की खाई और अधिक गहरी होती गई। सरकार से मिलने वाली सुविधाओं का अमीर आदमी ने ही ज्यादा लाभ लिया।

सरकारी नौकरियों की बात हो या अन्य रोजगार की। अमीर के बेटे ने उच्च शिक्षा के साथ ही नौकरी के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किया। शुरू में स्कूल दूर थे तथा प्रशिक्षण प्राप्त करना गरीब व्यक्ति के बस में नहीं था। इसलिए वह सरकारी नौकरी या अन्य अच्छा रोजगार प्राप्त करने से वंचित रहा।

यही क्रम पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहा। नतीजन अमीर और अधिक अमीर होता गया, जबकि गरीब व्यक्ति मूलभूत सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए कमरतोड़ संघर्ष कर रहा है। यही निर्धन वर्ग हर पांच साल के बाद आने वाले चुनावों में सरकार बदल देता है। उसने बीते पांच सालों में सरकार की कारगुजारियां देखी। इस बीच उसके जीवन स्तर में विशेष सुधार नहीं हुआ। चुनावों के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशी चुनाव मैदान में आकर लोक-लुभावने वादे करते हैं। निर्धन वर्ग के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं का धुंआधार प्रचार किया जाता है। जिस राजनीतिक दल का प्रत्याशी सबसे ज्यादा वादे करता है, निर्धन वर्ग का मतदाता उसी ओर आकर्षित हो जाता है।

राजनीतिक दलों की बादाखिलाफी के चलते हर पांच सालों के बाद सत्ता बदलती रहती है यानी किसी राजनीतिक दल की नीतियां एवं कार्यक्रम ठीक लगने पर ही सरकार दोबारा अगले पांच वर्षों तक चुनी जाती है। गरीब अमीर होने के सपने देखते रहते हैं तथा सरकारें बदलती रहती है। अंत में गरीब व्यक्ति मायूस होकर यह कह देता है कि उसे रोटी कमाकर ही मिलेगी। इसलिए कई बार तो वह वोट डालने से भी परहेज ही करता है। अब सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को अच्छा खासा वेतन मिलता है तथा और भी अन्य कई सुविधाएं मिलती हैं।

समय के साथ ही वेतन बढ़ोतरी होती है। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें पेंशन मिलती है। आम किसान-मजदूर की आमदनी न के बराबर होती है। सरकारी कर्मचारियों की तरह उसे कोई भी सुविधा नहीं मिलती। यही नहीं, उसका भविष्य भी सुरक्षित नहीं होता। जीवनभर उसे अपने परिवार का भरण-पोषण मुश्किल होता है। जीवन के 60 वर्ष पर करने के बाद उसे सरकार की ओर से जो पेंशन मिलती है। वह इतनी कम होती है कि उससे दवा-दारू का खर्च भी नहीं चल पाता। बुढ़ापे में शरीर में कई बीमारियां लग जाती हैं।

समाज में शुरू से ही असमानता का वातावरण रहा और अब भी यही स्थिति है। अंग्रेजों ने अपने शासनकाल में फूट डालो, राज करो की नीति अपनाई थी। आज भी यह स्थिति यथावत है। अपनी उपेक्षाओं के चलते गरीब आदमी गरीब ही होता जा रहा है। सरकार द्वारा उसके उत्थान के लिए जो योजनाएं शुरू की जाती हैं उनके धरातल पर संतोषजनक परिणाम सामने नहीं आते।

जब सरकार बदलती है तो उनकी योजनाएं भी बदल जाती हैं। जब वह योजनाएं शुरू होती हैं, उस समय तक पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाता है। तब तक सरकार फिर बदल जाती है। इसलिए समाज के उस वर्ग को किसी भी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरी तरह लाभ नहीं मिल पाता। समाज में गरीबी और असमानता की समस्या समय के साथ लगातार गहराती चली गई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

राजनीतिक और कानूनी पहचान

रवि शंकर प्रसाद
जन्म : 30 अगस्त 1954

रवि शंकर प्रसाद भारतीय राजनीति और कानून के क्षेत्र में एक प्रमुख नाम हैं। उनका जन्म 30 अगस्त 1954 को बिहार के पटना में हुआ। उनके पिता ठाकुर प्रसाद पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा जनसंघ के प्रमुख संस्थापकों में शामिल थे। रवि शंकर प्रसाद ने पटना विश्वविद्यालय से कला स्नातक, राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। छात्र जीवन में ही वे सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ गए तथा 1969 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य बने। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में बिहार छात्र आंदोलन में भी उन्होंने सक्रिय भागीदारी की और आपातकाल के दौरान जेल भी गए।

कानून के क्षेत्र में रवि शंकर प्रसाद ने 1980 से पटना उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। वर्ष 1999 में उन्हें पटना उच्च न्यायालय का वरिष्ठ अधिवक्ता और 2000 में सर्वोच्च न्यायालय का वरिष्ठ अधिवक्ता बनाया गया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में पैरवी की। राजनीतिक जीवन की शुरुआत छात्र नेता के रूप में करने के बाद वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और पार्टी के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वर्ष 2000 में वे पहली बार राज्यसभा के सदस्य चुने गए। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में उन्होंने कोयला, कानून एवं न्याय तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालयों में राज्य मंत्री के रूप में जिम्मेदारियां संभालीं।

नरेंद्र मोदी सरकार में रवि शंकर प्रसाद ने कानून एवं न्याय, संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में अनेक पुराने कानूनों को समाप्त करने और न्यायालयों के डिजिटलीकरण जैसे कदम उठाए गए। वे लंबे समय तक राज्यसभा सदस्य रहने के बाद 2019 से लोकसभा के सदस्य बने। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता और महासचिव जैसे पदों पर रहते हुए उन्होंने भाजपा की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कानून, संचार, सूचना प्रौद्योगिकी और संसदीय राजनीति के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव ने उन्हें देश के प्रमुख नेताओं और अधिवक्ताओं में विशेष पहचान दिलाई।

बच्चों को सफलता की दौड़ में आगे बढ़ाने के साथ नैतिकता और मानवीय मूल्यों की शिक्षा भी जरूरी

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक, मंडी

आज का समाज तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक और भौतिक विकास ने मानव जीवन को पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक और सरल बनाया है। संचार के साधनों ने दूरियों को कम किया है और दुनिया को एक-दूसरे के करीब ला दिया है। इसके बावजूद इसी आधुनिकता के बीच नैतिक मूल्यों का क्षरण भी तेजी से दिखाई दे रहा है। ईमानदारी, सत्य, करुणा, प्रेम, त्याग, सहनशीलता और विश्वास जैसे गुण, जो मनुष्य को वास्तव में मनुष्य बनाते हैं, आज कई स्तरों पर कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं। इसका सबसे गहरा असर हमारे पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों पर पड़ रहा है।

नैतिक मूल्य केवल किताबों में पढ़ाए जाने वाले आदर्श नहीं हैं, बल्कि वे हमारे व्यवहार और संबंधों की नींव होते हैं। परिवार में प्रेम और विश्वास हो तो कठिन परिस्थितियां भी आसानी से पार की जा सकती हैं। इसके विपरीत जब स्वार्थ रिश्तों पर हावी होने लगता है तो मजबूत से मजबूत संबंधों में भी दरार पड़ने लगती है। आज माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद की कमी, भाई-बहनों के बीच बढ़ती दूरी और समाज में आपसी विश्वास का कमजोर होना इसी बदलाव की ओर संकेत करता है। रिश्ते जो कभी आत्मीयता और अपनत्व पर आधारित होते थे, उनमें अब कई बार औपचारिकता और स्वार्थ का प्रभाव दिखाई देता है।

आज व्यक्ति अपने हित को प्राथमिकता देने लगा है। दूसरों की भावनाओं को समझने और उनके दुख-दर्द में सहभागी बनने की प्रवृत्ति कमजोर हो रही है। आर्थिक सफलता और व्यक्तिगत उपलब्धियों को जीवन की सफलता का प्रमुख पैमाना मान लिया गया है। परिणामस्वरूप मनुष्य के पास सुविधाएं तो बढ़ी हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए समय कम होता गया है। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी अपनी-अपनी दुनिया में व्यस्त हैं। संवाद की जगह मोबाइल फोन ने ले ली है और आमने-सामने बैठकर बातचीत करने की आदत कम होती जा रही है।

सामाजिक जीवन पर भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। पहले पड़ोसी एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते थे। मोहल्ले और गांव सामूहिक जीवन की भावना से जुड़े होते थे। आज महानगरीय जीवनशैली और व्यस्तता ने सामाजिक संबंधों को सीमित कर दिया है। लोग आसपास रहने वालों से अधिक आभासी दुनिया से जुड़े नजर आते हैं। सामाजिक माध्यमों पर हजारों संपर्क होना अलग बात है, लेकिन वास्तविक जीवन में किसी व्यक्ति के दुख में उसके साथ खड़े होने वाले लोगों की संख्या कम होती जा रही है। यह विरोधाभास आधुनिक जीवन की बड़ी चुनौती बन गया है।

मोबाइल और सामाजिक माध्यमों का विस्तार इस स्थिति को और जटिल बना रहा है। तकनीक अपने आप में न तो अच्छी है और न बुरी। उसका उपयोग किस उद्देश्य और किस सीमा तक किया जाता है, यही महत्वपूर्ण है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक हमारे जीवन का साधन न रहकर हमारे जीवन को नियंत्रित करने लगे। आज कई लोग परिवार के साथ बैठकर भी मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक स्क्रीन का बढ़ता समय वास्तविक संवाद और संवेदनशीलता को प्रभावित कर रहा है। दूसरे के दुख को समझने के लिए जिस धैर्य और भावनात्मक उपस्थिति की जरूरत होती है, वह लगातार कम होती जा रही है।

नैतिक मूल्यों का संकट केवल परिवार तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव शिक्षा, कार्यस्थल और सार्वजनिक जीवन पर भी दिखाई देता है। यदि सफलता का अर्थ केवल अधिक धन, ऊंचा पद और अधिक सुविधाएं हासिल करना बन जाए तो ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट सकती है। प्रतिस्पर्धा आवश्यक है, लेकिन ऐसी प्रतिस्पर्धा जो मनुष्य को दूसरों के प्रति असंवेदनशील बना दे, समाज के लिए नुकसानदेह है। बच्चों को केवल अच्छे अंक और बेहतर करियर की दौड़ में आगे बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें यह भी सिखाना जरूरी है कि सफलता के साथ जिम्मेदारी, सहयोग, करुणा और ईमानदारी का होना उतना ही महत्वपूर्ण है।

नैतिक मूल्यों को मजबूत करने की शुरुआत परिवार से होनी चाहिए। बच्चे वही अधिक सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता ईमानदारी, सम्मान और संवेदनशीलता का व्यवहार करेंगे तो बच्चों पर उसका स्वाभाविक प्रभाव पड़ेगा। केवल उपदेश देकर नैतिकता नहीं सिखाई जा सकती। परिवार में बुजुर्गों का सम्मान, जरूरतमंद की सहायता, मिल-बांटकर रहने की आदत और दूसरों की भावनाओं का सम्मान जैसे छोटे-छोटे व्यवहार बच्चों के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार योग्य बनाना नहीं होना चाहिए, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए। पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा को केवल एक विषय के रूप में शामिल करने के बजाय विद्यालयी वातावरण में उसे व्यवहार का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को सहयोग, अनुशासन, सहिष्णुता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सेवा से जोड़ना चाहिए। शिक्षक स्वयं अपने आचरण से विद्यार्थियों के सामने उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

स्वाइन फ्लू को लेकर यूपी में हाई अलर्ट सभी सरकारी डॉक्टरों की छुट्टियां रद्द

हर अस्पताल में स्क्रीनिंग और आइसोलेशन की व्यवस्था, स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

एजेंसी, लखनऊ

स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को लेकर उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग हाई अलर्ट पर है। लखनऊ में स्वाइन फ्लू से एक महिला की मौत की पुष्टि के बाद सरकार ने अस्पतालों में तैयारियां तेज कर दी हैं। उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक कर प्रदेश के सभी जिलों में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर चिकित्सकों, मुख्य चिकित्साधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की छुट्टियां स्वीकृत नहीं की जाएंगी। अस्पताल पहुंचने वाले किसी भी मरीज को उपचार के बिना

यूपी में स्वाइन फ्लू के बढ़ते खतरा के बीच डिप्टी सीएम ने दिए कड़े निर्देश।

वापस नहीं भेजा जाना चाहिए।

बैठक में प्रदेश के सभी 75 जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रत्येक सरकारी अस्पताल में स्क्रीनिंग काउंटर सक्रिय करने और फ्लू से संक्रमित मरीजों के लिए अलग आइसोलेशन वार्ड तैयार करने के निर्देश दिए। अस्पतालों में मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए मास्क का इस्तेमाल तथा बुखार से संबंधित निर्धारित प्रोटोकाल का पालन अनिवार्य किया गया है। दवाओं, जांच सुविधाओं और बिस्तरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। लखनऊ के प्रमुख अस्पतालों में 25-25 बिस्तरों के आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के सभी अस्पतालों को तैयार रहने के निर्देश

स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू के साथ वायरल और मौसमी बुखार के बढ़ते मामलों को देखते हुए निगरानी और मजबूत करने का फैसला किया है। निजी अस्पतालों तथा पैथोलाजी प्रयोगशालाओं से भी सहयोग मांगा गया है। स्वाइन फ्लू से संबंधित किसी भी संक्रमित मरीज की जांच रिपोर्ट तत्काल शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही मरीज की यात्रा हिस्ट्री की जानकारी जुटाने पर भी जोर दिया गया है। खासकर दिल्ली-एनसीआर से जुड़े जिलों में संक्रमित पाए जाने वाले मरीजों के यात्रा विवरण की जांच करने को कहा गया है। आवश्यकता के अनुसार मरीजों को घर में अलग रहने की सलाह भी दी जा सकती है।

औघड़नाथ मंदिर में अमरनाथ धाम का दिखा अद्भुत नजारा

बर्फ से तैयार हुआ छह फीट ऊंचा शिवलिंग।

एजेंसी, मेरठ

सावन माह के अंतिम दिन और रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मेरठ के ऐतिहासिक बाबा औघड़नाथ शिव मंदिर में अमरनाथ धाम की भव्य झांकी सजाई गई। इस दौरान बर्फ से करीब छह फीट ऊंचे बाबा बर्फानी स्वरूप शिवलिंग की आकर्षक प्रतिकृति तैयार की गई। श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन कर पूजा-अर्चना की और शिवलिंग पर राखी अर्पित की।

शुक्रवार शाम पांच बजे से मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए झांकी के दर्शन शुरू हुए। बाबा बर्फानी के चारों ओर आकर्षक सजावट की गई थी। शिवलिंग को फूलों के झूमर और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। करीब 250 कमल के फूलों से बाबा बर्फानी का विशेष श्रृंगार किया गया। झांकी में अमरनाथ धाम के वातावरण को जीवंत रूप देने का प्रयास किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में ही अमरनाथ यात्रा जैसा आध्यात्मिक अनुभव मिला।

झांकी में मानसरोवर झील का दृश्य भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। झील के आसपास कबूतरों की आकृतियां सजाई गईं, जिससे पूरा दृश्य और मनोहारी नजर आया। दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान शिव के जयकारों से परिसर गूंज उठा। मंदिर समिति के पदाधिकारियों के अनुसार पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक आयोजन को भव्य बनाने के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में गंगनहर में उतरे भाकियू कार्यकर्ता

एजेंसी, मेरठ

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और युवाओं ने शनिवार को अनूठे तरीके से प्रदर्शन किया। संगठन के लोग सलावा स्थित मेजर ध्यानचंद विश्वविद्यालय के पास गंगनहर में उतर गए और पानी में खड़े होकर जल सत्याग्रह किया। हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नए नियमों को तत्काल रद्द करने की मांग उठाई।

संगठन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और युवा गंगनहर के किनारे पहुंचे। इसके बाद सभी पानी में उतर गए और सरकार तथा यूजीसी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों से संबंधित नारे लगाए और तख्तियां प्रदर्शित कीं। उनका कहना था कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े नियमों में ऐसे बदलाव नहीं होने चाहिए, जिनसे विद्यार्थियों और युवाओं के हित प्रभावित हों।

भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी ने देशभर में एक समान शिक्षा नीति लागू करने की मांग भी उठाई। संगठन का कहना है कि शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर और अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

मल्टी मॉडल टर्मिनल पहुंचे भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के चेयरमैन

एजेंसी, वाराणसी

वाराणसी के मल्टी मॉडल टर्मिनल में तैयार किए जा रहे जलयान मरम्मत केंद्र को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के चेयरमैन सुशील कुमार लोहानी ने शनिवार को टर्मिनल का दौरा कर विभिन्न परियोजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जलयान मरम्मत केंद्र की तैयारियों को भी देखा और संबंधित अधिकारियों के साथ परियोजना की प्रगति पर चर्चा की। निरीक्षण के बाद केंद्र के जल्द लोकार्पण की उम्मीद बढ़ गई है।

दौरे के दौरान नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड और इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहयोग से संचालित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक भी हुई। अधिकारियों ने परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी चेयरमैन को दी। जलयान मरम्मत केंद्र में आवश्यक तकनीकी और आधारभूत सुविधाओं को विकसित करने का कार्य जारी है। इसके निर्माण से

वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में जल परिवहन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

केंद्र के शुरू होने के बाद गंगा में संचालित होने वाले जलयानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए बेहतर स्थानीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इससे जलयानों को मरम्मत के लिए दूसरे स्थानों पर भेजने की आवश्यकता कम हो सकती है। इसका सीधा असर समय और परिचालन लागत पर पड़ने की संभावना है। साथ ही क्षेत्र में जलमार्ग आधारित व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है।

वाराणसी में जलयान मरम्मत केंद्र के लोकार्पण की तैयारी तेज

परियोजना में एलएंडटी जियोस्ट्रक्चर की ओर से ग्राउंड इंजीनियरिंग से जुड़े कार्य किए जा रहे हैं। अधिकारियों के निरीक्षण के बाद माना जा रहा है कि केंद्र के शेष कार्यों को जल्द पूरा कर लोकार्पण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। वाराणसी में विकसित हो रही यह सुविधा अंतर्देशीय जल परिवहन के विस्तार के साथ स्थानीय आर्थिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दुबग्गा में मेट्रो के ऊपर बनेगा फ्लाईओवर

कानपुर बाइपास से हरदोई रोड तक आसान होगा सफर

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र में प्रस्तावित फ्लाईओवर के निर्माण की कवायद तेज हो गई है। खास बात यह है कि यह फ्लाईओवर मेट्रो के एलिवेटेड रूट के ऊपर से गुजरेगा। सेतु निगम और उत्तर प्रदेश मेट्रो कारपोरेशन लिमिटेड के बीच इस परियोजना को लेकर सहमति बन चुकी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। फ्लाईओवर के बनने से दुबग्गा और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाली करीब पांच लाख की आबादी को सीधे तौर पर लाभ मिलने की संभावना है।

प्रस्तावित फ्लाईओवर को एल आकार में बनाया जाएगा। यह बुद्धेश्वर चौराहे की ओर से शुरू होकर दुबग्गा क्षेत्र से गुजरते हुए आईआईएम की तरफ जाने वाली सड़क से हरदोई रोड पर उतरेगा। इसकी लंबाई करीब 1811.72 मीटर होगी। परियोजना पर लगभग 305.31 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। फ्लाईओवर का निर्माण मेट्रो के एलिवेटेड मार्ग से

दुबग्गा फ्लाईओवर को लेकर सेतु निगम और मेट्रो निगम में बनी सहमति।

करीब साढ़े पांच मीटर ऊपर किया जाएगा, जिससे दोनों परियोजनाओं का संचालन प्रभावित न हो।

इस फ्लाईओवर का सबसे बड़ा लाभ लखनऊ और कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को मिलेगा। ऐसे वाहन जो सीधे हरदोई, सीतापुर और मलिहाबाद की ओर जाना चाहते हैं, उन्हें दुबग्गा चौराहे के भारी यातायात में फंसने की जरूरत नहीं पड़ेगी। फ्लाईओवर के माध्यम से यातायात को सीधे हरदोई रोड की ओर भेजा जा सकेगा। इससे दुबग्गा चौराहे पर वाहनों का दबाव कम होने और जाम की समस्या नियंत्रित होने की उम्मीद है। फ्लाईओवर बनने से कानपुर बाइपास, बुद्धेश्वर चौराहा, दुबग्गा, हरदोई रोड और आसपास के प्रमुख मार्गों के बीच यातायात संपर्क भी बेहतर होगा।

न्यूज ब्रीफ

जे.पी. आंदोलन के लिए जनसंघ का विलय करने वाले ही समाजवाद के सच्चे पोषक : अमरजीत मिश्र

एजेंसी, वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष अमरजीत मिश्र ने कहा कि जयप्रकाश नारायण के आंदोलन को मजबूती देने और देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनी पार्टी भारतीय जनसंघ का जनता पार्टी में विलय कर देने वाले नेता ही समाजवाद के सच्चे पोषक थे। समाजवाद की बातें करने वालों को पहले अपने राजनीतिक इतिहास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को देखना चाहिए। भाजपा नेता अमरजीत मिश्र शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जयप्रकाश नारायण के संदर्भ में बयान को लेकर अमरजीत मिश्रा ने कहा कि जेपी आंदोलन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। उस दौर में तत्कालीन जनसंघ के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की बहाली के लिए संघर्ष किया और सत्ता तथा संगठन के हित से ऊपर राष्ट्रहित को रखा।

रायबरेली पहुंची चिन्मय अमृत यात्रा, श्रद्धा और उत्साह से हुआ भव्य स्वागत

एजेंसी, रायबरेली। प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय संस्था चिन्मय मिशन के 75 वर्षों की आध्यात्मिक एवं ज्ञानपरंपरा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए चल रही 'चिन्मय अमृत यात्रा' का शनिवार को चिन्मय विद्यालय, एनटीपीसी ऊँचाहार में भावपूर्ण स्वागत किया गया। विजडम ऑन व्हील्स के माध्यम से यह यात्रा जन जन तक ज्ञान का प्रसार कर रही है। यात्रा में शामिल वाहनों में गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद जी की पावन स्मृतियों, उनकी पादुकाओं व अनेक ग्रंथ रखे गए हैं,जिसका उद्देश्य वेदांत के शाश्वत ज्ञान का संदेश आमजन तक पहुंचाना है। यात्रा का नेतृत्व चिन्मय मिशन के स्वामी मित्रानंद कर रहे हैं। उनके साथ चिन्मय मिशन के कई ब्रह्मचारी एवं स्वामिनी भी यात्रा में सम्मिलित रहे। चिन्मय विद्यालय ऊँचाहार में यात्रा वाहन के पहुँचते ही वातावरण श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक भाव से भर गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष कुमार स्वामी के नेतृत्व में सम्पूर्ण चिन्मय परिवार, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावकों ने यात्रा का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद जी की पावन पादुकाओं के दर्शन करना लोगों के लिए विशेष भावनात्मक एवं आध्यात्मिक क्षण रहा।

भाजपा के मंडल अध्यक्ष का आकस्मिक निधन

एजेंसी, वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के काशी विश्वनाथ मंडल के उपाध्यक्ष सुनील शर्मा मुंशी का शनिवार को उनके आवास पर आकस्मिक निधन हो गया। सुनील शर्मा के निधन के बाद स्थानीय लोगों ने मौत को संदिग्ध माना, जिसके बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजन को सुपुर्द कर दिया गया। मंडल उपाध्यक्ष सुनील शर्मा के निधन की जानकारी क्षेत्र में होने पर दक्षिणी विधानसभा के विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरी सहित तमाम पार्टी पदाधिकारियों का उनके आवास पर पहुंचना हुआ। शव की अंतिम यात्रा में महानगर के पदाधिकारी भी पहुंचें। स्थानीय पार्षद इंद्रेश सिंह ने कहा कि भाजपा के काशी विश्वनाथ मंडल के मंडल उपाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा का यूं हम सभी के बीच से चले जाना विश्वास से परे है।

प्रदेश में 497 प्रधानाचार्यों की नियुक्ति का रास्ता साफ एडेड माध्यमिक स्कूलों में जल्द ग्रहण करेंगे कार्यभार

उप्र माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, प्रयागराज।

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के विज्ञापन संख्या 03/2013 के तहत चयनित 497 संस्था प्रधानों यानी प्रधानाचार्यों के लिए अब संबंधित सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण करने का रास्ता साफ हो गया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के 31 जुलाई 2026 के आदेश के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। डीआइओएस को चयनित प्रधानाचार्यों के पैनल का सत्यापन कराने के बाद नियमानुसार उन्हें आवंटित विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यह भर्ती वर्ष 2013 में माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड द्वारा जारी विज्ञापन के आधार पर हुई थी। भर्ती प्रक्रिया को लेकर मामला हाई कोर्ट पहुंच गया था। इससे पहले दिसंबर 2022 में निदेशालय ने चयनित प्रधानाचार्यों को आवंटित विद्यालयों में कार्यभार ग्रहण कराने पर रोक लगा दी थी। साथ ही यथास्थिति संबंधी आदेश से पहले कार्यभार ग्रहण कर चुके चयनित अभ्यर्थियों की जानकारी भी मांगी गई थी।

जौनपुर में स्क्रब टाइफस के चार नए मरीज मिले स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

एजेंसी, जौनपुर। यूपी के जनपद जौनपुर में स्क्रब टाइफस के चार नए मरीज मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से अब तक जिले में स्क्रब टाइफस के कुल छह मामलों की पुष्टि हुई है। पिछले एक महीने में चार नए मरीज सामने आए हैं। बारिश के बाद मच्छरजनित और अन्य संक्रामक बीमारियों के बढ़ने की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है। डेंगू समेत अन्य बीमारियों के खतरे के बीच स्क्रब टाइफस के मामले सामने आने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ी है। निजी अस्पतालों में भी बुखार और अन्य लक्षणों से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने की जानकारी सामने आई है। इस संबंध में शानिवार को चिकित्सक डॉ. एके सिंह ने बताया कि स्क्रब टाइफस एक जीवाणुजनित बीमारी है, जो ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक जीवाणु से होती है। यह बीमारी संक्रमित माइट के लार्वा के काटने से फैलती है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर काटने के कुछ दिनों बाद बुखार समेत अन्य लक्षण सामने आ सकते हैं। उन्होंने लोगों को बरसात के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी।

कानपुर विमान हादसा : इंजन के बाद अब पूरे मलबे की होगी जांच

एजेंसी, कानपुर

कानपुर में प्रशिक्षण विमान हादसे की जांच शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रही। नागरिक विमानन महानिदेशालय और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की टीमें हादसे की वजहों का पता लगाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचीं। जांच टीम विमान के मलबे की बारीकी से पड़ताल कर रही है। अधिकारियों की मौजूदगी में मलबे को सील कराने की प्रक्रिया भी की जाएगी, ताकि हादसे से जुड़े साक्ष्यों के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ न हो सके।

गुरुवार सुबह गर्ग एविएशन का चार सीट वाला प्रशिक्षण विमान गंगा बैराज से करीब तीन किलोमीटर आगे उन्नाव की ओर नत्थापुरवा में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। विमान में सवार प्रशिक्षक पायलट कैप्टन सचिन भाटिया और प्रशिक्षु पायलट अभिषेक पुजारी की हादसे में मौत हो गई थी। बताया गया कि उड़ान भरने के करीब 20 मिनट बाद विमान हवा में दो बार चक्कर लगाने के बाद नीचे गिर गया।

हादसे के दिन ही डीजीसीए की टीम मौके पर पहुंच गई थी। शुक्रवार को डीजीसीए दिल्ली और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की टीम ने जांच आगे बढ़ाई और विमान का इंजन निकालकर सील किया था। मलबे का एक हिस्सा भी सुरक्षित किया गया था। अब तीसरे दिन जांच टीम अन्य साक्ष्यों को जुटाने और हादसे के कारणों की कड़ियां जोड़ने में लगी है।

तैयारी 2027 से पहले सपा का कुनबा बढ़ा, अखिलेश ने पीडीए पर कसा तंज

अखिलेश बोले- पीडीए से क्यों घबराते हैं विरोधी

एजेंसी, लखनऊ

अखिलेश यादव के नेतृत्व में शनिवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कई दलों के नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनमें बसपा, भाजपा और एआईएमआईएम से जुड़े नेता शामिल रहे। पूर्व विधायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्यों के सपा में शामिल होने को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। अखिलेश यादव ने सभी नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उनके आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने पीडीए को लेकर विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि

बसपा-भाजपा के नेताओं ने थामा सपा का हाथ, अखिलेश ने किया स्वागत

हेमराज वर्मा की घर वापसी, रामशिरोमणि शुक्ला समेत कई नेता सपा में

संकीर्ण सोच रखने वाले लोग पीडीए से घबराए हुए हैं। उनका कहना था कि चुनाव को लेकर पीडीए जितना गंभीर है, उतना कोई और नहीं है।

इस दौरान प्रतापगढ़ के रानीगंज से वर्ष 2007 में बसपा के विधायक रहे रामशिरोमणि शुक्ला ने समाजवादी पार्टी का दामन थामा। इसके अलावा पीलीभीत के बरखेड़ा से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक और अखिलेश यादव सरकार में राज्यमंत्री रहे हेमराज वर्मा ने भी सपा में वापसी की। हेमराज वर्मा वर्ष 2012 में सपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बने थे। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। अब उन्होंने अपने समर्थकों के साथ दोबारा सपा में वापसी की है।

सपा में शामिल होने वालों में एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अब्दुल मन्नान भी शामिल रहे। श्रावस्ती निवासी अब्दुल मन्नान ने पहले ही सपा में शामिल होने की घोषणा कर दी थी। इनके अलावा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा मौर्य समेत कई पूर्व ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य भी सपा में शामिल हुए। सभी नेता अपने समर्थकों के साथ पार्टी कार्यालय पहुंचे थे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और राजेंद्र चौधरी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए को लेकर विपक्षी दलों में बेचैनी दिखाई दे रही है। उन्होंने सामाजिक भागीदारी और आगामी चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति पर भी जोर दिया। नेताओं के लगातार सपा में शामिल होने से पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर विस्तार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, सपा ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। नेताओं के दल बदलने का यह सिलसिला उत्तर प्रदेश की राजनीति में आने वाले दिनों में नए समीकरणों की संभावना को भी बढ़ा रहा है।

कानपुर में गंगा का जलस्तर घटा,बाढ़ के खतरे से मिली राहत

एजेंसी, कानपुर

कानपुर में गंगा के बढ़ते जलस्तर के बीच शनिवार को राहत की खबर सामने आई। शुक्लागंज में गंगा का जलस्तर अब घटने लगा है। शुक्रवार को जलस्तर 112.84 मीटर दर्ज किया गया था, जो शनिवार को घटकर 112.79 मीटर रह गया। शुक्लागंज में चेतावनी बिंदु 113 मीटर है। ऐसे में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 21 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया है। जलस्तर में गिरावट से प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

शुक्लागंज में 112.79 मीटर पर पहुंचा गंगा का जलस्तर

गंगा बैराज के सभी 30 गेट करीब दो महीने पहले ही खोल दिए गए थे। शुक्रवार को नरौरा बांध से 77,819 क्यूसेक और गंगा बैराज से शुक्लागंज की ओर 3,70,392 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। शनिवार को नरौरा बांध से पानी की आवक में भी कमी दर्ज की गई। इससे गंगा के जलस्तर में और गिरावट आने की उम्मीद है।

हालांकि प्रशासन ने एहतियातन बिठूर क्षेत्र के कई गांवों में निगरानी जारी रखी है। चैनपुरवा, भगवानदीनपुरवा, गिल्लीपुरवा, दुर्गापुरवा, शिवदीनपुरवा, प्रतापपुर हरी, डल्ला पुरवा, भारतपुरवा और ईश्वरीगंज में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मीरजापुर विश्वविद्यालय में अब होगी कानून की पढ़ाई

एजेंसी, मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले के उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय को विधि (लॉ) पाठ्यक्रम संचालित करने की अनुमति मिल गई है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने विश्वविद्यालय को विधि शिक्षा शुरू करने के लिए मान्यता प्रदान कर दी है। इससे मीरजापुर और सोनभद्र समेत आसपास के विद्यार्थियों के लिए कानून की पढ़ाई का रास्ता अब स्थानीय स्तर पर खुल गया है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव राम नारायण के अनुसार, बीसीआई की ओर से चार जुलाई 2026 को जारी पत्र के माध्यम से यह स्वीकृति प्रदान की गई है। विधि शिक्षा स्थायी समिति ने विश्वविद्यालय के निरीक्षण, उपलब्ध अभिलेखों और शैक्षणिक मानकों का परीक्षण करने के बाद मान्यता देने की संस्तुति की। बीसीआई की मंजूरी के बाद विश्वविद्यालय में विधि शिक्षा का नया अध्याय शुरू होगा। अब कानून की पढ़ाई करने के इच्छुक विद्यार्थियों को इसके लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

काले कपड़ों में कांग्रेस विधायकों के विरोध से हरियाणा विधानसभा में मचा जमकर हंगामा

विरोध के दौरान वेल में पहुंचे कांग्रेस विधायक, नारेबाजी से सदन की कार्यवाही बार-बार हुई बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन कांग्रेस विधायकों के विरोध प्रदर्शन के कारण सदन में माहौल गरम रहा। कांग्रेस विधायक काले कपड़े पहनकर और हाथों में तख्तियां लेकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने सदन के भीतर भी विरोध जारी रखा और नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण कई मौकों पर विधानसभा की कार्यवाही प्रभावित हुई। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधायकों को सदन की मर्यादा और नियमों का पालन करने की नसीहत दी।

विधानसभा के बाहर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी रही। पिछले सत्रों में सुरक्षा से जुड़े मामलों को देखते हुए इस बार सुरक्षाकर्मी अधिक सतर्क नजर आए। स्पीकर ने विधायकों की सुरक्षा के साथ-साथ सदन की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

वेल तक पहुंचे कांग्रेस विधायक : विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के कुछ विधायक स्पीकर की वेल तक पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों के साथ कथित धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। सदन में जब कोई विधायक अपनी बात रखने या नेता सदन बोलने का प्रयास करता, तो विरोध कर रहे विधायक नारेबाजी शुरू कर देते। इससे जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा का माहौल प्रभावित हुआ।

स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन विरोध का तरीका भी लोकतांत्रिक होना चाहिए। विधानसभा जनता की समस्याओं और प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का मंच है। इसलिए सभी विधायकों को सदन की गरिमा और संसदीय परंपराओं का ध्यान रखना चाहिए।

विपक्ष को सरकार घेरने का अधिकार : हरियाणा के संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने और अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। सरकार को घेरना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इसके लिए विधानसभा के नियमों और परंपराओं का पालन जरूरी है। उन्होंने कहा कि लगातार नारेबाजी और कार्यवाही बाधित करने से जनता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा प्रभावित होती है।

स्पीकर ने 31 अगस्त और एक सितंबर को होने वाली कार्यवाही के दौरान भी सभी विधायकों से सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की है। उनका कहना है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलना जरूरी है।

सिरसा में नशा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई में छह तस्कर हेरोइन समेत गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

सिरसा जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से कुल लाखों रुपये कीमत की हेरोइन बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुशील, सुखप्रीत सिंह, चंचल, मुकेश कुमार, गुरप्रीत सिंह और शमशेर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस टीम गांव अबूबशहर क्षेत्र में गश्त और जांच कर रही थी। इसी दौरान एक युवक पुलिस को देखकर वापस मुड़ने लगा। शक होने पर पुलिस ने उसे पकड़कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से छह ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान सुशील के रूप में हुई।

इसी तरह ओढां थाना क्षेत्र में पुलिस ने मोटरसाइकिल सवार सुखप्रीत सिंह को नौ ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। वहीं, सीआईए डबवाली पुलिस ने डबवाली शहर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए चंचल को सात ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा।

सीआईए डबवाली प्रभारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक मीना बाजार क्षेत्र में हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

सदर थाना डबवाली पुलिस ने गांव कालुआना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए मुकेश कुमार और गुरप्रीत सिंह को सात ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। इसके अलावा ओढां थाना पुलिस ने हेरोइन तस्करी के एक मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी कुलविंदर सिंह को भी गिरफ्तार किया है।

न्यूज ब्रीफ

हेल्थ स्कीम बंद कराने के नाम पर व्यापारी से साइबर ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। शहर के लाजपत नगर निवासी और मकराना मार्बल के संचालक नरेश साइबर ठगी का शिकार हो गए। ठगों ने हेल्थ स्कीम बंद कराने और 30 प्रतिशत मेडिकल छूट दिलाने का झांसा देकर उनके व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। लिंक खोलने पर उनके मोबाइल में एसबीआई क्रेडिट कार्ड नाम की फर्जी ऐप डाउनलोड हो गई। आरोपी के कहने पर नरेश ने ऐप में बैंकिंग संबंधी जानकारी भर दी। इसके बाद उनके क्रेडिट कार्ड से तीन अलग-अलग लेनदेन में कुल 1,89,474 रुपये कट गए। पीड़ित के अनुसार 23 अगस्त को उन्हें फोन कर बताया गया कि उनकी हेल्थ स्कीम के लिए 7,200 रुपये वार्षिक शुल्क कटेगा। उन्होंने स्कीम लेने से इनकार किया तो ठग ने इसे बंद कराने और नई योजना में 30 प्रतिशत मेडिकल छूट का लालच दिया। इसके बाद लिंक भेजकर फर्जी ऐप डाउनलोड करवाई गई। ठगी का पता चलते ही उन्होंने 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती अपहरण और लूट मामले में आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। आईएमटी चौक से ईको गाड़ी में युवती का अपहरण कर मारपीट करने और सोने का लॉकेट लूटने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-65 की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गांव खेड़ी कलां निवासी योगेश नरवत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 10 अगस्त की शाम गांव चंदावली के पास आईएमटी चौक क्षेत्र से आरोपी ने युवती को ईको गाड़ी में जबरन बैठाकर अपहरण किया था। इसके बाद उसके साथ मारपीट कर गले से सोने का लॉकेट लूट लिया और फरार हो गया। युवती की शिकायत पर थाना सदर बल्लभगढ़ में मामला दर्ज किया गया था। अपराध शाखा ने तकनीकी सहायता और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। अदालत के आदेश पर 24 अगस्त को उसकी शिनाख्त परेड कराई गई। पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल ईको गाड़ी, लूटा गया सोने का लॉकेट और चोट पहुंचाने के लिए इस्तेमाल बीयर की बोतल बरामद की गई।

पत्नी से अश्लील हरकत पर दोस्त की चाकू से हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। शहर में शुक्रवार रात शराब पीने के दौरान पत्नी से अश्लील हरकत करने को लेकर युवक ने अपने दोस्त की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान गोविंद के रूप में हुई है, जबकि आरोपी विक्रम वारदात के बाद फरार हो गया। जानकारी के अनुसार दोनों युवक नेपाल के कैलाली जिले के रहने वाले थे और रेवाड़ी में किराये के मकान में रहते थे। शुक्रवार रात विक्रम सेक्टर-18 में रहने वाले दोस्त गोविंद के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान गोविंद ने विक्रम की पत्नी को गलत तरीके से छू दिया। इसे लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर विक्रम ने चाकू से गोविंद पर कई वार कर दिए।

गुरुग्राम मेट्रो का पहला यू-गार्डर पिलर पर स्थापित

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम । गुरुग्राम मेट्रो विस्तार परियोजना ने निर्माण कार्य में महत्वपूर्ण चरण पार कर लिया है। शुक्रवार आधी रात साइबर पार्क के नजदीक पिलर नंबर 26/27 पर 160 टन वजनी पहला यू-गार्डर 400 और 600 टन क्षमता वाली हाइड्रोलिक क्रेनों की मदद से सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने विधिवत पूजन कर लिफ्टिंग प्रक्रिया का शुभारंभ किया। तकनीकी मानकों और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए यू-गार्डर को निर्धारित स्थान पर स्थापित किया गया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि पहले यू-गार्डर के स्थापित होने से परियोजना के निर्माण कार्य को नई गति मिली है। सरकार का उद्देश्य गुरुग्राम में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विकसित कर बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराना है।

क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का झांसा देकर किसान से ठगे दो लाख

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

गांव भोडियाखेड़ा निवासी किसान दिनेश कुमार साइबर ठगी का शिकार हो गए। ठग ने खुद को आईसीआईसीआई बैंक का कर्मचारी आसिफ मलिक बताते हुए क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का झांसा दिया और व्हाट्सएप के माध्यम से आईमोबाइल ऐप का लिंक भेज दिया। किसान ने जैसे ही लिंक पर क्लिक कर ऐप अपने मोबाइल में स्थापित की, उनके क्रेडिट कार्ड से दो अलग-अलग लेनदेन में कुल दो लाख रुपये निकाल लिए गए।

पुलिस को दी शिकायत में दिनेश कुमार ने बताया कि वह खेतीबाड़ी करते हैं। 26 अगस्त को उनके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम आसिफ मलिक बताया और कहा कि वह आईसीआईसीआई बैंक से बोल रहा है। उसने बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव आया है।

फर्जी ऐप डाउनलोड करवाकर ठगों ने किसान को लगाया चूना

यदि वह सीमा बढ़वाना चाहते हैं तो व्हाट्सएप पर भेजे गए आईमोबाइल ऐप के लिंक पर क्लिक कर उसे स्थापित कर लें।

दिनेश ने आरोपी के कहने पर लिंक खोलकर ऐप स्थापित कर ली। इसके कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर एक-एक लाख रुपये कटने के दो संदेश आए। इससे उन्हें अपने साथ हुई साइबर ठगी का पता चला। उन्होंने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

राजस्व पोर्टल की खामियों से अटके जमीन के काम

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी। रेवेन्यू हरियाणा पोर्टल पर तकनीकी खामियों के कारण जमीन से जुड़े काम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। इंतकाल, जमाबंदी और रजिस्ट्री के रिकार्ड में गलतियां सामने आने से जमीन मालिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं पोर्टल की खामियां दूर कराने की मांग को लेकर पटवारी और कानूनगो हड़ताल पर हैं। पटवारियों के अनुसार कई मामलों में इंतकाल दर्ज करने के बाद प्रिंट में जमीन का हिस्सा दिखाई नहीं देता। कहीं रकबा कम नजर आ रहा है तो कहीं नया मालिक का नाम गायब है। मई-जून में किए गए कुछ इंतकाल पोर्टल से गायब होने और मंजूर इंतकाल का प्रिंट खाली निकलने की शिकायत भी सामने आई है। तकनीकी समस्या का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक पेज का इंतकाल 170 पेज तक और दो पेज की जमाबंदी 50 पेज तक निकल रही है।

कुपवाड़ा में शहीद नायब सूबेदार भूपेंद्र सिंह को राजकीय सम्मान से दी अंतिम विदाई

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल

नारनौल जिले के गांव मोहनपुर निवासी शहीद नायब सूबेदार भूपेंद्र सिंह का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह उनके पैतृक गांव पहुंचा। वीर सपूत के पार्थिव शरीर के गांव पहुंचते ही अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण, पूर्व सैनिक, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। सभी ने नम आंखों से शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

करीब 40 वर्षीय नायब सूबेदार भूपेंद्र सिंह भारतीय सेना की दो राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे। उनकी ड्यूटी जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा सेक्टर में अग्रिम क्षेत्र में थी। ड्यूटी के दौरान हिम शौर्य अभियान में देश की रक्षा करते हुए उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। परिवार को उनकी शहादत की सूचना दो-तीन दिन पहले मिली थी। इसके बाद से गांव में शोक का माहौल बना हुआ था।

परिजनों के अनुसार भूपेंद्र सिंह करीब 23 वर्ष पहले भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उनके परिवार में भी सेना की सेवा की लंबी परंपरा रही है। उनके पिता सूबेदार रोहतास सिंह सेना से सेवानिवृत्त हैं। परिवार के तीनों भाई रोहतास सिंह, हवा सिंह और दलीप सिंह भी सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। भूपेंद्र सिंह परिवार के छोटे बेटे थे।

शहीद के परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी 19 वर्षीय है और बीटेक की पढ़ाई कर रही है, जबकि छोटी बेटी सात वर्ष की है और दूसरी कक्षा में पढ़ती है। शहादत की खबर के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अंतिम दर्शन के दौरान परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था।

शहीद के पार्थिव शरीर को अंतिम विदाई देने के लिए गांव में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों ने भारत माता की जय और शहीद भूपेंद्र सिंह अमर रहें के नारों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी। सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम सलामी दी। इसके बाद पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

ग्रामीणों ने कहा कि भूपेंद्र सिंह ने देश की रक्षा के लिए अपना जीवन न्योछावर कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

रसोई से महक गायब, प्याज-लहसुन और अदरक ने बढ़ाया जायके का खर्च; 200 रुपए तक पहुंचा भाव

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

रसोई में रोजाना इस्तेमाल होने वाले प्याज, लहसुन और अदरक के दामों में अचानक तेजी आने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बढ़ती कीमतों का असर घरेलू बजट के साथ-साथ होटल, ढाबों और स्ट्रीट फूड कारोबार पर भी पड़ रहा है।

करनाल सब्जी मंडी में प्याज का थोक भाव करीब 45 से 50 रुपये किलो है, जबकि खुदरा बाजार में यह करीब 60 रुपये किलो बिक रहा है। करीब 10-15 दिन पहले प्याज का खुदरा भाव 40 रुपये किलो के आसपास था। अदरक थोक में करीब 100 रुपये और खुदरा में 120 से 140 रुपये किलो तक पहुंच गया है। वहीं लहसुन का थोक भाव 160 से 200 रुपये तथा खुदरा भाव 200 से 240 रुपये किलो तक पहुंच गया है। थोक विक्रेता विवेक के अनुसार लहसुन के दाम में पिछले दिनों के मुकाबले स्पष्ट तेजी आई है।

घरेलू रसोई पर सीधा असर : प्याज और लहसुन अधिकांश सब्जियों, दालों और ग्रेवी का अहम हिस्सा हैं।

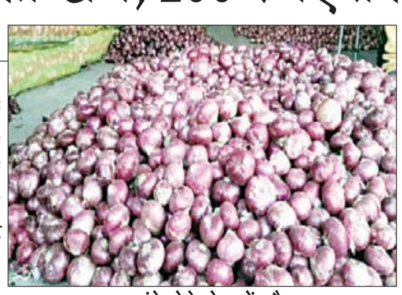

प्याज-अदरक महंगे होने से घरों और खानपान कारोबार पर बढ़ा बोझ।

इनके महंगे होने से गृहणियों को खरीदारी में मात्रा कम करनी पड़ रही है। पहले जहां लोग अधिक मात्रा में प्याज और लहसुन खरीद लेते थे, अब जरूरत के अनुसार ही खरीदारी की जा रही है। गृहणी संतोष ने बताया कि रोजमर्रा की दूसरी वस्तुओं के बढ़ते दामों के बीच प्याज और लहसुन महंगा होने से महीने का बजट संभालना मुश्किल हो रहा है। कनिका चोपड़ा ने कहा कि स्वाद से समझौता करना आसान नहीं है, इसलिए मात्रा कम करके काम चलाना पड़ रहा है।

होटल-ढाबों की लागत भी बढ़ी : प्याज, लहसुन और अदरक की खपत होटल, रेस्तरां और ढाबों में भी बड़े स्तर पर होती है। ग्रेवी, छोले, चाप, नूडल्स और अन्य व्यंजनों में इनका इस्तेमाल रोजाना होता है। दाम बढ़ने से कारोबारियों की लागत बढ़ गई है। रेस्तरां संचालक बिल्लु के अनुसार बढ़ी लागत को खुद वहन करना पड़ रहा है, क्योंकि ग्राहकों पर तुरंत कीमत बढ़ाने का असर पड़ सकता है।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं पर भी दबाव : बर्गर, चाट, मोमोज, छोले-कुलचे और नूडल्स जैसे खाद्य पदार्थों में प्याज की खपत अधिक होती है। कीमत बढ़ने के कारण कुछ दुकानदार इसकी मात्रा कम कर रहे हैं। कुछ ग्राहकों को पहले की तुलना में कम प्याज दिया जा रहा है। कारोबारियों का कहना है कि यदि दामों में तेजी आगे भी जारी रही तो खाने की कीमतें बढ़ाने की मजबूरी आ सकती है। प्याज, लहसुन और अदरक की तेजी ने फिलहाल घरेलू रसोई से लेकर खानपान कारोबार तक सभी की लागत बढ़ा दी है।

यमुना में नहाने गए दो सगे भाई तेज बहाव में डूबे, तलाश अभियान जारी

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

सोनीपत जिले के गन्नौर क्षेत्र के गांव सनपेड़ा में शनिवार सुबह यमुना नदी में नहाने गए दो सगे भाई तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गए। दोनों की पहचान 15 वर्षीय सत्यम और 17 वर्षीय शिवम के रूप में हुई है। घटना के बाद प्रशासन और संबंधित बचाव दलों ने नदी में दोनों किशोरों की तलाश शुरू कर दी। फिलहाल उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। तेज बहाव के कारण तलाश अभियान में बचाव टीमों को काफी सावधानी बरतनी पड़ रही है।

जानकारी के अनुसार सत्यम और शिवम शनिवार सुबह गांव के पास स्थित यमुना घाट पर नहाने के लिए गए थे। उनके साथ गांव का एक अन्य किशोर प्रिंस भी मौजूद था। तीनों यमुना में नहा रहे थे। इसी दौरान अचानक नदी का बहाव तेज हो गया। सत्यम और शिवम पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर गहरे पानी की तरफ चले गए। देखते ही देखते दोनों भाई पानी में डूब गए। प्रिंस ने घटना की जानकारी आसपास मौजूद लोगों और ग्रामीणों को दी।

सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों को घटना से अवगत कराया गया। इसके बाद संबंधित टीमें मौके पर पहुंचीं और यमुना नदी में दोनों

किशोरों की तलाश शुरू की गई। नदी के आसपास के हिस्सों और संभावित स्थानों पर भी खोजबीन की जा रही है। तेज बहाव को देखते हुए बचाव अभियान के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

दोनों भाइयों के डूबने की खबर गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण यमुना घाट पर पहुंच गए। घटना से परिवार में मातम का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे दोनों किशोरों के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। ग्रामीण भी प्रशासनिक टीम के साथ तलाश अभियान में जुटे हुए हैं और लगातार घटनास्थल की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

अधिकारियों के अनुसार फिलहाल दोनों किशोरों का पता नहीं चल पाया है। नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण तलाशी अभियान चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। प्रशासन की ओर से दोनों भाइयों को खोजने के प्रयास लगातार जारी हैं।

आयुष्मान भुगतान को लेकर आईएमए सख्त, 15 सितंबर से सेवाएं होंगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान योजना के तहत अस्पतालों का लंबे समय से भुगतान नहीं किए जाने के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) से जुड़े चिकित्सकों ने आंदोलन का निर्णय लिया है। शनिवार को सिरसा में हुई आईएमए की बैठक में फैसला लिया गया कि मांगें पूरी नहीं होने पर 15 सितंबर से पूरे हरियाणा में आयुष्मान योजना के तहत सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी जाएंगी।

आईएमए सिरसा के जिला प्रधान डा. सौरव वालिया ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत अस्पतालों की बड़ी राशि सरकार के पास लंबे समय से लंबित है। भुगतान को लेकर सरकार की ओर से कई बार लिखित आश्वासन दिए गए, लेकिन इसके बावजूद अस्पतालों को राशि जारी नहीं की जा रही है। भुगतान में देरी के कारण आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पताल आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि अस्पताल संचालकों को कर्मचारियों, चिकित्सकों, चिकित्सा सामग्री,

बकाया भुगतान न मिलने से निजी अस्पतालों में बढ़ा आर्थिक संकट

बेहोशी विशेषज्ञों और बच्चों के चिकित्सकों सहित अन्य जरूरी सेवाओं का खर्च अपनी जेब से उठाना पड़ रहा है। बिजली सहित अस्पताल संचालन से जुड़े अन्य खर्च भी लगातार बढ़ रहे हैं। इसके बावजूद आयुष्मान योजना के तहत अस्पताल करीब चार वर्ष पुराने दरों पर सेवाएं दे रहे हैं। मौजूदा खर्चों की तुलना में इन दरों पर काम करना अस्पतालों के लिए मुश्किल हो गया है।

आईएमए पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को भुगतान लंबित रहने और पुराने दरों को संशोधित करने सहित चिकित्सकों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए प्रदेशभर में एक सितंबर को सांकेतिक हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान आयुष्मान योजना के तहत किसी भी प्रकार का काम नहीं किया जाएगा।

चिकित्सकों ने चेतावनी दी कि यदि एक सितंबर की सांकेतिक हड़ताल के बाद भी सरकार ने समस्याओं का समाधान नहीं किया तो 15 सितंबर से आयुष्मान सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी जाएंगी। आईएमए हरियाणा ने आयुष्मान कार्डधारकों को होने वाली संभावित परेशानी के लिए खेद जताते हुए सरकार से जल्द समाधान की मांग की है।

हरियाणा रोडवेज के वैध पास के साथ ई-बसों में मुफ्त सफर कर सकेंगे विद्यार्थी

प्रदेश के 11 जिलों में 145 वातानुकूलित ई-बसें विद्यार्थियों को दे रही आरामदायक सफर

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

हरियाणा रोडवेज के विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। अब वैध हरियाणा रोडवेज छात्र बस पास धारक विद्यार्थी हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड की वातानुकूलित ई-बसों में भी निश्शुल्क यात्रा कर सकेंगे। इससे पहले विद्यार्थियों को इन ई-बसों में यात्रा करने के लिए अलग से किराया देना पड़ता था। नए आदेश से खासकर गर्मी के मौसम में विद्यार्थियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

हरियाणा सिटी बस सर्विस लिमिटेड मुख्यालय की ओर से 26 अगस्त 2026 को प्रदेश के संबंधित जिलों के महाप्रबंधकों को इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि 28 मई 2026 को पानीपत में मुख्यमंत्री की घोषणा और निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत जिन विद्यार्थियों के पास वैध हरियाणा रोडवेज छात्र बस पास हैं, उन्हें एसी ई-बसों में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी।

11 जिलों में लागू होगी सुविधा : यह सुविधा प्रदेश के 11 जिलों में संचालित ई-बसों में लागू की गई है। इनमें पानीपत, यमुनानगर, अंबाला, सोनीपत, हिसार, रेवाड़ी, करनाल, पंचकूला,

रोहतक, कुरुक्षेत्र सहित अन्य संबंधित जिले शामिल हैं। इन शहरों में फिलहाल करीब 145 ई-बसें संचालित हो रही हैं। सभी ई-बसें वातानुकूलित हैं और शहर के स्थानीय मार्गों पर विभिन्न स्टॉप पर रुकती हुई चलती हैं।

अब स्कूल, कॉलेज, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पॉलिटेक्निक और अन्य मान्य शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थी, जिनके पास वैध रोडवेज छात्र बस पास है, इन ई-बसों में बिना किराया दिए यात्रा कर सकेंगे।

पानीपत में सबसे ज्यादा 45 ई-बसें : प्रदेश में सबसे ज्यादा ई-बसें पानीपत में संचालित हो रही हैं। यहां कुल 45 ई-बसें चल रही हैं। इसके अलावा कुरुक्षेत्र और यमुनानगर में 20-20, अंबाला में 25, सोनीपत में 10 तथा करनाल, रोहतक, रेवाड़ी, हिसार और पंचकूला में पांच-पांच ई-बसें संचालित हैं।

ई-बसों में यात्रा के लिए अब तक विद्यार्थियों को सामान्य बस पास का लाभ नहीं मिलता था। ऐसे में उन्हें इन वातानुकूलित बसों में सफर करने के लिए टिकट लेना पड़ता था। नए आदेश के बाद विद्यार्थियों को अतिरिक्त किराया नहीं देना होगा।

करनाल में पांच ई-बसें : करनाल में रोडवेज के डिपो से करीब 140 सामान्य बसें संचालित हो रही हैं। इसके अलावा शहर के स्थानीय मार्गों पर पांच वातानुकूलित ई-बसें भी चल रही हैं। नए आदेश से करनाल के छात्र-छात्राओं को भी इन बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।

अधिकारियों के अनुसार ई-बसों में किराया सामान्य बसों की तुलना में अधिक होने के कारण पहले विद्यार्थी इनका नियमित रूप से उपयोग नहीं कर पाते थे। अब छात्र बस पास मान्य होने से विद्यार्थी बिना अतिरिक्त खर्च के इन बसों में यात्रा कर सकेंगे।

गर्मी से मिलेगी राहत : रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि ई-बसों में वातानुकूलन की सुविधा होने के कारण विद्यार्थियों को गर्मी में आरामदायक सफर मिलेगा। खासकर दूर-दराज के क्षेत्रों से स्कूल और कॉलेज आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा उपयोगी साबित होगी।

अधिकारियों के मुताबिक ई-बसों की संख्या आने वाले समय में और बढ़ाई जाएगी। जैसे-जैसे नए शहरों में ई-बस सेवा का विस्तार होगा, वहां भी निर्धारित नियमों के तहत विद्यार्थियों को छात्र बस पास की सुविधा का लाभ मिलने की संभावना है। नए फैसले से विद्यार्थियों के यात्रा खर्च में कमी आएगी और उन्हें सार्वजनिक परिवहन के बेहतर विकल्प का लाभ मिलेगा।

सिख समुदाय ने दीपेंद्र हुड्डा के बयान पर जताया आक्रोश, शहर में फूंका पुतला

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा द्वारा 1984 के सिख विरोधी हिंसा मामले में आरोपी रहे पूर्व सांसद सज्जन कुमार को अपना आदर्श बताए जाने के कथित बयान को लेकर सिख समुदाय में रोष है। शनिवार को सिरसा में सिख समाज के लोगों ने एकत्रित होकर सांसद दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नारेबाजी कर अपने आक्रोश का इजहार किया।

प्रदर्शन से पहले सिख समुदाय के लोग सिरसा के जनता भवन में एकत्रित हुए। यहां आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने 1984 में कांग्रेस शासन के दौरान सिख समुदाय के साथ हुई हिंसा और अत्याचारों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के लिए 1984 की घटनाएं बेहद पीड़ादायक रही हैं और इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ी थी।

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर सिख विरोधी हिंसा में गंभीर आरोप लगे, उन्हें किसी नेता द्वारा अपना आदर्श बताना सिख समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने कहा कि सिख समाज ने देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता के लिए हमेशा महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे में समुदाय के इतिहास और भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस पर भी 1984 की घटनाओं को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने दरबार साहिब में सैन्य कार्रवाई और उस दौर में हुई हिंसा का उल्लेख करते हुए इसे बेहद दुखद बताया। वक्ताओं ने कहा कि उस समय अनेक निर्दोष लोगों की जान गई थी और सिख समुदाय आज भी उन घटनाओं को नहीं भूला है।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कांग्रेस और भाजपा दोनों के खिलाफ भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को धार्मिक समुदायों की भावनाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर बयान देते समय जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। सिख समाज के लोगों ने सांसद दीपेंद्र हुड्डा के कथित बयान की आलोचना करते हुए उनसे अपनी स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली में सीएनजी महंगी, वाहन चालकों को बड़ा झटका

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में सीएनजी की कीमत में 3.89 प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद राजधानी में सीएनजी की नई कीमत 86.98 प्रति किलो हो गई है। अचानक हुई इस बढ़ोतरी से दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी वाहनों से सफर करने वाले लोगों और वाहन चालकों की चिंता बढ़ गई है। दिल्ली में सीएनजी के दाम बढ़ने का असर पड़ोसी शहर बहादुरगढ़ के वाहन चालकों पर भी पड़ने की संभावना है। बड़ी संख्या में लोग रोजाना दिल्ली और बहादुरगढ़ के बीच आवागमन करते हैं। ऐसे में ईंधन की कीमत बढ़ने से उनके दैनिक यात्रा खर्च पर असर पड़ सकता है। हालांकि, दिल्ली में बढ़ी कीमत के बावजूद यहां सीएनजी अभी भी बहादुरगढ़ की तुलना में सस्ती है। इसके बावजूद लगातार बढ़ते सीएनजी दाम वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। विशेष रूप से ऑटो, टैक्सी और अन्य व्यावसायिक वाहनों के संचालकों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। वाहन चालकों का कहना है कि ईंधन की कीमत बढ़ने से रोजाना के खर्च में इजाफा होगा। इसका असर आगे चलकर किराये और परिवहन लागत पर भी पड़ सकता है। वहीं, निजी वाहन इस्तेमाल करने वाले लोगों का बजट भी प्रभावित होने की आशंका है। दिल्ली में सीएनजी की कीमत में हुई यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है, जब बड़ी संख्या में लोग रोजाना अपने वाहनों से लंबी दूरी तय करते हैं। इसलिए बढ़े हुए दामों को लेकर एनसीआर के वाहन चालकों में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है।

बिजली चोरी के खेल से मचा हड़कंप विभाग ने शुरू की कार्रवाई

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा के छिजारसी डूब क्षेत्र में बिजली चोरी के बड़े सिंडिकेट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, इस इलाके में करीब 20 हजार घरों में अवैध तरीके से बिजली पहुंचाने और हर महीने करीब 1.5 से 1.8 करोड़ रुपये की वसूली किए जाने का आरोप है। मामला सामने आने के बाद बिजली विभाग और प्रशासन में हलचल तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि डूब क्षेत्र में अवैध बिजली कनेक्शन और केबलों के जरिए बड़ी संख्या में घरों तक बिजली पहुंचाई जा रही थी। इसके बदले लोगों से नियमित रूप से रकम वसूली जाती थी। इस पूरे नेटवर्क के कारण विद्युत निगम को भी राजस्व का नुकसान होने की आशंका है। मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फटकार के बाद विद्युत निगम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग की टीम ने क्षेत्र में पहुंचकर अवैध रूप से बिछाई गई केबलों को हटाने का अभियान शुरू किया है। अधिकारियों का कहना है कि बिजली चोरी और अवैध कनेक्शन के नेटवर्क की जांच की जा रही है। कार्रवाई के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में मेरठ में जल सत्याग्रह

एजेंसी, नई दिल्ली। मेरठ में भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी संगठन के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी के नए नियमों के विरोध में अनूठे तरीके से प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता गंगनहर के पानी में उतर गए और जल सत्याग्रह के माध्यम से अपनी मांगों को उठाया। इस दौरान उन्होंने नए नियमों को लेकर अपना विरोध जताया और सरकार से इन पर पुनर्विचार करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अवसर योग्यता के आधार पर दिए जाने चाहिए। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था को समाप्त कर योग्यता आधारित अवसर उपलब्ध कराने की मांग उठाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में योग्य उम्मीदवारों के साथ समान अवसर का सिद्धांत प्रभावित हो रहा है। गंगनहर में उतरकर प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं ने सरकार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी भी की। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाता, तब तक वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे। जल सत्याग्रह के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जुट गई। प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से स्थिति पर नजर रखी गई। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने यूजीसी के नए नियमों को लेकर व्यापक चर्चा और उचित समाधान की मांग की है। प्रदर्शन के बाद संगठन ने आगे भी आंदोलन जारी रखने के संकेत दिए।

आईआईटी दिल्ली में बनेंगे 12 मंजिल के तीन नए हॉस्टल, 4300 छात्रों को मिलेगी बड़ी राहत

छात्रों की बढ़ती संख्या के बीच आईआईटी दिल्ली में तीन नए हॉस्टल

एजेंसी, नई दिल्ली

आईआईटी दिल्ली में छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए संस्थान ने छात्रावास सुविधा का विस्तार करने की योजना बनाई है। इसके तहत मुख्य हौज खास परिसर के पास आरके पुरम में तीन नए हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। इन हॉस्टलों के तैयार होने के बाद करीब 4300 छात्रों को रहने की सुविधा मिल सकेगी। इससे संस्थान के छात्रों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रस्तावित तीनों हॉस्टल 12 मंजिल के होंगे। इनमें दो हॉस्टल छात्रों के लिए और एक हॉस्टल छात्राओं के लिए निर्धारित किया गया है। छात्राओं के लिए अलग हॉस्टल बनाए जाने से उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ने के कारण हॉस्टल की मांग भी बढ़ रही है। आईआईटी दिल्ली में बड़ी संख्या में ऐसे विद्यार्थी हैं, जिन्हें परिसर के भीतर आवास उपलब्ध नहीं होने के कारण आसपास के क्षेत्रों में निजी पीजी या किराये के कमरों में रहना पड़ता है। नए हॉस्टलों के निर्माण से ऐसे छात्रों को परिसर के नजदीक रहने का विकल्प मिलेगा। इससे निजी पीजी पर उनकी निर्भरता कम होने की संभावना है। नए हॉस्टल आरके पुरम में मुख्य हौज खास कैंपस के नजदीक बनाए जा रहे हैं।

स्थान का चयन छात्रों की सुविधा और संस्थान से बेहतर संपर्क को ध्यान में रखते हुए किया गया है। हॉस्टल परिसर में विद्यार्थियों की रोजमर्रा की जरूरतों

को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। आईआईटी दिल्ली में देश के अलग-अलग राज्यों और शहरों से विद्यार्थी पढ़ाई के लिए आते हैं।

ऐसे में संस्थान के लिए पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण आवास की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। छात्रों की बढ़ती संख्या के साथ मौजूदा हॉस्टलों पर दबाव भी बढ़ रहा है। नए भवन बनने से इस दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। तीनों नए हॉस्टलों में कुल मिलाकर लगभग 4300 छात्रों के रहने की व्यवस्था होगी। इससे न केवल विद्यार्थियों को आवास की सुविधा मिलेगी, बल्कि उन्हें रोजाना कैंपस आने-जाने में लगने वाले समय और खर्च में भी कमी आ सकती है।

ग्रेटर नोएडा: ऐमनाबाद के चार किसानों के लिए खुशखबरी, 6 प्रतिशत आबादी भूखंड का रास्ता साफ

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के ग्राम ऐमनाबाद के किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र के चार किसानों को 6 प्रतिशत आबादी भूखंड देने के लिए पात्र माना है। लंबे समय से आबादी प्लाट की मांग कर रहे इन किसानों के लिए प्राधिकरण का यह फैसला बड़ी राहत लेकर आया है। प्राधिकरण की ओर से पात्रता तय किए जाने के बाद अब संबंधित किसानों को आबादी भूखंड मिलने का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है।

इस फैसले से किसानों में खुशी का माहौल है। वहीं, लंबे समय से अपनी मांग पूरी होने का इंतजार कर रहे अन्य किसानों को भी उम्मीद जगी है कि भविष्य में उनकी मांगों पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, प्राधिकरण ने चार किसानों को 6 प्रतिशत आबादी भूखंड के लिए पात्र मानने के बाद संबंधित प्रक्रिया आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। प्राधिकरण ने संबंधित पक्षों से 15 दिन के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज कराने को कहा है।

आपत्ति की अवधि पूरी होने के बाद प्राप्त शिकायतों और दावों की जांच की जाएगी। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस प्रक्रिया के पूरा होने पर पात्र किसानों को आबादी भूखंड आवंटित किए जाने की उम्मीद है। प्राधिकरण के फैसले से ऐमनाबाद के पात्र किसानों को अपने लंबे समय से लंबित आबादी भूखंड मिलने की उम्मीद मजबूत हुई है। 15 दिन की आपत्ति अवधि पूरी होने के बाद दस्तावेजों और आपत्तियों की जांच की जाएगी। इसके बाद नियमानुसार भूखंड आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड पर दर्दनाक हादसा, दो भाइयों ने गंवाई जान

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद में फरीदाबाद-गुरुग्राम मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार की टक्कर से दो सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मृतक दोनों भाई अपनी बहनों के साथ सड़क किनारे बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान गुरुग्राम की ओर से तेज गति से आ रही फॉर्च्यूनर कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों भाई गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

मृतकों की पहचान अवधेश और अखिलेश के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई थे। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया है।

परिजनों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे मौके पर पहुंचे। दोनों भाइयों की अचानक हुई मौत से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार गुरुग्राम की तरफ से आ रही थी और टक्कर के बाद मौके पर कुछ देर के लिए स्थिति बेहद गंभीर हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

नूंह में मुख्यमंत्री के दौरे से पहले कांग्रेस नेता नजरबंद

एजेंसी, नई दिल्ली

नूंह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरे से पहले जिला यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मुबीन तेडिया को हाउस अरेस्ट किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उन्हें मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान काले झंडे दिखाए जाने की आशंका के चलते घर से बाहर निकलने से रोक दिया। मुबीन तेडिया के हाउस अरेस्ट की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखने को मिली। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि सरकार और पुलिस प्रशासन विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध जताना लोकतांत्रिक अधिकार है। वहीं, पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एहतियाती कदम उठाए जाने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की।

दिल्ली लौटने वालों की राह आसान, रेलवे चलाएगा विशेष ट्रेनें

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के बाद दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में लौटने वाले यात्रियों को रेलवे ने बड़ी राहत देने की तैयारी की है। त्योहार के बाद यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया है। ये विशेष ट्रेनें प्रयागराज-शकूरबस्ती और रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों के बीच चलाई जाएंगी। रक्षाबंधन के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपने भाई-बहनों से मिलने के लिए दूसरे शहरों में जाते हैं। त्योहार समाप्त होने के बाद एक साथ बड़ी संख्या में यात्रियों की वापसी शुरू हो जाती है।

इसके चलते लंबी दूरी की नियमित ट्रेनों में भीड़ बढ़ जाती है और यात्रियों को सीट मिलने से लेकर यात्रा के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। रेलवे ने इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त ट्रेनों की

रक्षाबंधन बाद दिल्ली लौटने वालों को राहत

व्यवस्था की है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयागराज से दिल्ली के शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन तक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी। इससे प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों से दिल्ली लौटने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

इसी तरह रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से हजरत निजामुद्दीन के बीच भी विशेष ट्रेन संचालित की जाएगी। इससे मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों से दिल्ली आने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। दोनों रक्षाबंधन विशेष ट्रेनों में यात्रियों की जरूरत के अनुसार अलग-अलग श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे। इनमें वातानुकूलित, शयनयान और सामान्य श्रेणी के कोच शामिल होंगे। इससे यात्रियों को अपनी सुविधा और बजट के अनुसार सफर करने का विकल्प मिलेगा। रेलवे का उद्देश्य त्योहार के बाद बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करना और यात्रियों को सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है।

गौर यमुना सिटी में महिला और मेंटेनेंस टीम के बीच विवाद, दोनों पक्षों ने दर्ज कराया केस

एजेंसी, नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-18 स्थित गौर यमुना सिटी सोसायटी में 24 अगस्त को महिला और रखरखाव टीम के बीच हुए विवाद ने अब कानूनी रूप ले लिया है। घटना को लेकर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने दोनों शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने रखरखाव टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

शिकायत के अनुसार, विवाद के दौरान उसके साथ कथित तौर पर अभद्रता की गई। महिला का आरोप है कि उसके कपड़े फाड़े गए और बाल पकड़कर उसे कार में खींचने का प्रयास किया गया। महिला ने घटना के दौरान अपने साथ दुर्व्यवहार और मारपीट किए जाने की बात भी शिकायत में कही है। वहीं, दूसरी ओर रखरखाव टीम की तरफ से भी महिला के खिलाफ

शिकायत दी गई है। टीम ने अपने पक्ष में विवाद से संबंधित आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर को आधार बनाकर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मामला सोसायटी परिसर में महिला और रखरखाव टीम के बीच हुए विवाद से जुड़ा है। दोनों पक्षों के आरोपों की जांच की जा रही है।

पुलिस घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ ही उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि विवाद के वास्तविक कारण और घटनाक्रम की पुष्टि जांच पूरी घटना के बाद गौर यमुना सिटी सोसायटी में विवाद को लेकर चर्चा तेज है। दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस अब मामले की सच्चाई सामने लाने में जुटी है। जांच के दौरान पुलिस सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच कर सकती है। अधिकारियों के अनुसार, किसी भी पक्ष के आरोपों को जांच पूरी होने से पहले सही नहीं माना जा सकता। तथ्यों के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल बाढ़: लापता लोगों की जानकारी जुटा रहा गुरुग्राम प्रशासन

एजेंसी, नई दिल्ली

नेपाल में अचानक आई बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बाद गुरुग्राम जिला प्रशासन ने जिले में रहने वाले ऐसे लोगों की जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो नेपाल में बाढ़ की घटना के बाद लापता हैं या जिनसे उनके परिजनों का संपर्क नहीं हो पा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, ताकि प्रभावित लोगों से संबंधित सूचनाएं जल्द एकत्र की जा सकें।

जिला प्रशासन ने गुरुग्राम के नागरिकों से अपील की है कि यदि उनका कोई परिचित, रिश्तेदार या परिवार का सदस्य नेपाल में बाढ़ के बाद लापता है और उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है, तो उसकी जानकारी तत्काल प्रशासन के साथ साझा करें। प्रशासन का उद्देश्य ऐसी सूचनाओं को एकत्र कर संबंधित एजेंसियों तक पहुंचाना है, जिससे लापता लोगों की तलाश में तेजी लाई जा सके। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के कारण कई क्षेत्रों में स्थिति प्रभावित हुई है। ऐसे में वहां मौजूद लोगों के परिजनों को अपने करीबियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। गुरुग्राम प्रशासन ने इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए जानकारी एकत्र करने और जरूरतमंद परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए यह पहल की है। प्रशासन द्वारा जुटाई गई जानकारी को संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा। इसके माध्यम से लापता लोगों का पता लगाने, उनकी स्थिति की जानकारी हासिल करने और जरूरत पड़ने पर उनके परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि हेल्पलाइन पर सूचना देते समय लापता व्यक्ति का नाम, नेपाल में संभावित स्थान, मोबाइल नंबर और अन्य उपलब्ध जानकारी जरूर साझा करें।

विद्यार्थियों की जन्मतिथि को लेकर यूपी बोर्ड ने जारी किए नए निर्देश

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने विद्यार्थियों की जन्मतिथि दर्ज करने को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। अब विद्यालयों में प्रथम प्रवेश के समय जन्म प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं होने पर निर्धारित वैकल्पिक अभिलेखों के आधार पर विद्यार्थी की जन्मतिथि दर्ज की जा सकेगी। बोर्ड ने विद्यालयों को इस प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए हैं। यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने कहा है कि विद्यार्थियों की जन्मतिथि दर्ज करते समय विद्यालयों को उस अभिलेख का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए, जिसके आधार पर प्रवेश के समय जन्मतिथि निर्धारित की गई है।

कई मामलों में प्रधानाध्यापकों द्वारा जन्मतिथि तो दर्ज कर दी जाती है, लेकिन उसके आधार का उल्लेख नहीं किया जाता। इससे बाद में संबंधित अभिलेखों की

यूपी बोर्ड में जन्मतिथि के नियम बदले, पांच अभिलेख मान्य

प्रामाणिकता को लेकर संदेह पैदा होता है और जन्मतिथि संशोधन से जुड़े मामले सामने आते हैं। बोर्ड के निर्देश के अनुसार, यदि प्रवेश के समय जन्म प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है तो अस्पताल या एएनएम के पंजीयन अभिलेख को जन्मतिथि के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

इसके अलावा आंगनबाड़ी अभिलेख, जन्म-मृत्यु संबंधी ग्राम पंजीयन तथा माता-पिता या अभिभावक की ओर से शपथपत्र के माध्यम से की गई घोषणा को भी मान्य आधार माना जा सकता है। इन अभिलेखों के आधार पर जन्मतिथि दर्ज करते समय विद्यालय को संबंधित दस्तावेज का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना होगा। हाईस्कूल प्रमाणपत्र-सह-अंकपत्र में जन्मतिथि का विशेष महत्व होता है। इसमें दर्ज जन्मतिथि आगे की पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य सरकारी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल होती है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती का असर, दिल्ली के फुटपाथों को दुरुस्त करेगा लोक निर्माण विभाग

2800 किमी फुटपाथों की बदलेगी तस्वीर, दिल्ली में पैदल यात्रियों को मिलेगा सुरक्षित रास्ता

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के बदहाल फुटपाथों को लेकर लगातार उठ रहे सवालों और सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बाद लोक निर्माण विभाग ने फुटपाथों की मरम्मत और रखरखाव व्यवस्था में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। राजधानी में पैदल यात्रियों के लिए बेहतर और सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभाग अपनी टेंडर प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करेगा। दिल्ली में पीडब्ल्यूडी के अधिकार क्षेत्र में करीब 2800 किलोमीटर लंबे फुटपाथ हैं। इनमें कई जगहों पर टूटे हुए फुटपाथ, उखड़ी टाइलें, असमान सतह, अतिक्रमण और रखरखाव की कमी के कारण पैदल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई इलाकों में लोगों को फुटपाथ छोड़कर सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी में पैदल यात्रियों की सुविधाओं और फुटपाथों की स्थिति को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अदालत की टिप्पणियों के बाद पीडब्ल्यूडी ने मौजूदा व्यवस्था की समीक्षा शुरू

फुटपाथों की बदहाली दूर करेगा लोक निर्माण विभाग

की है। विभाग का मानना है कि केवल फुटपाथ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके नियमित रखरखाव की भी प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। नई व्यवस्था के तहत टेंडर प्रक्रिया में ऐसे प्रावधान शामिल किए जाएंगे, जिससे फुटपाथों की मरम्मत के साथ-साथ उनके नियमित रखरखाव पर भी ध्यान दिया जा सके। विभाग की कोशिश होगी कि ठेकेदारों की जिम्मेदारी केवल निर्माण कार्य पूरा करने तक सीमित न रहे, बल्कि फुटपाथ की स्थिति बनाए रखने की जवाबदेही भी तय हो। पीडब्ल्यूडी के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में फैले फुटपाथों का नियमित निरीक्षण और समय पर मरम्मत कराना है।

नई टेंडर व्यवस्था में इस पहलू को अधिक महत्व दिए जाने की संभावना है। इससे खराब फुटपाथों की पहचान कर उन्हें जल्द दुरुस्त करने में मदद मिल सकती है। फुटपाथों को बेहतर बनाने से दिल्ली में पैदल चलने वाले लोगों को सुरक्षित और सुगम रास्ता मिलेगा। खासतौर पर बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांग लोगों के लिए बेहतर फुटपाथ महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, अच्छी पैदल यात्री व्यवस्था से सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिल सकती है। पीडब्ल्यूडी की इस पहल का उद्देश्य राजधानी के 2800 किलोमीटर फुटपाथों को व्यवस्थित, सुरक्षित और उपयोगी बनाना है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद टेंडर सिस्टम में प्रस्तावित बदलाव से उम्मीद है कि फुटपाथों के निर्माण के साथ उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी अधिक प्रभावी तरीके से तय होगी। इससे दिल्ली के पैदल यात्रियों को लंबे समय में राहत मिलने की उम्मीद है। फुटपाथों के बेहतर रखरखाव से दिल्ली में पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ेगी। पीडब्ल्यूडी की नई टेंडर व्यवस्था में नियमित निरीक्षण, समय पर मरम्मत और रखरखाव की जिम्मेदारी तय करने पर जोर रहेगा। इससे टूटे, क्षतिग्रस्त और लंबे समय से बदहाल फुटपाथों को जल्द ठीक करने में मदद मिलेगी।

अधिकारियों का मानना है कि पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ते उपलब्ध होने से उन्हें सड़क पर चलने की मजबूरी कम होगी। इससे वाहनों और पैदल यात्रियों के बीच दुर्घटनाओं का जोखिम भी घट सकता है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद फुटपाथों की गुणवत्ता और रखरखाव पर निगरानी बढ़ने की उम्मीद है।

गाजियाबाद में पेयजल संकट दूर करने की तैयारी, 10 नए डीपवेल नलकूप लगेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद के लाखों लोगों को गर्मी के दिनों में होने वाले पेयजल संकट से राहत देने के लिए नगर निगम ने बड़ी योजना तैयार की है। जिन इलाकों में गर्मियों के दौरान पानी की मांग बढ़ने और जलापूर्ति प्रभावित होने से लोगों को परेशानी होती है, वहां नए नलकूप लगाए जाएंगे। नगर निगम की योजना के तहत शहर के 10 अलग-अलग स्थानों पर 30 हॉर्सपावर क्षमता वाले डीपवेल नलकूप लगाए जाएंगे। इन नलकूपों के जरिए संबंधित क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बढ़ाने और गर्मी के दौरान होने वाली किल्लत को कम करने का प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही पहले से लगे तीन पुराने नलकूपों का रिबोर भी कराया जाएगा, ताकि उनकी क्षमता और उपयोगिता को बेहतर किया जा सके।

योजना के तहत केवल नलकूप लगाने का काम ही नहीं होगा, बल्कि पंप रूम बनाने और जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़े अन्य जरूरी कार्य भी किए जाएंगे। नगर निगम ने इन सभी कार्यों के लिए करीब 5.25 करोड़ रुपये खर्च होने

का अनुमान लगाया है। अधिकारियों के अनुसार, गर्मी शुरू होने से पहले प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है।

नए डीपवेल नलकूप शुरू होने के बाद उन इलाकों में पानी की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है, जहां गर्मियों में जल संकट की शिकायतें सामने आती हैं। नगर निगम की इस पहल से शहर के कई क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों को फायदा मिलने की संभावना है। योजना पूरी होने के बाद गर्मी के मौसम में लोगों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और जलापूर्ति व्यवस्था पर दबाव भी कम किया जा सकेगा।

किराया बढ़ाने समेत मांगों को लेकर ऑटो-टैक्सी चालक करेंगे हड़ताल

एजेंसी, नई दिल्ली

ईंधन की बढ़ती कीमतों और अन्य मांगों को लेकर दिल्ली-एनसीआर में ऑटो और टैक्सी चालक संगठनों ने हड़ताल की चेतावनी दी है। विभिन्न संगठनों के अनुसार सात से नौ सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। संगठनों का दावा है कि करीब एक लाख ऑटो और काली-पीली टैक्सियां इसमें शामिल हो सकती हैं। ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन और ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस प्रकोष्ठ ने सात और आठ सितंबर को हड़ताल का आह्वान किया है। वहीं भारतीय मजदूर संघ समर्थित ऑटो रिक्शा संघ और दिल्ली प्रदेश टैक्सी यूनियन ने नौ सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। चालक संगठनों का कहना है कि सीएनजी की कीमत बढ़कर करीब 87 रुपये प्रति किलो हो गई है और पिछले तीन महीनों में इसमें लगभग 10 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हुई है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों की आर्थिकी मजबूत कर रही सरकार : चंद्र

कृषि मंत्री ने सिद्धपुरघाड़ में आम का पौधा रोपित कर वन महोत्सव में लिया भाग

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, जवाली। कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चन्द्र कुमार ने शनिवार को ज्वाली विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिद्धपुरघाड़ में 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के तहत आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने आम का पौधा रोपित कर पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान राष्ट्रव्यापी 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने जामुन, बेहड़ा, अर्जुन, अंबाला तथा कचनार के पौधे भी रोपित किए।

अपने संबोधन में कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीणों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में 'राजीव गांधी वन संवर्धन योजना' शुरू की गई है, जिसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत महिला मंडलों, युवक मंडलों और स्वयं सहायता समूहों को शामिल कर पौधरोपण किया जा रहा है। इससे ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। ज्वाली विधानसभा क्षेत्र में पौधरोपण के लिए दस स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां स्थानीय समुदाय की भागीदारी से पौधरोपण और पौधों के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रो. चन्द्र कुमार ने बताया कि इस वर्ष वन मंडल नूरपुर में 155 हेक्टेयर भूमि पर लगभग 1 लाख 18 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है तथा जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने लोगों से प्रकृति को प्रदूषण से बचाने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे पौधों का चयन किया जाना चाहिए, जो पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के साथ वन्य जीव-जंतुओं को भोजन और आश्रय भी उपलब्ध करवाएं। उन्होंने बताया कि न्याल-झूलूं सड़क तथा बूहल खड्ड पर 122 मीटर पुल का निर्माण 4.79 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। वहीं, नाबार्ड के तहत हरनोटा-झिझपुर सड़क का निर्माण 5.72 करोड़ की लागत से प्रस्तावित है। इस अवसर पर चीफ कंजर्वेटर फॉरेस्ट वासु कौशल ने कृषि मंत्री को शॉल, टोपी व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में एसपी नूरपुर इल्मा अफरोज, एसडीएम नरेंद्र जरियाल, डीएफओ संदीप कोहली सहित वन विभाग के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, महिला मंडलों के सदस्य और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

मंत्री राजेश धर्माणी ने किया 6 पंचायतों के परिवारों से संवाद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह भराड़ी में मुख्यमंत्री 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना के तहत आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कुठेड़ा मरहाणा, घंडालवीं, लैहड़ी सरेल, भराड़ी और लंझता सहित 6 ग्राम पंचायतों के परिवारों से संवाद कर योजना के उद्देश्य, पात्रता और लाभों की जानकारी दी तथा उनकी समस्याएं व सुझाव सुने।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत पात्र अति निर्धन परिवारों को हर माह 1,500 रुपये आर्थिक सहायता, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 10 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा और मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता का प्रावधान है। योजना की शुरुआत आगामी 2 अक्टूबर को होगी। उन्होंने बताया कि 75 हजार रुपये से कम वार्षिक आय वाले पात्र परिवार 20 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम में बीडीओ अभिषेक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मंडी की पेयजल और सीवरेज व्यवस्था होगी हाईटेक सितंबर में लॉन्च होगा 'हिम जलदूत' ऐप : अग्निहोत्री

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश के लोगों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध करवाने व जलापूर्ति व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए प्रदेश सरकार लगातार नई तकनीक व डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा दे रही है। इसी दिशा में मंडी शहर में पेयजल व सीवरेज व्यवस्था को हाईटेक बनाने के लिए जल शक्ति विभाग द्वारा सितंबर माह में हिम जलदूत मंडी मोबाइल ऐप लॉन्च की जाएगी। यह ऐप एमसी मंडी के 13 वार्डों के करीब 10,900 उपभोक्ताओं को डिजिटल रूप से जोड़ेगा।

मुकेश अग्निहोत्री ने मंडी के सर्किट हाउस में जल शक्ति विभाग के उच्च अधिकारियों से जिला में जल शक्ति विभाग की विभिन्न नई एवं उन्नयन योजनाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का विशेष ध्यान लोगों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध करवाने के साथ-साथ जलापूर्ति व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित शिकायत निवारण सुनिश्चित करने पर है। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल से आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ विभागीय कार्यप्रणाली को भी अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि 'हिम जलदूत मंडी' ऐप इसी सोच का परिणाम है। बरसात का मौसम समाप्त होते ही इस डिजिटल व्यवस्था को पूरे तरह लागू किया जाएगा। इसके माध्यम से उपभोक्ताओं को पानी की आपूर्ति, पानी की गुणवत्ता, लीकेज, सीवरेज तथा शिकायतों से संबंधित जानकारी और सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल तकनीक का उद्देश्य केवल शिकायतों को ऑनलाइन करना नहीं, बल्कि पूरी जलापूर्ति व्यवस्था को उपभोक्ता-केंद्रित व जवाबदेह बनाना है। मंडी में लागू होने वाली यह व्यवस्था भविष्य में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के लिए भी उपयोगी मॉडल साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐप की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक पेयजल की गुणवत्ता का लाइव स्टेटस है। उपभोक्ता घर बैठे पानी में क्लोरीन की मात्रा, पीएच वैल्यू तथा टर्बिडिटी (पानी का धुंधलापन) की स्थिति देख सकेंगे। इससे पेयजल की गुणवत्ता पर निगरानी रखने में मदद मिलेगी व उपभोक्ताओं को भी अपने क्षेत्र में उपलब्ध पानी की गुणवत्ता की जानकारी आसानी से प्राप्त हो सकेगी।

डिजिटल ऐप से होगा शिकायतों का समाधान

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि पानी की पाइपलाइन टूटने, लीकेज अथवा सीवरेज की समस्या सामने आने पर उपभोक्ता ऐप के माध्यम से फोटो के साथ जियो-टैग लोकेशन भेजकर शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। इससे विभागीय कर्मचारियों को समस्या की सटीक लोकेशन पता चलेगी और संबंधित जल रक्षक मौके पर पहुंचकर शिकायत अथवा समस्या का समाधान कर सकेंगे। उपभोक्ता अपनी शिकायत का लाइव स्टेटस भी देख सकेंगे कि शिकायत निवारण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और निवारण किस स्तर पर पहुंचा है।

डीएवी कॉलेज कांगड़ा में रोड सेफ्टी क्लब का शपथ ग्रहण समारोह

विद्यार्थियों ने लिया सुरक्षित यातायात का संकल्प

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डीएवी कॉलेज कांगड़ा में रोड सेफ्टी क्लब की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

समारोह में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के महत्व की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि यातायात नियमों का पालन स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। इस दौरान विद्यार्थियों से हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित प्रयोग करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने तथा यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। कार्यक्रम में कहा गया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए वाहन चलाते समय अनुशासन, सावधानी और सतर्कता बरतना आवश्यक है। रोड सेफ्टी क्लब की संयोजिका डॉ. सीमा देवी ने विद्यार्थियों से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने के साथ अपने आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बलजीत सिंह पटियाल के मार्गदर्शन में किया गया।

कर्मचारियों और पेंशनरों ने फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

सरकार के रवैये के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन, आज लुधियाना बैठक में अगले आंदोलन का होगा ऐलान

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब कर्मचारी एवं पेंशनर सांझा फ्रंट तथा सांझा कर्मचारी मंच पर आधारित सांझी तालमेल कमेटी के आह्वान पर शुक्रवार को पठानकोट में कर्मचारियों और पेंशनरों ने पंजाब सरकार के खिलाफ जोरदार रोष प्रदर्शन किया। लेबर शेड, वाल्मीकि चौक के निकट एकत्र हुए कर्मचारियों और पेंशनरों ने सरकार के कथित कर्मचारी विरोधी रवैये के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री का पुतला फूंका।

इस अवसर पर पंजाब स्टेट मिनिस्टीरियल सर्विसेज यूनियन (क्लास) पठानकोट के जिला प्रधान विशालवीर सिंह ने कहा कि सांझी तालमेल कमेटी को पंजाब सरकार की ओर से 27 अगस्त को पीएपी जालंधर में बैठक के लिए लिखित निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने बताया कि बैठक पहले पंजाब भवन, चंडीगढ़ में तय की गई थी, लेकिन 25 अगस्त की शाम को इसका स्थान बदलकर पीएपी जालंधर कर दिया गया।

विशालवीर सिंह के अनुसार, 27 अगस्त को जब कर्मचारी नेताओं का प्रतिनिधिमंडल बैठक के लिए पीएपी जालंधर पहुंचा तो पुलिस प्रशासन उन्हें गोल्फ क्लब ले गया। वहां सिविल एवं पुलिस प्रशासन की ओर से कथित तौर पर कहा गया कि मुख्यमंत्री के साथ बैठक तभी होगी, जब कर्मचारी नेता पहले लिखित रूप में हड़ताल समाप्त कर ड्यूटी ज्वाइन करने की बात कहेंगे। नेताओं ने इस शर्त को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद मुख्यमंत्री कर्मचारी नेताओं के साथ बैठक करने से पीछे हट गए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों पर सरकार को गंभीरता से बातचीत करनी चाहिए। नेताओं ने कहा कि लिखित निमंत्रण देने के बाद बैठक न करना कर्मचारियों और पेंशनरों के साथ धोखा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार के दबाव से कर्मचारी आंदोलन कमजोर नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है।'

नेताओं ने बताया कि सांझी तालमेल कमेटी के पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 28 और 29 अगस्त को पंजाब भर में जिला, तहसील, ब्लॉक केंद्रों तथा विभिन्न सरकारी संस्थानों के सामने मुख्यमंत्री के पुतले फूंकने का कार्यक्रम रखा गया था। इसी कड़ी में पठानकोट में भी प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सरकार के कर्मचारी विरोधी ट्वीट और 27 अगस्त के कथित धमकी भरे पत्र की प्रतियां भी जलाने की बात कही गई।

प्रदर्शन में नरेश कुमार, गुरदियाल सिंह सैनी, गुरनाम सिंह, हितेश शर्मा, इकबाल सिंह, रमन कुमार, धीर सिंह संधू, रणवीर सिंह, वासु खजूरिया, डॉ. प्रियंका ठाकुर, शमशेर सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मास्टर सत प्रकाश, मंगत सिंह सैनी, विक्रमजीत, सुरिंद, मंगत राम व गुरप्रीत सिंह सहित कई मौजूद रहे।

कर्मी संवैधानिक तरीके से लड़ रहे हक की लड़ाई

विशालवीर सिंह ने कहा कि हड़ताली कर्मचारियों को गैरहाजिर दर्ज करने और कार्रवाई के लिए रिपोर्ट मांगने संबंधी पत्रों की यूनियन कड़े शब्दों में निंदा करती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष कर रहे हैं। सरकार को धमकियां देने के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 30 अगस्त को लुधियाना में पंजाब की समूची कर्मचारी एवं पेंशनर संगठनों की बैठक होगी। इसमें सरकार के रवैये पर चर्चा के बाद अगले चरण के संघर्ष का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मांगों का बातचीत से समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक एवं तीखा किया जाएगा।

विद्यार्थियों को एचआईवी, नशामुक्ति और टीबी से बचाव की दी जानकारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग बिलासपुर की ओर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशी दत्त शर्मा के दिशा-निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस अभियान के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोठीपुरा में एक दिवसीय जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता प्रधानाचार्य कमलेश कुमारी ने की।

- अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर कोठीपुरा स्कूल में जागरूकता शिविर
- भाषण और पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हेल्थ एजुकेटर गोपाल कौशल ने इस वर्ष की थीम 'विभिन्न संदर्भ, समान आकांक्षाएं' के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स से बचाव के लिए सही और पूर्ण जानकारी बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त, दूषित सुई तथा संक्रमित मां से शिशु में संक्रमण फैलने के कारणों की जानकारी दी। साथ ही नशा मुक्ति, पोषण और टीबी की रोकथाम को लेकर भी जागरूक किया। उन्होंने युवाओं को चरित्र निर्माण, शिक्षा, तकनीकी कौशल और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते हुए समय का सदुपयोग करने का संदेश दिया।

शिविर के दौरान भाषण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिनमें 14 विद्यार्थियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में जगनप्रीत प्रथम, मानसी ठाकुर द्वितीय तथा जागृति और रिद्धिमा संयुक्त रूप से तृतीय रहीं। पोस्टर मेकिंग में ममता प्रथम, जगनप्रीत द्वितीय और पलक तृतीय स्थान पर रहीं। विजेता एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

3 माह का इंतजार खत्म, सुजानपुर बीडीसी पर भाजपा का कब्जा

सुरेश चंद अध्यक्ष व रंजना कुमारी बनी उपाध्यक्ष

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। करीब 3 महीने से लटके बीडीसी सुजानपुर के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव में आखिरकार शनिवार को फैसला हो गया। 15 सदस्यीय बीडीसी में भाजपा समर्थित सुरेश चंद ने 9 वोट हासिल कर अध्यक्ष पद पर बाजी मारी, जबकि रंजना कुमारी को 10 वोट मिलने से वह उपाध्यक्ष निर्वाचित हुईं। लंबे इंतजार के बाद हुए इस चुनाव ने सुजानपुर की सियासत में भाजपा के पक्ष में नया संदेश दिया है।

गौरतलब है कि पंचायत चुनाव मई माह में संपन्न हो चुके थे, लेकिन बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव करीब तीन माह तक टलते रहे। शनिवार को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही इस लंबे राजनीतिक इंतजार पर विराम लग गया। इस अवसर प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चंद और उपाध्यक्ष रंजना कुमारी को बधाई देते हुए कहा कि देर से सही, लेकिन भाजपा के संघर्ष के बाद प्रदेश सरकार को झुकना पड़ा और लोकतंत्र की जीत हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि बीडीसी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करीब 3 माह तक जान-बूझकर और जबरन रोका गया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो चुका है और जनता का प्रदेश सरकार से मोहभंग हो गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेश चंद और उपाध्यक्ष रंजना कुमारी ने अपनी जीत पर भाजपा हाईकमान, पार्टी के सभी नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्र की जनता और बीडीसी सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तथा क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे पहले चुने हुए अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े बजाकर स्वागत किया तथा शहर में रैली निकालकर खुशी जाहिर की।

आरएफसी की शानदार उपलब्धि पर गर्व, सीएमडी मनोज और निगम को मिले सम्मान : शांता कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने रेलवे वित्त निगम की शानदार वित्तीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब सरकार द्वारा संचालित अधिकांश निगम घाटे से जूझ रहे हैं, रेलवे वित्त निगम ने लाभ, वित्तीय अनुशासन और कार्यकुशलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वर्ष 2026 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में रेलवे वित्त निगम ने कर-पश्चात करीब 7,000 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित कर नया रिकॉर्ड कायम किया है। निगम ने अपनी परिसंपत्तियों को बढ़ाकर करीब 85,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाया है। इसके साथ ही निगम ने शून्य एनपीए का बेदाग रिकॉर्ड कायम किया है, जो उसके करीब 40 वर्ष के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि निगम के सीएमडी मनोज कुमार दुबे के नेतृत्व में हासिल हुई है। मनोज कुमार दुबे ने अक्टूबर 2024 में निगम के सीएमडी का कार्यभार संभाला था। उनके कार्यकाल में निगम ने न केवल अपनी वित्तीय स्थिति को और मजबूत किया, बल्कि नवरत्न का दर्जा हासिल करने में भी सफलता प्राप्त की।

शांता कुमार ने कहा कि निगम की सबसे बड़ी विशेषता लगातार वित्तीय अनुशासन बनाए रखना है। इसके परिणामस्वरूप एनपीए पूरी तरह शून्य रहा। निगम का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 110.91 प्रतिशत रहा, जो इसके उच्चतम स्तरों में से एक है। उन्होंने कहा कि निगम की मजबूत वित्तीय स्थिति का सकारात्मक प्रभाव उसके कर्मचारियों पर भी पड़ा है। इस वर्ष रेलवे कर्मचारियों को 78 दिनों के वेतन के बराबर रिकॉर्ड बोनस दिया गया, जो दो माह 18 दिन के वेतन के बराबर है।

शांता कुमार ने कहा कि भारत सरकार के रेलवे वित्त निगम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि निश्चित रूप से गर्व का विषय है। उन्होंने भारत सरकार से आग्रह किया कि निगम की इस शानदार उपलब्धि को देखते हुए सीएमडी मनोज कुमार दुबे और रेलवे वित्त निगम को विधिवत सम्मानित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियों को सार्वजनिक रूप से प्रोत्साहित करने से सरकारी क्षेत्र के अन्य निगमों को भी वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी।

चुनावी वादे पूरे करे कांग्रेस सरकार युवाओं को दे रोजगार: भाजपा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला बिलासपुर ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर चुनाव के दौरान युवाओं से किए गए स्थायी सरकारी रोजगार के वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए जिला मुख्यालय में रैली निकाली। रैली के बाद भाजपा विधायक रणधीर शर्मा, जीत राम कटवाल और त्रिलोक जम्वाल ने उपायुक्त के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर सरकार से रोजगार के वादे पूरे करने की मांग की।

रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान युवाओं को स्थायी सरकारी रोजगार देने और एक लाख नौकरियां उपलब्ध करवाने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद सरकार अपने इन वादों को पूरा करने में विफल रही है। आज बिलासपुर सहित प्रदेश के हजारों शिक्षित और योग्य युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं।

ज्ञापन में भाजपा ने मांग की कि विभिन्न सरकारी विभागों में रिक्त पड़े पदों को चिन्हित कर नियमित एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए। साथ ही कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए गए स्थायी रोजगार के वादों की समीक्षा कर उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करवाने के निर्देश दिए जाएं।

भाजपा ने भर्ती परीक्षाओं और नियुक्तियों में पारदर्शिता, निष्पक्षता तथा निश्चित समय-सीमा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। इसके अलावा प्रदेश और बिलासपुर के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ठोस रोजगार नीति तैयार करने की मांग की गई। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रभारी रश्मि सूद, जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल और पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- भाजपा ने रैली के बाद राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन
- खाली पदों पर जल्द शुरू हो नियमित भर्ती

मौसम कल से फिर तेज होगा मानसून, 68 सड़कें अभी भी बंद, धर्मशाला में सबसे ज्यादा बरसे बादल

हिमाचल में 3 सितंबर तक बारिश का अलर्ट

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से धीमी पड़ी मानसून की रफ्तार के बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर बारिश का दौर तेज होने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार 31 अगस्त से 3 सितंबर तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 31 अगस्त को भारी बारिश कुछ स्थानों पर होने की संभावना है, जबकि एक से तीन सितंबर तक भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से मानसून की गतिविधियां अपेक्षाकृत कमजोर रहीं। पिछले 24 घंटों के दौरान कुछ ही क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। धर्मशाला में सबसे अधिक 73.2 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा गुलेर में 29, कांगड़ा में 22.8, नैना देवी में 12.8, जोगिंदरनगर में 11 और नगरोटा सूरियां में 8.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा में गरज के साथ बिजली चमकने की भी घटना दर्ज हुई।

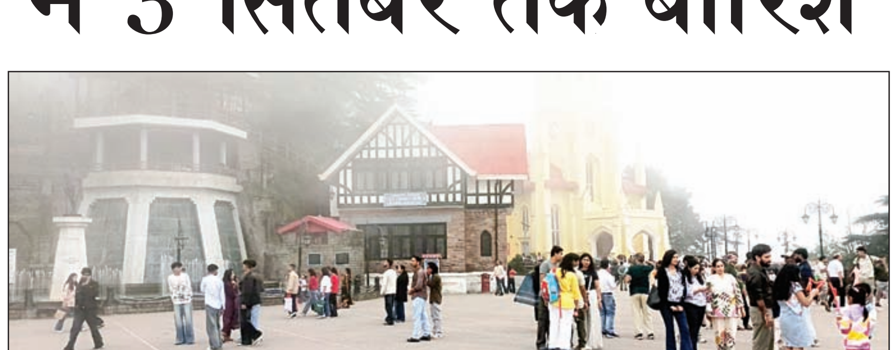

शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। वहीं मैदानी इलाकों में बारिश कम होने या नहीं होने से उमस बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में मानसून की गति धीमी रही है और ज्यादातर इलाकों में मौसम बादलों और हल्की बारिश तक सीमित रहा है। मौसम विभाग के अनुसार इस मानसून सीजन में अब तक प्रदेश में सामान्य से 10 फीसदी कम बारिश हुई है। मानसून ने इस साल 30 जून को हिमाचल में दस्तक दी थी और आमतौर पर सितंबर के अंत तक इसके प्रदेश से विदा होने की प्रक्रिया पूरी होती है। ऐसे में आने वाले दिनों में होने वाली बारिश को मानसून की आगे की गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बारिश में कमी के बावजूद प्रदेश में मानसून से जुड़ी परेशानियां पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण सड़कें अभी भी बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक प्रदेश में भूस्खलन से 68 सड़कें अवरुद्ध थीं और सात बिजली ट्रांसफार्मर ठप रहे। हालांकि किसी भी पेयजल योजना के प्रभावित होने की सूचना नहीं है।

सड़क बंद होने के मामलों में मंडी सबसे आगे है, जहां 28 सड़कें अवरुद्ध हैं। कुल्लू में 16, कांगड़ा में सात, सिरमौर में छह, ऊना में चार, चंबा में तीन, शिमला में दो तथा बिलासपुर और लाहौल-स्पीति में एक-एक सड़क बंद है। बिजली आपूर्ति के मोर्चे पर सिरमौर के नाहन में पांच तथा कुल्लू के बंजार और चंबा में एक-एक ट्रांसफार्मर ठप है। इस मानसून सीजन में बारिश और इससे जुड़े हादसों में अब तक 249 लोगों की मौत और 401 लोग घायल हो चुके हैं। 450 मवेशियों की भी जान गई है। बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से 97 घर पूरी तरह ध्वस्त हुए हैं, जबकि 432 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 17 दुकानें और 380 पशुशालाएं पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। सरकार के आकलन के अनुसार मानसून से प्रदेश में अब तक 1,183 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा लोक निर्माण विभाग का है। सड़कों और पुलों को हुए नुकसान से लोक निर्माण विभाग को करीब 897 करोड़ की क्षति आंकी गई है।

न्यूज ब्रीफ

चोरी के मामले में वांछित महिला गिरफ्तार 4.20 लाख का सोने का कड़ा भी बरामद

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कोट कहलूर पुलिस ने चोरी के मामले में फरार चल रही तीसरी महिला आरोपी विद्या देवी को पटियाला से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब ₹4.20 लाख कीमत का चोरी किया गया सोने का कड़ा बरामद कर मामले में 100 प्रतिशत रिकवरी हासिल की है। शिकायतकर्ता विनोद सिंह की शिकायत पर 1 जनवरी 2026 को थाना कोट कहलूर में एफआईआर संख्या 01/2026 दर्ज की गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही दो महिला आरोपियों दुर्गी देवी और कृष्णा कौर को गिरफ्तार कर लिया था। तीसरी आरोपी विद्या देवी पत्नी बलकार सिंह, निवासी गांव रोहटी छन्ना, डाकघर रोहटी, तहसील नाभा, जिला पटियाला, को 27 अगस्त 2026 को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया सोने का कड़ा बरामद कर लिया है। मामले में आगामी कानूनी कार्रवाई जारी है।

बैकवर्ड लिंकिंग से चिट्टा सप्लाई का मुख्य आरोपी मोहाली से किया गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बैकवर्ड लिंकिंग जांच के आधार पर चिट्टा/हेरोइन के मुख्य सप्लायर को मोहाली से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 25 जुलाई 2026 को एसडीटी बिलासपुर की टीम ने नैहर में सुनील कुमार पुत्र बाबू राम, निवासी नैहर, डाकघर हरनोडा, तहसील सदर, जिला बिलासपुर के कब्जे से 10.40 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद की थी। इस संबंध में थाना बरमाणा में अभियोग संख्या 97/2026, धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर सुनील कुमार को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ, डिजिटल साक्ष्यों और मनी ट्रेल के विश्लेषण के आधार पर पुलिस मुख्य सप्लायर तक पहुंची। पुलिस ने 29 अगस्त को अमित बिष्ट पुत्र पदविन्द्र बिष्ट, निवासी एसएएस नगर, मोहाली, पंजाब को गिरफ्तार किया। मामले में आगामी जांच जारी है।

बीटन कॉलेज में पौधरोपण अभियान के साथ निकाली एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली

भारतेन्दु संवाददाता, बीटन/ऊना। एस.डी.डब्ल्यू.जी. राजकीय महाविद्यालय बीटन में रेड रिबन क्लब (आरआरसी) एवं यूथ रेड क्रॉस (वाईआरसी) के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को पौधरोपण अभियान-सह-एचआईवी/एड्स जागरूकता रैली आयोजित की गई। विद्यार्थियों और प्राध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12 बजे महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण से हुई। इसके बाद बीटन गांव की ओर जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यार्थियों ने बैनर और संदेशों के माध्यम से ग्रामीणों को एचआईवी/एड्स की रोकथाम, स्वास्थ्य के प्रति सजगता तथा सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम कार्यकारी प्राचार्या प्रो. ऋतु जसवाल एवं डॉ. ऋचा शर्मा की उपस्थिति में हुआ। समन्वय डॉ. गुरमेल सिंह और डॉ. बूटा राम ने किया। प्रो. जसवाल ने विद्यार्थियों की भागीदारी की सराहना की।

क्रेग्नैनो में कल डिजिटल स्टूडियो का उद्घाटन करेंगे पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह 31 अगस्त, 2026 को मशोबरा के क्रेग्नैनो स्थित राज्य पंचायत संसाधन केंद्र में नवनिर्मित डिजिटल स्टूडियो का उद्घाटन करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री प्रातः 11 बजे शिमला से सड़क मार्ग द्वारा क्रेग्नैनो के लिए रवाना होंगे और 11:30 बजे वहां पहुंचेंगे। इसके बाद वे राज्य पंचायत संसाधन केंद्र, मशोबरा में डिजिटल स्टूडियो का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात मंत्री दोपहर 12 बजे क्रेग्नैनो से शिमला के लिए रवाना होंगे तथा 12:30 बजे शिमला पहुंचेंगे। डिजिटल स्टूडियो के माध्यम से पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण एवं सूचना संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बिलासपुर कॉलेज में पीटीए की आम सभा आज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में अभिभावक-प्राध्यापक संघ (पीटीए) की आम सभा 30 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे आयोजित की जाएगी। सोमवार को हुई पीटीए बैठक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पीटीए पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लिया गया। पीटीए सचिव प्रो. ऋतु राज ठाकुर ने बताया कि आम सभा में गत वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ विकासात्मक कार्यों की रिपोर्ट भी रखी जाएगी। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने सभी अभिभावकों से अधिक संख्या में पहुंचकर आम सभा को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभिभावक विद्यार्थी का पहचान पत्र व आधार कार्ड तथा अपना आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ लाएं। चुनाव में केवल पीटीए सदस्य अभिभावक ही भाग ले सकेंगे।

मोबाइल व नशे से दूर रहें विद्यार्थी : धर्माणी

घुमारवीं ब्लॉक-1 की अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता का आगाज, 24 स्कूलों के 286 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला महराणा में घुमारवीं ब्लॉक-1 की अंडर-14 छात्र वर्ग की ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत मार्च पास्ट की सलामी ली और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में 24 स्कूलों के 286 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, खो-खो, कुश्ती, बैडमिंटन, कबड्डी और शतरंज सहित छह खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी जिला स्तर पर घुमारवीं ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राजेश धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में ग्रामीण एवं दूर-दराज क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ खेलकूद, संगीत, एनसीसी, एनएसएस तथा स्काउट एंड गाइड जैसी गतिविधियों में भागीदारी आवश्यक है। इससे बच्चों का व्यक्तित्व संतुलित रूप से विकसित होता है।

धर्माणी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। खिलाड़ियों की डाइट राशि को लगभग तीन गुना बढ़ाया गया है। राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 250 किलोमीटर तक एसी सेकेंड क्लास रेल यात्रा तथा इससे अधिक दूरी होने पर हवाई यात्रा की सुविधा का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के कपाहड़ा, भराड़ी, हटवाड़ और घुमारवीं स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध किया गया है। इन स्कूलों में अंग्रेजी, गणित, रसायन विज्ञान, भूगोल, संगीत और कंप्यूटर सहित विभिन्न विषयों के अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक्सपोजर देने के लिए भी सरकार प्रयासरत है। 6 सितंबर से प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों के 44 विद्यार्थी अध्यापकों के साथ जापान जाएंगे। वहां उन्हें नई तकनीक और आधुनिक कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलेगा।

◆ **महराणा स्कूल में 5 लाख से बनेगा स्टेज, खेल मैदान में लगेंगी 4 सोलर लाइटें**

राष्ट्रीय खेल दिवस पर उन्होंने विद्यार्थियों से मेजर ध्यान चंद के जीवन से प्रेरणा लेने तथा मोबाइल के अत्यधिक उपयोग और नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने महराणा स्कूल में स्टेज निर्माण के लिए पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। खेल मैदान में चार सोलर लाइटें भी लगाई जाएंगी। समारोह में प्रधानाचार्य सीमा शर्मा, एसएमसी प्रधान सुनील कुमार, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अध्यापक, खिलाड़ी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

विद्युत पेंशनर्स फोरम ने की ओपीएस लागू करने की मांग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत पेंशनर्स फोरम ने विद्युत बोर्ड के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) तत्काल लागू करने की मांग उठाई है। सुंदरनगर में आयोजित बैठक में प्रदेशभर से पहुंचे पेंशनर नेताओं ने कहा कि सरकार 1.36 लाख कर्मचारियों को ओपीएस देने का दावा कर रही है, जबकि विद्युत बोर्ड के 6500 से अधिक कर्मचारी अभी इससे वंचित हैं। फोरम अध्यक्ष एएस गुप्ता ने कहा कि ग्रेच्युटी, लीव इनकैशमेंट, मेडिकल बिल, एरियर और अन्य वित्तीय लाभ वर्षों से लंबित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के आश्वासनों के बावजूद पेंशनरों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने चेतावनी दी कि बजट सत्र से पहले जेसीसी की बैठक बुलाकर मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो विधानसभा का घेराव किया जाएगा। सुंदरनगर यूनिट अध्यक्ष जेएम पठानिया ने बताया कि 59 से 69 वर्ष आयु वर्ग के हजारों पेंशनरों का एरियर लंबित है। बैठक में ओपीएस लागू करने, यूपीएस अस्वीकार करने तथा लंबित एरियर, डीए और मेडिकल बिलों का शीघ्र भुगतान करने की मांग की गई।

सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार न करे कांग्रेसी

फेसबुक आईडी हैक होने से फैला विवाद, भाजयुमो ने बैठक में साफ की स्थिति

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा हमीरपुर की बैठक शनिवार को जिला अध्यक्ष शुभम पठानिया की अध्यक्षता में हमीरपुर में हुई। इस बैठक में बीते दिनों सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाये जा रहे भ्रामक प्रचार के बारे सभी की चर्चा हुई। जिला अध्यक्ष शुभम और मंडल शहरी उपाध्यक्ष संतोष कुमार के मैसेज जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, वह मंडल उपाध्यक्ष की फेसबुक आईडी हैक होने के चलते किसी शरारती तत्व ने उनके सोशल मीडिया हैंडल से डाले थे।

जिस पर कांग्रेस के कुछ पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया पर पोस्टें शेयर की थी। मंडल उपाध्यक्ष संतोष अत्री ने बताया कि सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने के कारण किसी शरारती तत्व ने उनके अकाउंट से जिला अध्यक्ष के खिलाफ पोस्ट डाल दी थी। इस पर आज बैठक में सभी पदाधिकारियों के समक्ष स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि भाजपा एकजुट है और एकजुटता के साथ भाजपा की नीतियों एवं योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए कार्य करेगी। वहीं जिला भाजयुमो अध्यक्ष शुभम पठानिया ने कहा कि सबके साथ मिलकर भाजपा को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार कर रहे हैं वह अपनी हद में रहें। भाजयुमो एक साथ मिलकर कार्य कर रही है और सबको साथ लेकर

◆ **युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए दिए जाएंगे स्पोर्ट्स किटः शुभम**

अधिक से अधिक युवाओं को भाजयुमो से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र के युवाओं को स्पोर्ट्स किट वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित किया जाएगा और नशे से दूर रहने की अपील की जाएगी

मेहनत, अनुशासन व सकारात्मक सोच से तय होगा सफलता का मार्गः एसपी

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक, आईपीएस ने घुमारवीं स्थित शहीद विजय पाल मेमोरियल पीएम श्री मुख्यमंत्री आदर्श राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा कर विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, करियर, नशा उन्मूलन, साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, अनुशासन एवं नागरिक कर्तव्यों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एसपी ने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए मेहनत, अनुशासन, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी देते हुए अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करने तथा उसे हासिल करने के लिए पूरी लगन से प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में बताया। साथ ही खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

साइबर अपराधों के प्रति सचेत करते हुए एसपी ने कहा कि विद्यार्थी ओटीपी, पासवर्ड, बैंक संबंधी जानकारी अथवा निजी जानकारी किसी से साझा न करें। सोशल मीडिया और ऑनलाइन लेन-देन के दौरान सावधानी बरतें तथा संदिग्ध लिंक और संदेशों पर क्लिक करने से बचें।

उन्होंने यातायात नियमों के पालन, सार्वजनिक स्वच्छता, दूसरों के अधिकारों के सम्मान और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवा अच्छे इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

रोवर्स एवं रेंजर्स ने सीखा हौजरी व सिलाई का हुनर

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं की रेंजर्स एवं रोवर्स इकाई ने विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकास के उद्देश्य से हौजरी एवं सिलाई प्रशिक्षण केंद्र घुमारवीं का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने हौजरी उत्पादों के निर्माण की विभिन्न तकनीकों और आधुनिक मशीनों की कार्यप्रणाली को करीब से देखा। केंद्र के विशेषज्ञों ने कपड़े की कटिंग, सिलाई, फिनिशिंग तथा तैयार उत्पाद को अंतिम रूप देने की पूरी प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी। विद्यार्थियों ने गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्य की बारीकियां समझीं। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव और कौशल विकास भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत व अनुशासन के साथ स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर रोवर लीडर डॉ. प्रवीण कुमार और रेंजर लीडर प्रो. अनु शर्मा उपस्थित रहे।

मातृशक्ति ही समाज में ला सकती है बदलाव और विकासः आशीष

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा महिला मोर्चा मंडल शहरी हमीरपुर की बैठक शनिवार को पार्टी कार्यालय वीर कमल में अध्यक्ष सुमन कपिल की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में विधायक सदर आशीष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजकुमारी, मंडल प्रभारी अल्का, अध्यक्ष मंडल शहरी श्रीपाल शर्मा विशेष तौर पर उपस्थित रहे। इस बैठक में विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों बारे उपस्थित मातृशक्ति ने चर्चा की। अध्यक्ष सुमन कपिल ने महिला मोर्चा द्वारा किए गए कार्यक्रमों की जानकारी सभी के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा पार्टी के हरेक कार्यक्रम में शामिल होकर पार्टी की नीतियों एवं गतिविधियों को सभी के समक्ष रखता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर एक कार्यकर्ता दस सखियों को जोड़ रही है।

उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों बारे सभी को जानकारी दी एवं इन कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की। विधायक आशीष शर्मा ने कहा कि महिला मोर्चा प्रमुख मोर्चा है और मातृशक्ति ही समाज में बदलाव, विकास की नींव रखती है। उन्होंने कहा कि हमीरपुर मंडल महिला मोर्चा बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने रविवार को प्रसारित होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को जरूर सुनने और सरल ऐप पर अपलोड करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यक्रमों में सभी की सहभागिता जरूरी है और सभी मिलकर पार्टी को और मजबूत करेंगे। जिला महिला मोर्चा प्रभारी एवं उपाध्यक्ष राजकुमारी ने भी संगठन की सभी गतिविधियों बारे विस्तार से चर्चा की व आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर महामंत्री रीता शास्त्री, तेन सिंह, नीना शर्मा। शीतल सहित अन्य मौजूद रहे।

मोबाइल कंपनियों की मनमानी पर केंद्र सरकार दे जवाब, दूरसंचार मंत्री दें इस्तीफा : हीरा पाल

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हीरा पाल सिंह ने मोबाइल दूरसंचार कंपनियों की बढ़ती दरों और उपभोक्ताओं पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोबाइल रिचार्ज लगातार महंगे होते जा रहे हैं, जबकि आम उपभोक्ता को अपनी जरूरत की सेवाओं के लिए पहले से अधिक पैसा खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दूरसंचार कंपनियां रिचार्ज योजनाओं की कीमत बढ़ाने के साथ-साथ उनकी वैधता अवधि को भी कम कर रही हैं। कई योजनाओं में 30 दिन के बजाय 28 दिन की अवधि रखे जाने से उपभोक्ता को साल में अतिरिक्त बार रिचार्ज करना पड़ता है और इसका सीधा आर्थिक लाभ कंपनियों को मिलता है।

हीरा पाल सिंह ने कहा कि आज के दौर में जब अधिकांश संवाद इंटरनेट आधारित माध्यमों से हो रहा है, तब रिचार्ज योजनाओं में बड़ी संख्या में संदेशों का प्रावधान उपभोक्ताओं के लिए बहुत उपयोगी नहीं रह गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन संदेशों का बड़ा हिस्सा कंपनियों के प्रचार और व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ा होता है, जिसका भुगतान अंततः उपभोक्ता ही करता है। उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों मोबाइल उपभोक्ता हैं और छोटे-छोटे शुल्क के माध्यम से कंपनियों की विशाल कमाई होती है, इसलिए सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह उपभोक्ता हितों की रक्षा करे।

◆ **महंगे रिचार्ज, घटती वैधता और अनावश्यक संदेशों को लेकर कांग्रेस नेता ने साधा निशाना**

कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार स्वयं को आम जनता की हितैषी बताती है, लेकिन यदि आवश्यक दूरसंचार सेवाएं लगातार महंगी होती जाएं और नियामक व्यवस्था उपभोक्ताओं को पर्याप्त राहत न दे पाए तो सरकार की नीतियों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने केंद्र सरकार से मोबाइल रिचार्ज दरों, सेवा वैधता और अनावश्यक प्रचार संदेशों की व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार दूरसंचार कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने में विफल रहती है तो संबंधित केंद्रीय मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने सरकार से उपभोक्ताओं को राहत देने वाली ठोस नीति बनाने की मांग की।

अनुशासन से राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान में भागीदार बनें देश के युवा : प्रो. अवस्थी

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े उत्साह एवं खेल भावना के साथ मनाया गया। भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं करवाई गईं।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ललित कुमार अवस्थी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान पुरुष एवं महिला वर्ग में टेबल टेनिस, शतरंज और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

कुलपति ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन या प्रतियोगिता का माध्यम नहीं हैं, बल्कि चरित्र निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संघर्षशीलता विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ राष्ट्रीय चुनौतियों के समाधान में भागीदार बनने का

◆ **एसपीयू में उत्साह और खेल भावना के साथ मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस**

◆ **खेलों से विकसित होता है अनुशासन, नेतृत्व और संघर्षशीलता : कुलपति**

आह्वान किया। प्रो. अवस्थी ने विद्यार्थियों से प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल अथवा शारीरिक गतिविधि के लिए निकालने की अपील की।

उन्होंने नशे से दूर रहने और मोबाइल व सोशल मीडिया का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह भी दी। विद्यार्थियों से मेजर ध्यानचंद के समर्पण और उत्कृष्टता से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया। इससे पूर्व निदेशक खेल डॉ. राजेश शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ. हितेश ठाकुर ने प्रतियोगिताओं का समन्वय किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने फिटनेस, अनुशासन, टीमवर्क और खेल भावना को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

मांग विद्युत बोर्ड पेंशनरों ने उठाई पुरानी पेंशन बहाली की मांग, आंदोलन की दी चेतावनी

ओपीएस लागू न करने पर जताई चिंता

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विद्युत बोर्ड पेंशनर फोरम की बैठक प्रदेशाध्यक्ष इंजीनियर ए एस गुप्ता की अध्यक्षता में पक्का भरो हमीरपुर में संपन्न हुई। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली का पुरजोर समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से बिजली बोर्ड लिमिटेड में पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की है।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ई एएस गुप्ता व नेताओं ने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सभी विभागों में पुरानी पेंशन बहाल करने के लिए सरहाना की है , लेकिन विद्युत बोर्ड लिमिटेड जैसा विभाग जहां हर समय कर्मचारियों को खतरों से जूझना पड़ता है। पुरानी पेंशन लागू न करने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। बैठक में अगर 2 सितम्बर से पहले पुरानी पेंशन और अन्य मुद्दों पर सरकार व बोर्ड प्रबंधन से वार्ता नहीं हुई तो संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर विधान सभा के बाहर किए जा रहे प्रदर्शन में प्रदेश भर से फोरम की सभी इकाइयों से बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा सरकार अपने स्तर पर समीक्षा करवाए बिजली कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ देने से कोई भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा फोरम के नेताओं ने मुख्यमंत्री से पेंशनर्स व कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए वार्ता के लिए बंद किए गए दरवाजों को खोलने की अपील की है ताकि आपसी संवाद से समस्याओं का समाधान हो सके और सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे उन्होंने प्रदेश सरकार से 15 प्रतिशत लंबित महंगाई भत्ता जारी करने व लंबित वित्तीय लाभों को जारी करने की मांग की है।

बैठक में 01-01-2016 से 30-04-2022 तक सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों की बकाया राशि का भुगतान करने की मांग की गई। बैठक में विधुत बोर्ड के चेयरमैन प्रबोध सक्सेना और प्रबंधन निदेशक आदित्य नेगी से फोरम के प्रतिनिधियों की बैठक अतिशीघ्र बुलाने की मांग की ताकि पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान आपसी बातचीत के माध्यम से हो सके।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ई एएस गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा, रजनीश धीमान ने, उपाध्यक्ष सतिंदर चौधरी, पवन मौहल, अमर नाथ सेठी, रोशन लाल चैहान, अतिरिक्त महासचिव चेत राम शर्मा, उप महासचिव जीमेल ठाकुर, वित सचिव जितेंद्र वालिया, मुख्य संगठन सचिव नरसिंह रावत, आडिटर डीडी राणा, प्रेस सचिव अमर सिंह बलैक, जिला कांगड़ा के अध्यक्ष आर आर राणा, केएस जम्बाल, एसएस चैहान, विजय शर्मा, जे के धीमान, राजेश बहल, भगवान दास, राम प्रकाश सहित 35 पदाधिकारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर घुमारवीं कॉलेज में खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम

भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी सोनिका धर्माणी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की शुरुआत क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद हॉकी और शूटिंग प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि सोनिका धर्माणी ने कहा कि मेजर ध्यानचंद देशभक्ति और दृढ़ संकल्प के प्रतीक थे। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना

◆ **क्रॉस कंट्री, हॉकी और शूटिंग प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने लिया भाग**

◆ **खेलों से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास : सोनिका**

और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। डिजिटल युग में युवाओं का खेल मैदान से जुड़ना बेहद जरूरी है। समापन समारोह में मुख्य अतिथि और प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने विजेता विद्यार्थियों को मेडल, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्राचार्य ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों को बढ़ावा देना संस्थान की प्राथमिकता है।

स्टाइल में भी अलग दिखती हैं अंत्सा

मेडागास्कर। अंत्सा राबेजाओना मेडागास्कर की तैराक हैं, जिन्होंने पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने हीट में 27.12 सेकंड का समय दर्ज किया और 79 प्रतिभागियों में 39वें स्थान पर रहीं।

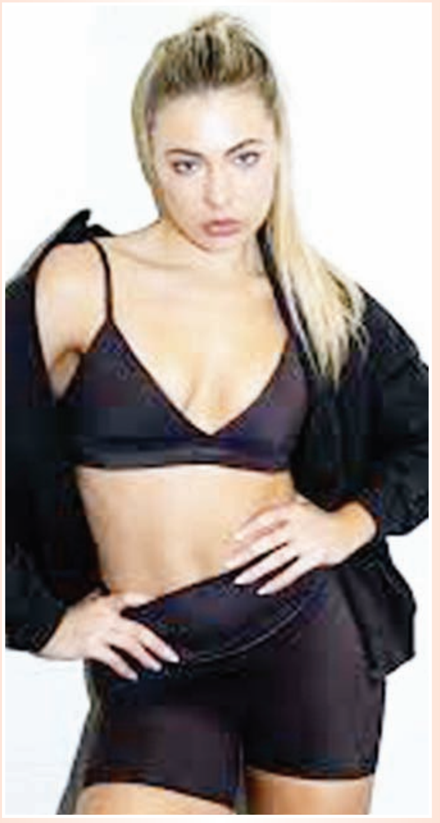

दुबई में महिला टी20 एशिया कप का आगाज, हरमनप्रीत की अगुवाई वाली भारतीय टीम आज खेलेगी अपना पहला मैच

थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

एजेंसी, दुबई

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को यहां महिला टी20 एशिया कप ग्रुप ए के अपने पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके अपने अभियान की शानदार शुरुआत करना चाहेगी। पिछले एक दशक में महिला टी20 एशिया कप में भारत सबसे दबदबा बनाने वाली टीम रही है। उसने 2016-17 से इस टूर्नामेंट के टी20 प्रारूप के पांच संस्करणों में तीन बार खिताब जीता है, लेकिन हाल में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। भारत ने इस साल खेले गए 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से नौ मैच हारे हैं। उसको आखिरी हार हाल में महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से मिली थी। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी।

ऐसे समय में जबकि कप्तान हरमनप्रीत के खुद की फॉर्म और सबसे छोटे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं तब भारत एशिया के दो प्रमुख टूर्नामेंट में खेलने की तैयारी कर रहा है। एशिया कप के तुरंत बाद जापान में एशियाई खेल होंगे। इन दोनों प्रतियोगिताओं में भारत खिताब के मजबूत दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। भारत को आठ टीमों वाली महिला टी20 एशिया कप में थाईलैंड, हांगकांग और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। हरमनप्रीत ने महिला टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। उनके प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता का अभाव है जो टीम के लिए चिंता का विषय है।

एशिया कप और एशियाई खेलों के लिए भरोसेमंद बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स के बाहर होने के बाद भारत ने अपनी टीम में प्रतिका रावल को शामिल किया है, लेकिन टीम को मध्य क्रम में जेमिमा की कमी खलेगी। गेंदबाजी में भारत की तरफ से स्पिन आक्रमण की अगुवाई अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा करेगी। इस विभाग में भारत के पास टी20 विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाली श्री चरणी, राधा यादव और प्रेमा रावत शामिल हैं। भारत का तेज गेंदबाजी आक्रमण भी मजबूत नजर आ रहा है, जिसमें अनुभवी रेणुका सिंह ठाकुर के साथ क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी और नंदनी शर्मा जैसी गेंदबाज शामिल हैं।

जहां तक थाईलैंड का सवाल है तो वह हांगकांग के खिलाफ पहले मैच में मिली जीत से उत्साहित होगा। थाईलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 120 रन बनाए और फिर हांगकांग को सात विकेट पर 114 रन पर रोक दिया। थाईलैंड की कप्तान नारुएमोल चाईवाई (43) ने बल्लेबाजी में अहम योगदान दिया जबकि ओन्निचा कामचोम्फू ने तीन और फनिता माया ने दो विकेट लेकर गेंदबाजी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय टीम के पास मजबूत सलामी जोड़ी

भारत के पास स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के रूप में मजबूत सलामी जोड़ी है, लेकिन तीसरे नंबर और उसके बाद के बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती लय को बनाए रखना और स्कोरबोर्ड को गति प्रदान करना होगा। पिछली बार जब भारत इस प्रारूप में खेला था तब खराब फील्डिंग बड़ी चिंता का विषय था। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जो उसकी हार का प्रमुख कारण भी रहा। भारत को अगर एशिया कप और एशियाई खेलों में अपना दबदबा बरकरार रखना है तो उसे अपनी फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा।

संभावित टीमें

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालन कमलिनी (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

थाईलैंडः नारुएमोल चाइवाई (कप्तान), नन्नाफट चाइहान, नत्थाकन चंथम, नाओमी हिल्टन, नन्नापत कोंचरोएनकाई (विकेटकीपर), ओन्निचा कामचोमफू, फन्निता माया, चानिदा सुथिरुआंग, एफिसारा सुवानचोराथी, सुनीदा चतुरोंग्रट्टाना, चायनिसा फेंगपैन, सुलेपोर्न लाओमी, थिपचा पुथावोंग, थानराडा सीसावन, कोरानिट सुवानचोनराथी।

न्यूज शॉर्ट्स

अगर हम 'बेसिक्स' पर ध्यान दें तो एशियाई खेलों में हमें कोई रोक नहीं पाएगा: चौकसे

एजेंसी, भोपाल। एशियाई खेलों में कई पदक जीत चुकी राइफल निशानेबाज आशी चौकसे को भरोसा है कि अगर भारतीय टीम 'बेसिक्स' (बुनियादी बातें) पर अच्छी तरह से ध्यान दें तो उसे अगले महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में रोकना आसान नहीं होगा। एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक खेले जाएंगे जिसमें भारत को निशानेबाजों से बड़ी उम्मीद है। उन्होंने 2018 में जकार्ता और 2023 में हांगझोऊ एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले एशियाई खेलों में दो रजत और एक कांस्य पदक जीतने वाली 24 वर्षीय चौकसे ने कहा, "छोटी-छोटी बातें बहुत मायने रखती हैं। हमें पता है कि क्या करना है। हम जानते हैं कि कैसे निशाना साधना है। लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। अगर हम 'बेसिक्स' पर अच्छी तरह से ध्यान दें तो मुझे लगता है कि हमें कोई रोक नहीं पाएगा।" चौकसे जानती हैं कि आइची-नागोया में उन्हें चीन से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है जो महाद्वीपीय स्तर पर भारत का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है।

भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने जीता बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश

एजेंसी, बुडापेस्ट। भारत के वेलावन सेंथिलकुमार ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में बालाज़ फ़रकास को हराकर हंगरी की राजधानी में खेले गए बुडापेस्ट ओपन स्क्वाश के रूप में अपना पहला पीएसए कॉपर-लेवल का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 54वें स्थान पर काबिज और आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने 43,500 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले टूर्नामेंट के फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी फरकास को 11-4, 11-2, 11-3 से हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। यह दोनों खिलाड़ी तीसरी बार आमने-सामने थे। सेंथिलकुमार ने 2024 में इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछला मुकाबला जीता था। सेंथिलकुमार ने सेमीफाइनल में हमवतन वीर चोटरानी को (9-11, 11-8, 11-7, 1-11, 12-10) से हराया था। उन्होंने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के ईन यो को पराजित किया था।

पेनल्टी शूटआउट में बेल्जियम से 3-4 से हारा भारत, आठवें स्थान पर रहा

एजेंसी, वॉवरे। आखिरी सीटी बजने से 26 सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह के गोल के दम पर भारत ने स्कोर 3 -3 से बराबर करके शुक्रवार को सह मेजबान बेल्जियम के खिलाफ विश्व कप के मुकाबले को शूटआउट में खींच दिया जिसमें बेल्जियम के 4 -3 से जीतने के बाद भारत आठवें स्थान पर रहा। दुनिया की दूसरे नंबर की टीम बेल्जियम ने आखिरी मिनट तक 3 -2 से बढत बना ली थी लेकिन 26 सेकंड बाकी रहते भारत को अहम पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर गोल करने में हरमनप्रीत ने कोई चूक नहीं की। यह इस विश्व कप में उनका आठवां गोल था। पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिये शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक ने गोल किये जबकि हरमनप्रीत और सुखजीत सिंह के निशाने चूके। वहीं बेल्जियम के लिये टॉम बून, आर्थर डि स्लूवेर, अलेक्जेंडर हेंडरिक्स और रोमन डुवेकोट ने गोल दागे जबकि विक्टर फूबर्ट का निशाना नहीं लगा। अपने सारे मैच नीदरलैंड में खेलने वाली भारतीय टीम ने ठंडी हवाओं के बीच अच्छी खासी तादाद में यहां बेल्फियस हॉकी एरेना में जमा घरेलू समर्थकों के सामने पहले बढत बनाई लेकिन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम के सामने उस लय को कायम नहीं रख सकी।

राष्ट्रीय फुटबाल लीग में बायर्न म्यूनिख व मैनचेस्टर सिटी की धमाकेदार शुरुआत

एजेंसी, म्यूनिख। बायर्न म्यूनिख और मैनचेस्टर सिटी ने अपनी राष्ट्रीय फुटबाल लीग में बड़ी जीत हासिल करके अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत की। जर्मनी की बुंडेसलीगा में मौजूदा चैंपियन बायर्न म्यूनिख ने लीग में हमेशा की तरह दबदबा बनाए रखते हुए घरेलू मैदान पर स्टटगार्ट के खिलाफ 5-1 से जीत हासिल की। बायर्न म्यूनिख बुंडेसलीगा में पिछले 15 वर्षों से सत्र का अपना पहला मैच नहीं हारा है। इंग्लैंड में प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर सिटी ने क्रिस्टल पैलेस को 4-1 से हराया। इस मैच में एर्लिंग हालैंड और रायन चेर्की ने दो-दो गोल किए। फ्रांस की लीग1 के मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को लिली के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलने के लिए स्टॉपेज टाइम में दो गोल की जरूरत पड़ी। फ्रांसीसी और यूरोपीय चैंपियन पीएसजी ने इससे पहले पिछले सप्ताह रेनेस के खिलाफ भी पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था। इटली की लीग सीरी ए में एसी मिलान ने वेनेज़िया को 2-0 से पराजित किया। उधर स्पेन में ला लीगा में अलावेस और रेसिंग सैंटेंडर ने क्रमशः विलारियल और एल्ची पर एक-एक गोल से जीत हासिल की।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल: उत्तर और दक्षिण क्षेत्र में होगा करीबी मुकाबला

मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र का पूर्वी क्षेत्र से होगा सामना

एजेंसी, बेंगलुरु

मौजूदा चैंपियन मध्य क्षेत्र रविवार से यहां शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आत्मविश्वास से भरी पूर्वी क्षेत्र का सामना करेगा, जबकि उत्तर क्षेत्र और पिछले साल की उपविजेता दक्षिण क्षेत्र के बीच भी रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। उत्तर और पूर्व क्षेत्र की टीम क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल करके आगे बढ़ी हैं, जबकि मध्य और दक्षिणी क्षेत्र को सेमीफाइनल में सीधे प्रवेश मिला था।

पूर्वी क्षेत्र ने क्वार्टर फाइनल में उत्तर पूर्वी क्षेत्र को करारी शिकस्त दी थी जबकि उत्तर क्षेत्र में पश्चिम क्षेत्र के खिलाफ बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक की शानदार गेंदबाजी की बदौलत रोमांचक जीत हासिल की थी। लगातार दूसरे साल रजत पाटीदार की कप्तानी में खेल रहे मध्य क्षेत्र और तिलक वर्मा की अगुवाई वाली दक्षिण क्षेत्र को टूर्नामेंट में एक भी मैच न खेलने के बावजूद शानदार शुरुआत करनी होगी।

मध्य क्षेत्र में पिछले साल ट्रॉफी जीतने वाली टीम के प्रमुख खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है। पाटीदार आईपीएल और एमपी टी20 लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद टूर्नामेंट में उतर रहे हैं,

जबकि उप-कप्तान रिंकू सिंह के रूप में उसके पास मध्य क्रम में एक और मजबूत खिलाड़ी है।

मध्य क्षेत्र का मजबूत पक्ष उसकी गेंदबाजी हो सकती है। श्रीलंका के खिलाफ ड्रॉ रहे दूसरे टेस्ट में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले सारांश जैन और अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में वनडे मैचों में खेलने वाले हर्ष दुबे बेहतरीन स्पिन जोड़ी हैं। यश ठाकुर और जीशान अंसारी तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

पूर्व क्षेत्र की टीम अपनी लय को बरकरार रखना चाहेगी, जिसमें युवा वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। क्वार्टरफाइनल में पूर्व क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र को पारी और 210 रन से करारी शिकस्त दी थी।

एशियन गेम्स से बाहर हुए नीरज चोपड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली। नीरज चोपड़ा सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स से बाहर हो गए हैं। उन्होंने शनिवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। चोपड़ा ने पोस्ट में लिखा, लॉजेन डायमंड लीग में सीजन का बेस्ट थ्रो करने के कुछ समय बाद ट्रेनिंग के दौरान टखने में चोट लगी। इससे लिगामेंट फट गया। इस चोट के कारण नीरज 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके अलावा 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में होने वाली पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप से भी बाहर रहेंगे। नीरज ने कहा कि काफी मेहनत के बाद उन्हें लग रहा था कि वे अपनी लय हासिल कर रहे हैं। लॉजेन में 88.05 मीटर का थ्रो भी इसी का संकेत था। नीरज ने लॉजेन डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने शुक्रवार को ही डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। उन्होंने इस सीजन में दो डायमंड लीग मुकाबले खेले और दोनों में दूसरे स्थान पर रहे। 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लॉजेन में दूसरे स्थान पर रहने से उन्हें कुल 12 अंक मिले। वे स्टैंडिंग में छठे स्थान पर रहे और 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। अब टखने की चोट के कारण वे इस फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

यूएस ओपन में खिताबी हैट्रिक बनाने उतरेगी एरीना सबालेंका

एजेंसी, न्यूयॉर्क

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका हाल की खराब फॉर्म के बावजूद रविवार से यहां शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सबालेंका पिछले कुछ टूर्नामेंटों में चौथे दौर से आगे भी नहीं बढ़ पाई हैं जिसे देखते हुए वह सेरेना विलियम्स (2012-14) के बाद लगातार तीन यूएस ओपन खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए शायद ही तैयार दिखती हैं, लेकिन सबालेंका चिंतित नहीं लग रही हैं। वह तो विद्रोही लग रही हैं।

जो लोग यह जानना चाहते थे कि उनके खेल में क्या खराबी है, उनके जवाब में उन्होंने कहा, 'शायद लोगों में ही कुछ खराबी है।' सबालेंका ने साल की अच्छी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में एलेना रायबाकिना से हारने के बाद उन्होंने इंडियन वेल्स और मियामी में लगातार दो हार्ड कोर्ट खिताब जीते। विंबलडन में चौथे दौर में नाओमी ओसाका से हारने के बावजूद माना जा रहा था कि वह जल्द ही अपनी पुरानी फॉर्म में लौट आएंगी, क्योंकि हार्ड कोर्ट उनकी पसंदीदा सतह रही है, लेकिन सबालेंका टोरंटो में चौथे दौर में एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से हार गई और सिनसिनाटी में सारा बेजलेक ने उन्हें दोनों सेटों में बढ़त का फायदा नहीं उठाने दिया।

सबालेंका ने कहा, 'वह दौर मेरे लिए अच्छा नहीं था। मैं अपना बचाव नहीं करना चाहती, लेकिन जाहिर है कि मैं उस दौर के बारे में बात नहीं करना चाहती। मैं कई चीजों से जूझ रही थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। ये कड़े सबक मुझे और भी ज़्यादा मज़बूत बनाएंगे और मैं और कड़ी मेहनत करूंगी। वापसी करना बस समय की बात है।' सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यहां 2024 में फाइनल में जेसिका पेगुला को हराकर पहली बार खिताब जीता था। पिछले साल उन्होंने अमांडा अनिसिमोवा को हराकर अपने खिताब का बचाव किया था।

अमेरिका ने वेनेजुएला का 65 अरब बैरल तेल भंडार कब्जाया

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोले- इतिहास की सबसे बड़ी डील

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका ने वेनेजुएला के 65 अरब बैरल से ज्यादा तेल भंडार पर कंट्रोल हासिल करने के लिए एक समझौता किया है। यह आंकड़ा इसलिए भी बड़ा है, क्योंकि अमेरिका के पास खुद करीब 46 अरब बैरल तेल है। भारत से तुलना करें तो देश हर साल करीब 1.6 से 1.7 अरब बैरल कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। इस हिसाब से 65 अरब बैरल तेल भारत के 40 साल के ऑयल इम्पोर्ट के बराबर है। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह काम वेनेजुएला में काम करने वाली एक निजी कंपनी के साथ मिलकर किया जाएगा। इस साझेदारी से निकलने वाले तेल में अमेरिका को 55% हिस्सा मिलेगा। हालांकि, इस निजी कंपनी का नाम अभी नहीं बताया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसे दुनिया की सबसे बड़ी डील बताया है। वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने भी इसे ऐतिहासिक समझौता बताया है।

वेनेजुएला के पास 300 अरब बैरल से ज्यादा तेल

वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है। वहां 300 अरब बैरल से ज्यादा तेल मौजूद है। ट्रंप जिस 65 अरब बैरल तेल पर अमेरिकी कंट्रोल की बात कर रहे हैं, वह वेनेजुएला के कुल तेल भंडार का करीब पांचवां हिस्सा है। वेनेजुएला के पास इतना बड़ा तेल भंडार होने के बावजूद वहां उत्पादन काफी कम है। आर्थिक संकट, निवेश की कमी और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण उसका तेल उद्योग लंबे समय से मुश्किल में है।

असम में तीन करोड़ की हेरोइन बरामद, 3 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, गुवाहाटी। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन कथित ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 379 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत तीन करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार रात सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि एसटीएफ असम ने आज एक खुफिया सूचना के आधार पर अभियान चलाकर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार किया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान 'असम अगेंस्ट ड्रग्स' लगातार जारी रहेगा।

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर सुनवाई कल

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 31 अगस्त को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें देश के सभी पेट्रोल पंपों के नोजल और पेट्रोल बिल पर एथेनॉल की सटीक मात्रा यानी प्रतिशत लिखे होने की मांग की गई है। पीटीआई के मुताबिक न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। यह याचिका नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर एथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से लिखा जाए।

यूएस ओपन में अल्काराज के पुराने फॉर्म में लौटने की उम्मीद

एजेंसी, न्यूयॉर्क

चार महीने से अधिक समय तक खेल से बाहर रहने वाले कार्लोस अल्काराज़ को उम्मीद है कि वह अपनी पुरानी फॉर्म में लौट कर रविवार से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज़ चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे लेकिन उन्हें लगता है कि वह वर्ष का अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, 'आप कार्लिटोस को उसी तरह खेलते हुए देखेंगे जैसे वह हमेशा खेलता आया है।' स्पेन के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अप्रैल के बाद कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है लेकिन वह सोमवार को यहां अच्छी शुरुआत करने के लिए प्रतिबद्ध नजर आते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने अपनी तकनीक में कोई बदलाव नहीं किया है और शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट होने का भरोसा जताया है।

अल्काराज़ ने कहा, 'मुझे प्रतिस्पर्धा की ज़रूरत है। मेरा और मेरी टीम का मानना है कि मैं पूरी तरह से तैयार हूं। वापसी का फैसला करना आसान नहीं था। मैंने इसके लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया है।' अल्काराज़ मौजूदा चैंपियन हैं और लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के प्रबल दावेदार हैं। एक साल पहले उन्होंने यानिक सिनर को हराकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी। इस बार सिनर नहीं खेल रहे हैं। दाहिने घुटने में चोट के कारण उन्होंने नाम वापस ले लिया है।

सीबीजी कीमतों में 43 प्रतिशत बढ़ोतरी, सरकार ने बताया असर कम

सरकार बोली सीएनजी-पीएनजी पर नहीं पड़ेगा ज्यादा बोझ

एजेंसी, नई दिल्ली

संपीडित बायोगैस यानी सीबीजी की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद सीएनजी और घरेलू पीएनजी उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय का कहना है कि सीबीजी के संशोधित विक्रय मूल्य से उपभोक्ताओं पर बहुत अधिक अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा।

सरकार सब्सिडी से कम करेगी बोझ

मंत्रालय के अनुसार कीमत में कुल 632 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसमें से 215 रुपये सरकार की ओर से सब्सिडी के रूप में दिए जा रहे हैं। यह सहायता लगभग 10 रुपये प्रति किलोग्राम के बराबर है। इसके चलते गैस उपभोक्ताओं के बड़े समूह से वसूली जाने वाली प्रभावी सीबीजी लागत 1,895 रुपये प्रति 10 लाख बीटीयू रह जाएगी। सरकार के मुताबिक इससे वास्तविक लागत वृद्धि करीब 28 प्रतिशत तक सीमित हो जाती है। इस बीच दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में सीएनजी की आपूर्ति करने वाली इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की घोषणा की है। सीबीजी भी सीएनजी के घटकों में शामिल है, इसलिए कीमतों में बदलाव का असर गैस की खुदरा कीमतों पर पड़ सकता है।

बवाल कांग्रेस ने सरकार से की मौजूदा प्रश्नावली को रद्द कर नई तैयार करने की मांग

जातिगत जनगणना की प्रश्नावली पर मचा बवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पार्टी ने सरकार से मौजूदा प्रश्नावली को रद्द कर राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और आम जनता से परामर्श के बाद नई प्रश्नावली तैयार करने की मांग की है। इसके साथ ही जातिगत जनगणना के तौर-तरीकों को लेकर सियासत शुरू हो गई है।

ओबीसी की वास्तविक संख्या सामने नहीं आने की आशंका जताते हुए विपक्षी दल इसे तूल देने में लगे हैं। इस हफ्ते खबरों के खिलाड़ी में इसी पर चर्चा हुई। चर्चा के लिए वरिष्ठ पत्रकार विनोद अग्निहोत्री, राकेश शुक्ल, बिलाल सब्जवारी, अनुराग वर्मा और गुंजा कपूर मौजूद रहे।

जनगणना को लेकर विशेषज्ञों के अलग-अलग विचार

बिलाल सब्जवारीः बिलाल ने कहा कि इस सबका जन्म समाज के अंदर मौजूद असमानता से होता है। समाजिक असमानता से समाजिक न्याय की मांग ने जन्म लिया। यहीं से आरक्षण की बात आती है। जब तक समाज का डेटा नहीं होगा, तब तक आप संसाधनों का बंटवारा नहीं कर सकते हैं। राजनीति का जहां तक सवाल है, तो सरकार ने इसका वादा किया था।

विनोद अग्निहोत्रीः जाति भारतीय समाज का कटु सत्य है। हम पसंद करें या नहीं कर पर ये सच्चाई है। मंडल आयोग के बाद में ये विभाजन सामाजिक और राजनीतिक तौर पर और मजबूत हुआ है। पहले जो पिछड़ा समाज की एक छतरी हुआ करती थी उसकी अलग-अलग जातियों की अब पार्टियां बन गई हैं। जाति जनगणना का उद्देश्य जातियों की पहचान करना है। जब जाति की पहचान हो जाएगी, तब असल तस्वीर सामने आएगी। तब आपकी सामाजिक कल्याण की योजनाएं उस हिसाब से बन सकेंगी।

अनुराग वर्माः अनुराग वर्मा ने कहा कि मेरा मानना है कि जब हम जातिविहीन व्यवस्था की बात कर रहे हैं, उस वक्त क्या आप देश को 200 साल पीछे ले जाना चाहते हैं। हम मित्रता करते समय जाति के बारे में नहीं सोचते, आज कल इंटरकास्ट शादियां भी बढ़ रही हैं। इन सबके बीच इस तरह की बातें करना मंशा पर सवाल खड़ा करता है।

राकेश शुक्लः शुक्ल ने कहा कि आप खुद से यह तय नहीं कर सकते हैं कि आप आर्थिक सामाजिक रूप से पिछड़े हुए हैं या नहीं। यह सरकार तय करेगी। आजादी के बाद जातियों की संख्या लगातार बढ़ी है। ये विसंगति के कारण है। आने वाली जनगणना त्रुटिपूर्ण नहीं होगी, इसकी क्या गारंटी है?

गुंजा कपूर : आजादी के करीब 80 साल होने को हैं। राहुल गांधी जिस तरह से जाति के ऊपर इतना फोकस कर रहे हैं। क्या आप एक बार फिर समाज को बांटना चाहते हैं। जातीय जनगणना का एक मुख्य मोटिव आरक्षण ही है। हमें व्यवस्था में सुधार करना होगा। जनगणना में दिक्कत नहीं है, दिक्कत व्यवस्था में है।